विवरणिका
2024-25

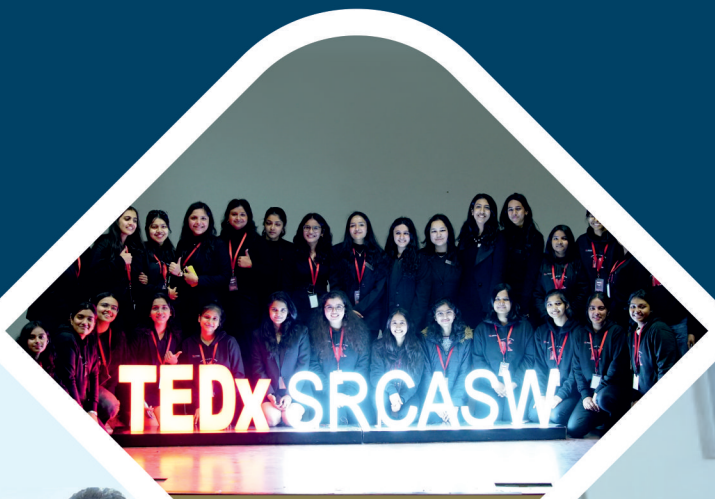

शहीद राजगुरू कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज़ फॉर वुमैन

एन॰ए॰ए॰सी॰ द्वारा 'ए+' ग्रेड के साथ मान्यता प्राप्त

एन॰आई॰आर॰एफ॰ 2023 कॉलेज रैंकिंग – 32

(दिल्ली विश्वविद्यालय)

(24 अगस्त 1908 – 23 मार्च 1931)

शिवराम हरि राजगुरू का जन्म 1908 में पूना जिले के खेद में एक हिन्दू ब्राह्मण परिवार में हुआ। वे बहुत छोटी उम्र में ही वाराणसी आ गए जहां पर उन्होंने संस्कृत सीखी और हिन्दू धार्मिक ग्रन्थों का अध्धयन किया। वाराणसी में वे क्रान्तिकारियों के संपर्क में आए। वे स्वाधीनता आन्दोलन में सम्मिलित हो गए और हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी (एच॰एस॰आर॰ए॰) के सक्रिय सदस्य बन गए। राजगुरू में निर्भिकता की भावना और अदम्य साहस कूट–कूट कर भरा था। उनकी अराधना और पूजा का मात्र एक ही उद्देश्य उनकी मातृभूमि थी, जिसकी मुक्ति के लिए वे किसी भी त्याग को कम मानते थे। वे चन्द्र शेखर आज़ाद, सरदार भगत सिंह और जतिन राम के निकटतम सहयोगी रहे तथा कानपुर, आगरा और लाहौर मुख्यालयों सहित उनकी गतिविधियों के प्रमुख केन्द्र उत्तर प्रदेश और पंजाब थे। राजगुरू एक बहुत अच्छे निशानेबाज थें और पार्टी के गनमैन के रूप में नवाज़े जाते थे। उन्होंने क्रांति के आन्दोलन की विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया, जिनमें से सबसे महत्वपूर्ण सन् 1928 में लाहौर में ब्रिटिश पुलिस अधिकारी जे॰पी॰ सांडर्स की हत्या थी।

सरदार भगत सिंह, राजगुरू एवं सुखदेव ने साडर्स की हत्या का प्रयास किया था। वे दोषी ठहराए गए और उन्हें मृत्यु दंड दिया गया। राजगुरू को उनके दो साथियों सहित 25 मार्च, 1931 को शाम को लाहौर जेल में फांसी दे दी गई। शहीद होने के समय राजगुरू की आयु मात्रा 23 वर्ष थी।

अनुक्रमणिका

अध्यक्ष का संदेश	1
प्रधानाचार्या की कलम से	2-3
कोषाध्यक्ष का संदेश	4
महाविद्यालय का दृष्टिकोण एवं ध्येय	5
प्रवेश विवरण	6-7
एन॰ई॰पी॰ यू॰जी॰सी॰एफ॰ प्रवाह संचित्र	8-9
महाविद्यालय के बारे में	10
आई॰क्यू॰ए॰सी॰ / एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्लयू	11
स्टॉफ / एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्लय	11
संकाय	12
विभाग	
• बॉयोकैमिस्ट्री विभाग	13
• बॉयोमेडिकल सांइस विभाग	14
• कैमिस्ट्री विभाग	15
• कम्प्यूटर सांइस विभाग	16
• इलैक्ट्रॉनिक्स विभागे	17
• खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग	18
• इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग	19
• प्रबंधन अध्ययन विभाग	20
• वित्तीय अध्ययन विभाग	21
• गणित विभाग	22
• माइक्रोबॉयोलॉजी विभाग	23
• भौतिकी विज्ञान विभाग	24
• साइकॉलोजी विभाग	25
• सांख्यिकी विभाग	26
सहायक विभाग	
• अंग्रेजी विभाग	27
• पर्यावरण अध्धयन विभाग	28
• शारीरिक शिक्षा एवं खेल–कूद विभाग	29
सुविधाएं / एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्लयू	30-31
उपलब्धियाँ / एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्लयू	32-33
अवसर / एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्लयू	34-36
जीवन / एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्लयू	37-48
सामाजिक पहलें	49-52
महाविद्यालय के नियम	53-54
अध्यादेश	55-56
समितिया	57
पाठ्यक्रम–वार सीटों की संख्या	58
शुल्क संरचना	59

अध्यक्ष का संदेश

वर्ष 1989 में स्थापित शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज़ फॉर वुमैन, बुनियादी और व्यावहारिक विज्ञान, प्रबंधन अध्ययन और अन्य संबद्ध क्षेत्रों में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रमुख संस्थानों में से एक है। कॉलेज को NAAC द्वारा 'A+' ग्रेड के साथ मान्यता प्राप्त है और इसकी एन.आई. आर.एफ. 2023 कॉलेज रैंकिंग 32 है । दिल्ली विश्वविद्यालय के एक घटक कॉलेज के रूप में, यह संस्थान पूरी तरह से एन०सी०टी०, दिल्ली सरकार द्वारा वित्त पोषित है। कॉलेज का लक्ष्य न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता बल्कि छात्राओं के समग्र व्यक्तित्व विकास से उन्हें सशक्त बनाना भी है।

इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए, कॉलेज सभी क्षेत्रों में सर्वांगीण सहायता प्रदान करता है, चाहे वह बुनियादी ढाँचा हो, अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ हों, अनुसंधान गतिविधियाँ हों, उद्यमशीलता का प्रदर्शन हो, खेल सुविधाएँ हों, सांस्कृतिक गतिविधियाँ हों, पर्यावरण चेतना हो, सामाजिक जुड़ाव हो अथवा पूर्व छात्रों और कई लोगों के साथ सूचनाओं या अन्य संसाधनों के परस्पर आदान–प्रदान एवं साझेदारी के लिए निरंतर संबंध हों। इन गतिविधियों को सक्षम करने के लिए, कॉलेज में युवा लड़कियों को उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्र में प्रशिक्षित करने और भारत के सामाजिक रूप से जिम्मेदार नागरिक बनने के मिशन को प्राप्त करने के लिए कॉलेज के पास समर्पित, प्रतिबद्ध और अच्छी तरह से निपुण संकाय और कर्मचारी हैं।
यह विवरणिका आपको कॉलेज की झलक और प्रवेश के लिए आवेदन करने के लिए आवश्यक जानकारी से अवगत कराती है।

शुभकामनाएं।

प्रो. अमिता गुप्ता
अध्यक्ष,
शासी निकाय,
शहीद राजगुरू कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज़ फॉर वुमैन,
दिल्ली विश्वविद्यालय

प्रधानाचार्य की कलम से

मैं आपका शहीद राजगुरू कॉलेज ऑफ एप्लाइड सांइसेज़ फॉर वुमैन में हार्दिक स्वागत करती हूँ और हमारे छात्रों को प्राप्त अनुभवों के अवसर व श्रेणी की विविधता पर एक नज़र डालने व प्रवेश संबंधी अन्य जानकारी के लिए प्रवेश ई–विवरणिका 2024 प्रस्तुत करती हूँ।

शहीद राजगुरू कॉलेज ऑफ एप्लाइड सांइसेज़ फॉर वुमैन में पिछले एक दशक में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुआ है। आज हमें 2000 से अधिक छात्राओं को और 14 विभिन्न विषयों में शिक्षा प्रदान करने के दायित्व को निभाने पर गर्व महसूस होता है। हमारे शिक्षण और अनुसंधान के प्रभाव को अब पूरे देश में मान्यता प्राप्त है जोकि हमारी राष्टीय रैंकिग में लगातार वृद्धि दर्शाती है। कर्मचारियों की प्रतिभाशाली और विविध टीम द्वारा समृद्ध, हम साझेदारी की भावना के माध्यम से उत्कृष्टता प्रदान करने और अवसर की समानता बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दृढ़ संकल्प, आत्मविश्वास और महत्वाकांक्षा के साथ काम करते हुए, हम आने वाले सत्र 2024–25 में कई रोमांचक अवसरों की आशा कर सकते हैं।

शहीद राजगुरू कॉलेज ऑफ एप्लाइड सांइसेज़ फॉर वुमैन NAAC द्वारा ग्रेड 'A+' मान्यता प्राप्त संस्थान है तथा एन.आई. आर.एफ. द्वारा ऑल इन्डिया रैंकिंग 2023 में 32वें स्थान पर है, जो न केवल शैक्षिक उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए एक मंच प्रदान करता है बल्कि समग्र विकास के लिए एक पोषक पर्यावरण भी प्रदान करता है। हमारे पास व्यक्तिगत जरूरतों के लिए उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करने और माध्यमिक शिक्षा के बाद के अवसरों के लिए युवाओं को तैयार करने का एक महान इतिहास है।

शहीद राजगुरू कॉलेज का उद्देश्य अपने छात्रों को प्रतिस्पर्धित माहौल प्रदान करना है और उन्हें अपने संबंधित क्षेत्रों में अग्रदूत साबित करना है। वर्तमान में कॉलेज में 14 स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान किये जा रहे हैं बीएससी (ऑनर्स) बॉयोकैमिस्ट्री, बी.एससी. (ऑनर्स) बॉयोमेडिकल सांइस, बी.एससी. (ऑनर्स) कैमिस्ट्री, बी.एससी (ऑनर्स) कम्प्यूटर सांइस, बी.एससी (ऑनर्स) इलैक्ट्रॉनिक्स, बी.एससी (ऑनर्स) फूड टेक्नॉलॉजी, बी.एससी (ऑनर्स) इंस्ट्रूमेंटेशन, बैचलर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, बी.एससी (ऑनर्स) मैथमेटिक्स, बी.एससी. (ऑनर्स) माइक्रोबॉयोलॉजी, बी.एससी (ऑनर्स) फिजिक्स, बी.ए. (ऑनर्स) साइकॉलोजी, बी.एससी (ऑनर्स) स्टेस्टिक्स ।

कॉलेज अपने अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे और सुविधाओं के लिए जाना जाता है। कॉलेज का प्रत्येक विभाग उच्च सुसज्जित प्रयोगशालाओं से परिपूर्ण है। हमारे छात्राओं के लिए एक उन्नत और इंटरैक्टिव लर्निंग के अनुभव को सुनिश्चित करने के लिए तीन मंजिला आर.एफ.आई.डी. सक्रिय पुस्तकालय, वाई–फाई सक्षम परिसर और उन्नत प्रक्षेपण प्रणाली और इंटरैक्टिव मॉनिटरर्स भी हैं। शारीरिक फिटनेस के मूल को आत्मसात करने के लिए, महाविद्यालय में एक पूर्णतः सुसज्जित जिमखाना भी है, जो सभी विद्यार्थियों के लिए खुला है। इस महाविद्यालय में लगभग 120 विद्यार्थियों के लिए छात्रावास की व्यवस्था है। रैम्पों और ऐलीवेटरों सहित, परिसर का डिजाईन शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के लिए भी अनुकूल है। महाविद्यालय में एक इन्डोर सभागार, एक ओपन–एयर रंगभूमि और एक सम्मेलन कक्ष है। 9.5 एकड़ में फैला हुआ हरा–भरा परिसर, महाविद्यालय के परिवेश को शान्त बनाए रखता है।

राजगुरू महाविद्यालय, वर्षों से अपने भूतपूर्व छात्रों की उनके सम्बन्धित क्षेत्रों में अभूतपूर्व सफलता का गौरवान्वित साक्षी रहा है और निश्चित रूप से भविष्य में भी और अधिक छात्रों के सम्बंध में साक्षी रहेगा। महाविद्यालय को, वर्ष–दर–वर्ष, अनेक

उज्जवल युवा मस्तिष्कों को सफलता की ऊंचाईयों तक पहुंचने में सक्षम बनाने का प्रयास करते हुए उनमें बदलाव लाने और कुछ बेहतर करने की क्षमता विकसित करने का अवसर मिला है।

प्रवेश प्रक्रिया और पाठ्यक्रम के चयन के सम्बन्ध में आसानी से जानकारी प्राप्त करने में छात्रों और उनके अभिभावकों की सहायता के लिए इस ई–विवरणिका में, प्रवेश पत्र को भरने, शुल्कों, सभी कार्यक्रमों के पाठ्यक्रमों और सामान्य चुनिंदा विकल्पों सहित प्रवेश प्रक्रिया के सम्बन्ध में सारी जरूरी जानकारी दी गई है।

नए शैक्षिक सत्र के आरम्भ के साथ ही, मैं प्रथम वर्ष के सभी विद्यार्थियों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं, उनके जीवन का एक नया चरण आरम्भ हो रहा है, जिसमें वे जीवन पर्यन्त साथ देने वाले मित्र बनाएंगे और बौद्धिक तथा सामाजिक रूप से आगे भी बढ़ेंगे। आने वाले वर्षों के लिए मैं आप सभी को शुभकामनाएं देती हूं और आशा करती हूं कि आप यहां पर अत्यन्त लाभदायक, आनन्दमय और अविस्मरणीय समय व्यतीत करेंगे।

(प्रो.डॉ. पायल मागो)
प्रधानाचार्या

कोषाध्यक्ष का संदेश

शहीद राजगुरू कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज़ फॉर वुमैन, दिल्ली विश्वविद्यालय का एक घटक कॉलेज है, जिसका लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और छात्राओं का समग्र व्यक्तित्व विकास है। इन उद्देश्यों को पूरा करने के लिए, छात्राओं को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचा, अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाएँ हैं, ताकि वे उद्योग के लिए तैयार हों और उच्च अध्ययन भी कर सकें। कई सह–पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियाँ और अन्य सामाजिक मंच उन्हें आगे बढ़ने और अपने व्यक्तित्व में नए आयाम जोड़ने का अवसर देते हैं।

यह विवरणिका कॉलेज और इसकी गतिविधियों के बारे में गहराई से जानकारी देती है, जिससे आपको सही विकल्प चुनने में सुविधा होगी।

शुभकामनाएं।

प्रोफेसर सुनैना
कोषाध्यक्ष
गवर्निंग बॉडी
शहीद राजगुरू कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज़ फॉर वुमैन
दिल्ली विश्वविद्यालय

महाविद्यालय का दृष्टिकोण एवं ध्येय

दृष्टिकोण – उद्योग जगत–शैक्षिक संस्थाानों का मजबूत गठबंधन बनाते हुए उच्च शैक्षणिक मानदंडों के सृजन को जारी रखते हुए और अनुसन्धान तथा विकास में अग्रणी भूमिका निभाते हुए विश्व के अग्रणी संस्थानों में से एक के रूप में उभरना है ताकि ढांचागत शिक्षण व्यवस्था के माध्यम से प्रासंगिक ज्ञान का प्रसार करते हुए हमारे समाज के सामाजिक–आर्थिक ताने–बाने के समक्ष उत्पान्न विद्यमान एवं भावी चुनौतियों पर विजय पाने के लिए पेशेवर तैयार करते हुए समाज की सेवा की जा सके।

ध्येय – नई शताब्दी में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य कर सकने वाले चहुंमुखी प्रतिभासम्पन्न पेशेवरों की एक नई पीढ़ी का निर्माण करना और उसे पोषित करना। भावी पेशेवरों के बीच व्यावहारिक कार्यनीतियों को आत्मसात करना और उनका प्रसार करना तथा तेजी से बदलते वैश्विक परिवेश में संगठन के लक्ष्य को पूरा करने के लिए उनकी समझ–बूझ को बढ़ावा देना हमारा प्रयास होगा।

प्रवेश विवरण

सभी यू॰जी॰ कार्यक्रमों में प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा अपनी वेबसाइट, अंडर–ग्रेजुएट बुलेटिन ऑफ इंफॉर्मेशन–2024 (यू॰जी॰–बी॰ओ॰आई॰) और कॉमन सीट आवंटन प्रणाली–2024 (सी॰एस॰ए॰एस) पर निर्दिष्ट पात्रता आवश्यकताओं, मानदंडों और प्रक्रियाओं के आधार पर किया जाता है।.

यू॰जी॰ स्तर पर प्रस्तावित प्रत्येक कार्यक्रम के लिए पात्रता मानदंड यू॰जी॰ बुलेटिन ऑफ इंफॉर्मेशन–2024 (यू॰जी॰बी॰ओ॰आई॰–2024) (विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट, admission.uod.ac.in पर उपलब्ध) में प्रकाशित किए गए हैं। उम्मीदवारों को यू॰जी॰–बी॰ओ॰आई॰–2024 और प्रवेश वेबसाइट से पात्रता मानदंड सावधानीपूर्वक जांचना चाहिए। दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट पर प्रकाशित, यू॰जी॰ बी॰ओ॰आई॰–2024 और सी॰एस॰ए॰एस॰–2024 के माध्यम से विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित मानदंडों के अलावा कोई अतिरिक्त पात्रता मानदंड नहीं हैं।

उम्मीदवार अपडेट, दिशानिर्देश, कार्यक्रम और प्रवेश–संबंधित नीतियों के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट की नियमित जांच करने के लिए जिम्मेदार है।

अंडर–ग्रेजुएट (यू॰जी॰) प्रवेश–2024 के संबंध में अधिसूचना / अपडेट के लिए, देखें: www.admission.uod.ac.in

शैक्षणिक वर्ष 2024–25 के लिए, दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी यू॰जी॰ कार्यक्रमों में प्रवेश कॉमन यूनिवर्सिटी प्रवेश परीक्षा–अंडर–ग्रेजुएट 2024 (सी॰यू॰ई॰टी॰ (यू॰जी) – 2024) के आधार पर किया जाएगा।

1. केवल सी॰यू॰ई॰टी॰ (यू॰जी॰)–2024 में शामिल होना दिल्ली विश्वविद्यालय में सीट सुरक्षित करने के लिए पर्याप्त शर्त नहीं होगी। दिल्ली विश्वविद्यालय यू॰जी॰ कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए, उम्मीदवार को सी॰एस॰ए॰एस–2024 में आवेदन करना होगा।
2. आवेदन प्रक्रिया शुरू करने से पहले, उम्मीदवार को सलाह दी जाती है कि वे यू॰जी॰ बी॰ओ॰आई॰–2024 और सी॰एस॰ए॰एस॰–2024 की सामग्री को ध्यान से पढ़ें, और दिल्ली विश्वविद्यालय अधिनियम, 1922, इसके संशोधनों और कानूनों से परामर्श लें। दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.du.ac.in पर उपलब्ध अध्यादेश, नियम, विनियम और अधिसूचनाएं अंतिम और बाध्यकारी होंगी।
3. दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को सामान्य न्यूनतम पात्रता मानदंड और कार्यक्रम–विशिष्ट पात्रता मानदंड के लिए यू॰जी॰ बी॰ओ॰आई॰–2024 को देखना होगा।
4. उम्मीदवार को कार्यक्रमों का चयन करने से पहले विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट पर प्रकाशित कार्यक्रमों की सूची, कार्यक्रम–विशिष्ट पात्रता मानदंड, सीट मैट्रिक्स, शुल्क संरचना और अन्य प्रासंगिक जानकारी देखनी चाहिए।
5. विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए पात्रता का निर्धारण और दस्तावेजों का सत्यापन विश्वविद्यालय का एकमात्र अधिकार क्षेत्रा होगा।
6. केवल वही उम्मीदवार जो सी॰यू॰ई॰टी॰ (यू॰जी॰)–2024 में उपस्थित हुआ है और किसी एक मान्यता प्राप्त बोर्ड से बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण की है, सी॰एस॰ए॰एस॰–2024 के लिए आवेदन करने के लिए पात्र होगा।
7. उम्मीदवार को विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट (https://admission.uod.ac.in) के माध्यम से विश्वविद्यालय के सी॰एस॰ए॰एस॰–2024 में ऑनलाइन आवेदन करना और प्राथमिकताएं भरना अनिवार्य है। किसी अन्य माध्यम से प्रस्तुत आवेदन किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।
8. सभी यू॰जी॰ कार्यक्रमों के लिए सीट आवंटन पूरी तरह से सी॰यू॰ई॰टी॰ (यू॰जी॰)–2024 में प्राप्त अंकों के आधार पर होगा।

प्रवेश विवरण

9. प्रदर्शन–आधारित कार्यक्रमों, और ई॰सी॰ए॰ और स्पोर्ट्स सुपरन्यूमेरी कोटा में सीट आवंटन के लिए, सी॰यू॰ई॰टी॰ (यू॰जी॰)–2024 और प्रदर्शन टेस्ट / परीक्षण और / या प्रमाणपत्रों के संयुक्त स्कोर पर विचार किया जाएगा।
10. प्रवेश वेबसाइट पर प्रकाशित सी॰एस॰ए॰एस॰–2024 मेरिट सूची का विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों द्वारा पालन किया जाएगा।
11. उम्मीदवारों को प्रवेश से संबंधित सभी संचार और अपडेट के लिए अपने डैशबोर्ड, ईमेल और प्रवेश वेबसाइट (www.admission.uod.ac.in) की जांच करने की सलाह दी जाती है।
12. प्रवेश दिशानिर्देशों, अनुसूची, पात्रता मानदंड और सी॰एस॰ए॰एस॰–2024 नियमों के बारे में उम्मीदवार की जागरूकता की कमी के लिए विश्वविद्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। यह उम्मीदवार की एकमात्र जिम्मेदारी है कि वह विश्वविद्यालय के डैशबोर्ड, ईमेल और प्रवेश वेबसाइट को नियमित रूप से जांचता रहे।
13. प्रवेश के लिए आवश्यकताओं का अनुपालन न करने पर, जिसमें प्रासंगिक दस्तावेज जमा न करना और / या निर्धारित तिथि और समय के भीतर शुल्क का भुगतान न करना शामिल है, उम्मीदवार प्रवेश का अपना अधिकार खो देगा।
14. उम्मीदवार को विश्वविद्यालय / कॉलेज द्वारा सूचित किए जाने पर मूल दस्तावेजों को सत्यापित करने के लिए व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना होगा।
15. किसी भी आरक्षित श्रेणी (पी॰डब्ल्यू॰बी॰डी॰, सी॰डब्ल्यू॰ और के॰एम॰ सहित) के तहत आरक्षण का दावा करने के लिए अपनी पात्रता साबित करना उम्मीदवार की एकमात्र जिम्मेदारी है। एस॰सी॰ / एस॰टी॰ / ओ॰बी॰सी॰–एन॰सी॰एल॰ / ई॰डब्ल्यू॰एस॰ / अल्पसंख्यक / सी॰डब्ल्यू॰ / पी॰डब्ल्यू॰बी॰डी॰ / के॰एम॰ श्रेणियों के तहत आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को सक्षम जारीकर्ता प्राधिकारी द्वारा जारी संबंधित आरक्षित श्रेणी / उप–श्रेणी के प्रमाण पत्र / दस्तावेज अपलोड करने होंगे।
16. यदि किसी भी स्तर पर, प्रवेश से संबंधित उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज नकली / गैर–वास्तविक और / या मनगढ़ंत या किसी अन्य तरीके से दोषपूर्ण पाए जाते हैं, तो उक्त उम्मीदवार को प्रवेश नहीं दिया जाएगा और यदि पहले ही प्रवेश ले लिया है, तो प्रवेश बिना किसी पूर्व सूचना के रद्द कर दिया जाएगा। यदि कार्यक्रम पूरा करने के बाद भी ऐसा पाया जाता है, तो उसकी डिग्री रद्द कर दी जाएगी और उसके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।
17. प्रवेश प्रक्रिया में उम्मीदवार की भागीदारी अंतिम होगी। यदि, किसी भी स्तर पर, यह पाया जाता है कि पात्रता आवश्यकताओं को पूरा नहीं किया गया है, तो प्रवेश, यदि दिया गया है, तो रद्द कर दिया जाएगा और ऐसे उम्मीदवार के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।
18. यदि कोई उम्मीदवार बाद में अयोग्य पाया जाता है तो विश्वविद्यालय प्रवेश शुल्क वापस नहीं करेगा।
19. विश्वविद्यालय, यू॰ओ॰डी॰ द्वारा निर्धारित नियमों और विनियमों का उल्लंघन करने वाले किसी भी उम्मीदवार का प्रवेश रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

सामान्य सीट आवंटन प्रणाली 2024 को तीन चरणों में विभाजित किया गया है : –

चरण I दिल्ली विश्वविद्यालय में आवेदन करना

चरण II कार्यक्रमों और कॉलेजों के लिए रिक्तियाँ भरना

चरण III आवंटन–सह–प्रवेश

विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए, उम्मीदवार को निर्धारित समय के भीतर सी॰एस॰ए॰एस॰ के सभी तीन चरणों को सफलतापूर्वक पूरा करना होगा।

एन॰ई॰पी॰यू॰जी॰सी॰एफ॰ प्रवाह संचित्रा

Structure of UG Single Core Discipline Program

DSC: Discipline Specific Course
DSE: Discipline Specific Electives
GE: General Electives
AEC: Ability Enhancement Course
IL - Pool of Indian Languages in the 8th schedule of the Constitution

SEC: Skill Enhancement Course
IAPC: Internship/Apprenticeship / Project/ Community Outreach
VAC: Value Addition Course
⊗ : Not Applicable

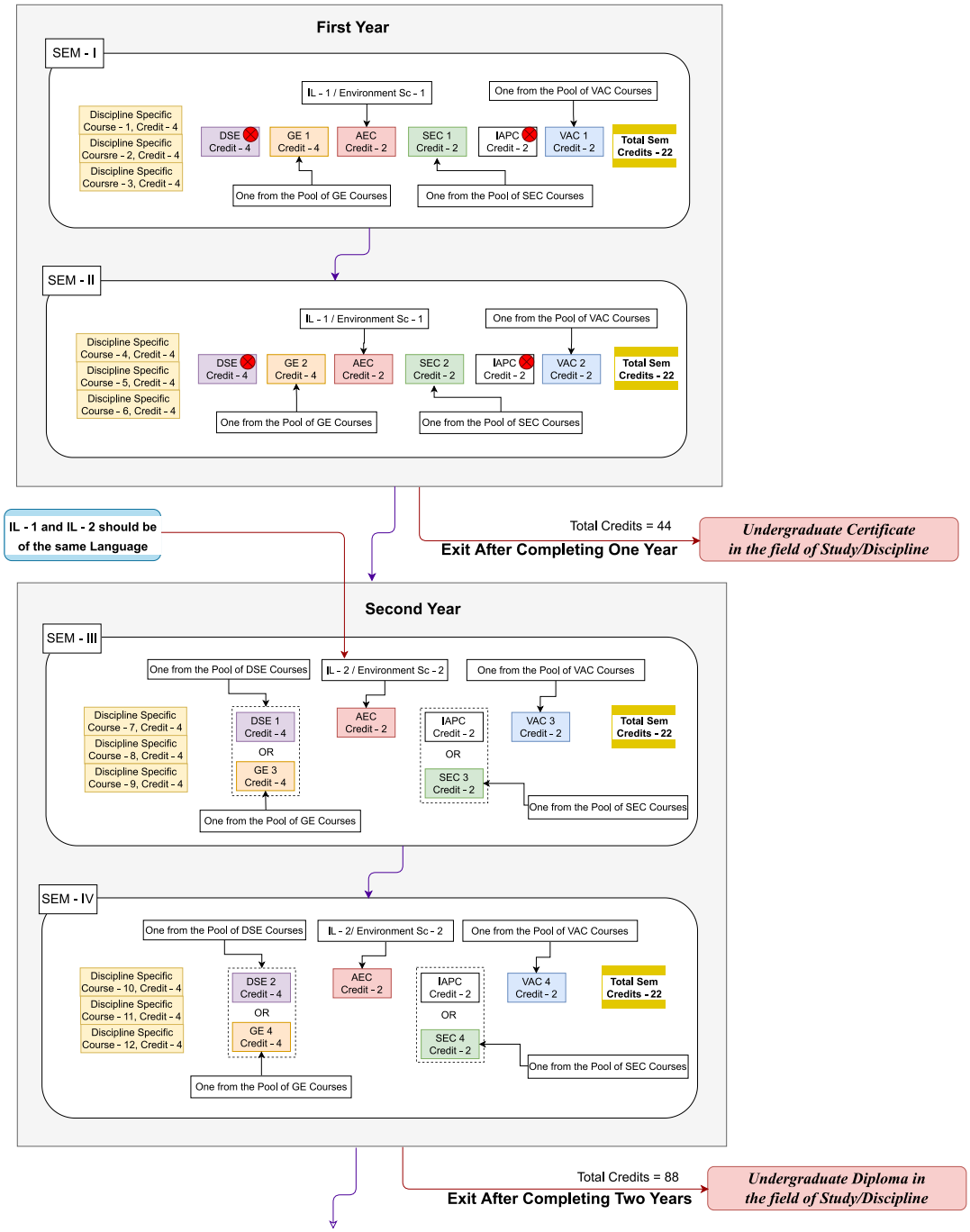

एन॰ई॰पी॰यू॰जी॰सी॰एफ॰ प्रवाह संचित्रा

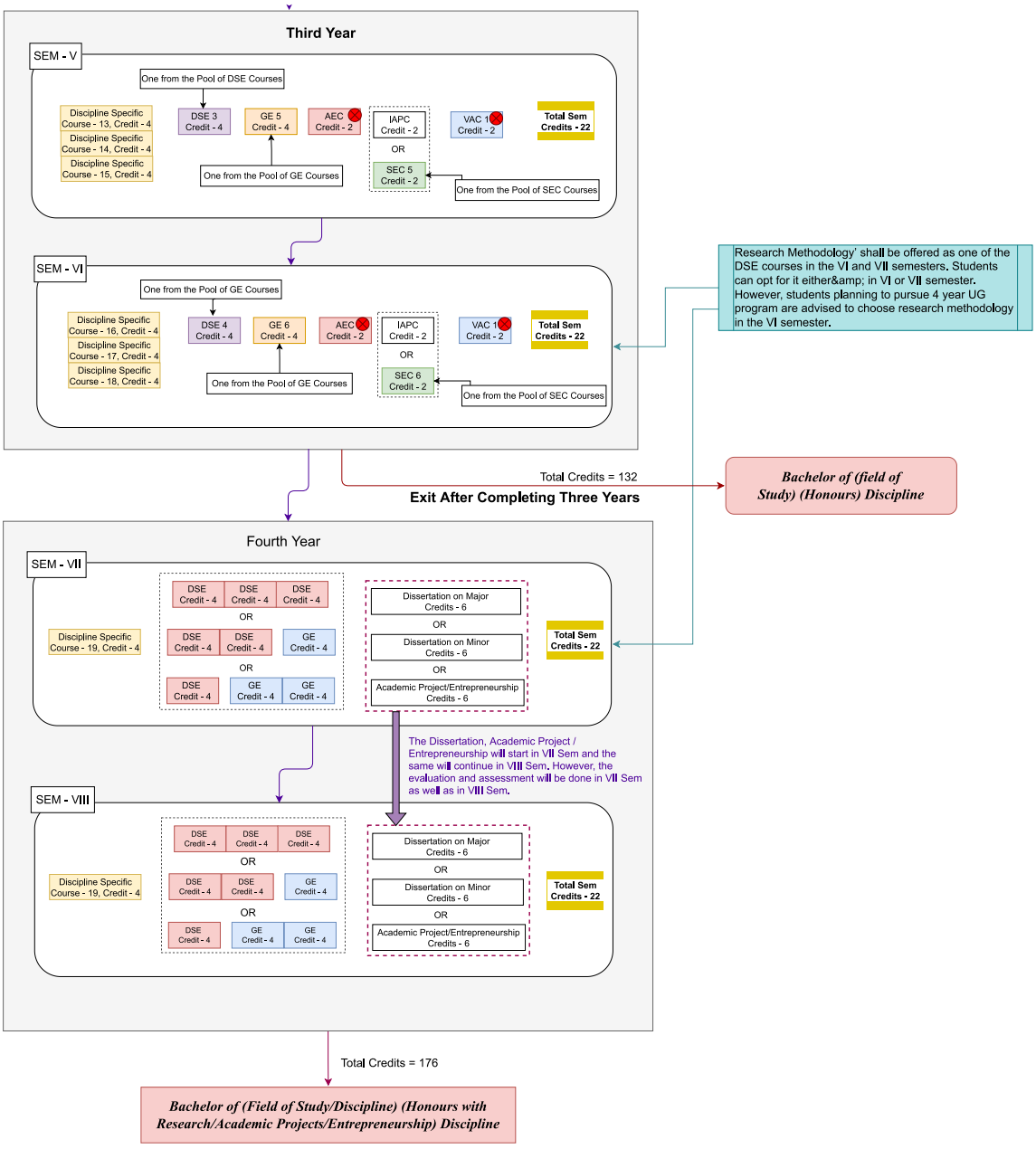

Important note: Students studying DSEs offered by any Discipline other than His/Her Core Discipline will be treated as GE for Him/Her.

In a single core discipline program, the student shall Major in the core discipline. However, if he/she wishes to Minor in another discipline then he/she has to earn 28 credits from GE courses of the second discipline.

In four years, a student will study the following number of DSCs, DSEs and GEs:
Total DSC papers : 20
Total DSE paper options : 10 (minimum to be chosen is 4)
Total GE paper options : 10 (minimum to be chosen is 4)

The student can **Minor** in another discipline, if he/she fulfills the following criteria:

Seven GEs = Minor
(7 x 4) = 28 credits

Example: A student is enrolled in B.A. (Hons.) History and decides to pursue 4th year (sem VII + sem VIII).

If he successfully completes the 4th year, he/she will be awarded **Major in History.**

In addition, if the student successfully completes, seven GEs in Political Science, he/she will be awarded **Minor in Political Science.**

महाविद्यालय के बारे में

दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली की सरकार द्वारा वित्त पोषित शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज़ फॉर वुमैन की स्थापना 1989 में हुई थी। इस महाविद्यालय द्वारा निम्नलिखित पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं :

क्रम सं.	पाठ्यक्रमों के नाम	क्रम सं.	पाठ्यक्रमों के नाम
1	बी.एससी. (आनर्स), बॉयोकैमिस्ट्र	8	बी.एससी. (आनर्स), गणित
2	बी.एससी. (आनर्स), बॉयोमैडिकल सांइस	9	बी.एससी. (आनर्स), माइक्रोबॉयोलॉजी
3	बी.एससी. (आनर्स), कैमिस्ट्री	10	बी.एससी. (आनर्स), भौतिकी विज्ञान
4	बी.एससी. (आनर्स), कम्प्यूटर सांइस	11	बी.एससी. (आनर्स), सांख्यिकी
5	बी.एससी. (आनर्स), इलैक्ट्रॉनिक्स	12	बी.बी.ए. (एफ.आई.ए.) बैचलर इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन
6	बी.एससी. (आनर्स) खाद्य प्रौद्योगिकी	13	बी.एम.एस. (बैचलर इन मैनेजमेंट स्टडीज)
7	बी.एससी. (आनर्स), इंस्ट्रूमेंटेशन	14	बी.ए. (आनर्स), साइकॉलॉजी

ये पाठ्यक्रम एक ऐसा मंच प्रदान करते हैं जहां विद्यार्थी विश्व्यापी चुनौतीपूर्ण स्थितियों का सामना करने के लिए आवश्यक और व्यावहारिक ज्ञान अर्जित करते हैं। वर्तमान में, इस महाविद्यालय में देश के विभिन्न भागों से आने वाली लगभग 1,700 छात्रा हैं।

महाविद्यालय में सुशिक्षित एवं सक्षम संकाय सदस्य हैं। सीखने, न सीखने और पुनः सीखने की योग्यता शिक्षण प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण पहलू है। महाविद्यालय में शिक्षण का सार यह है कि अध्यापक और विद्यार्थी के बीच अंतराल को विलीन कर दिया गया है, अध्यापक और विद्यार्थी एक ही प्रक्रिया के अंश हैं। महाविद्यालय में कुशल सहायक कर्मचारी हैं, जो विभिन्न प्रयोगशालाओं और महाविद्यालय के प्रशासनिक कार्यों के सुचारू कार्यकरण के लिए उत्तरदायी हैं।

नियमित पाठ्यक्रमों के अलावा यह महाविद्यालय विभिन्न विधाओं में अल्पकालिक कार्यशालाओं और व्याख्यानों का आयोजन करता है। सिस्को (सी.आई.एस.सी.ओ.) के सहयोग से यह महाविद्यालय एक सिस्को नेटवर्किंग अकादमी का संचालन करता है और विद्यार्थियों को सी.सी.एन.ए. उद्योग प्रमाणन के लिए तैयार करता है। लाइब्रेरी ऑटोमेशन और नेटवर्किंग में पी.जी. डिप्लोमा हेतु, इस महाविद्यालय में, इंदिरा गांधी मुक्त राष्ट्रीय विश्वविद्यालय (आई.जी.एन.ओ.यू.) का एक केन्द्र भी है। महाविद्यालय जर्मन भाषा में प्रमाणन और डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है।

महाविद्यालय अपने छात्राों को अतिरिक्त और सह–पाठयक्रम गतिविधियों में उत्कृष्टता प्राप्त करने का अवसर भी देता है। पारंपरिक शिक्षा के अलावा महाविद्यालय में विभिन्न सोसायटियां हैं जो छात्राओं को सम–सामयिक गतिविधियों में भी आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करतीं हैं।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आई.क्यू.ए.सी)

कॉलेज में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आई.क्यू.ए.सी) को यूजीसी और नैक के प्रस्ताव के अनुसार स्थापित किया गया है ताकि गुणवत्ता संवर्धन और निगरानी के लक्ष्यों को साकार किया जा सके। गुणवत्ता संवर्धन एक निरंतर प्रक्रिया है और इसलिए आई.क्यू.ए.सी कॉलेज के समग्र प्रदर्शन में सचेत, सुसंगत और उत्प्रेरक सुधार के लिए एक प्रणाली विकसित करने का प्रयास करता है। यह प्रकोष्ठ सभी संस्थागत प्रथाओं में गुणवत्ता संवर्धन के मानकों की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और इस प्रकार उत्कृष्टता और सतत विकास की प्रणाली को प्रोत्साहित करता है।

कॉलेज का एक सक्रिय आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आई.क्यू.ए.सी) है जो निरंतर विभिन्न गुणवत्ता पहलुओं की निगरानी और विश्लेषण करता है और इसे निरंतर सुधारने के लिए रणनीतियों पर विचार–विमर्श करता है। आई.क्यू.ए.सी, सेमिनार, विशेषज्ञ व्याख्यान, स्वास्थ्य जांच शिविर आदि जैसे विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करने के अलावा, गुणवत्ता मानकों की स्थापना और रखरखाव के प्रति भी प्रतिबद्ध है। इसमें छात्रों, स्टाफ और अभिभावकों से समय–समय पर प्रतिक्रिया लेना, परिणामों का विश्लेषण करना और नैक वार्षिक गुणवत्ता आश्वासन रिपोर्ट (ए.क्यू.ए.आर) जमा करना शामिल है।

आई.क्यू.ए.सी ने अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों और उद्योगों के साथ सहयोग को भी सुगम बनाया है।

स्टॉफ@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

शिक्षण स्टॉफ

गैर–शिक्षण एवं प्रशासनिक स्टॉफ

संकाय

प्रधानाचार्या, एस.आर.सी.ए.एस.डब्लयू

प्रोफेसर (डॉ.) पायल मागो[14]
पीएच.डी. (बॉटनी),
एम.एससी. (बॉटनी)
दिल्ली विश्वविद्यालय

बॉयोलॉजी एवं माईक्रोबॉयोलॉजी विभाग

डॉ. रेखा मेहरोत्रा[##]
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (जेनेटिक्स), एम.फिल. (बॉटनी),
एम.एससी. (बॉटनी) दिल्ली विश्वविद्यालय

बॉयोकैमिस्ट्री विभाग

डॉ. साधना जैन[#]
एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (बॉयोकैमिस्ट्री), एम.एससी.
(बॉयोकैमिस्ट्री), दिल्ली विश्विविद्यालय

बॉयोमेडीकल साईंस विभाग

डॉ. राधिका बक्शी
(प्रोफेसर)
पी.एचडी. (बॉयोकैमिस्ट्री) ए.आई.आई.एम.एस.,
एम.एससी. (बॉयोकैमिस्ट्री) दिल्ली विश्वविद्यालय

डॉ. श्रुति बंसवाल
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (मोलेक्यूलर बॉयोलॉजी एवं बॉयोटेक्नालॉजी)
आई.ए.आर.आई., दिल्ली, एम.एससी. (प्लांट मोलिक्यूलर बॉयोलॉजी)
दिल्ली विश्वविद्यालय

बॉयोमेडीकल साईंस विभाग

डॉ. वर्षा मेहरा[#]
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (बॉयोमेडीकल साईंस), दिल्ली विश्वविद्यालय,
एम.एससी. (बॉयोटेक्नालॉजी), जे.एन.यू

डॉ. मौ. साकिब अन्सारी
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (बॉयोकैमिस्ट्री),
एम.एससी. (बॉयोकैमिस्ट्री) बुन्देलखंड विश्वविद्यालय

कैमिस्ट्री विभाग

डॉ. इन्दु अरोड़ा
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (कैमिस्ट्री), एम.एससी. (कैमिस्ट्री)
दिल्ली विश्वविद्यालय

डॉ. जसजीत कौर [#]
(प्रोफेसर)
पीएच.डी. (बॉयोटेक्नालॉजी), एम.एससी. (कैमिस्ट्री),
पंजाब विश्वीविद्यालय, पटियाला

कम्प्यूटर साईंस विभाग

डॉ. सुरुचि चावला
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (सी.एस.), दिल्ली विश्वविद्यालय,
एम.टेक. (सी.एस.ई.), कुरुक्षेत्रा विश्वविद्यालय

कम्प्यूटर साईंस विभाग

डॉ. दीपाली बजाज[#]
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. डी.यू., एम.फिल. (कम्प्यूटर साईंस), मदुरई कामराज
विश्वविद्यालय, एम.सी.ए. (इग्नू), दिल्ली

डॉ. आकांक्षा
(एसोसिएट प्रोफेसर) पीएच.डी. (सी.एस.), डी.यू,
एम.फिल. (सी.एस.), मदुरई कामराज विश्वविद्यालय,
एम.एससी. (सी.एस.), बनस्थली विद्यापीठ

इलैक्ट्रॉनिक्स विभाग

सुश्री वेनिका गुप्ता [#]
(एसोसिएट प्रोफेसर)
एम.फिल. (इलैक्ट्रॉनिक्स), एम.एससी.
(इलैक्ट्रॉनिक्स), दिल्ली विश्वविद्यालय

सुश्री प्रीति सिंघल
(एसोसिएट प्रोफेसर)
एम.फिल. (इलैक्ट्रॉनिक्स), एम.एससी.
(इलैक्ट्रॉनिक्स), दिल्ली विश्वविद्यालय

फूड टेक्नॉलॉजी विभाग

डॉ. दीपा जोशी [#]
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (डेयरी), एन.डी.आर.आई., करनाल,
एम.एससी. (एफ.टी.), जी.बी.पन्त विश्वविद्यालय

डॉ. रंजना सिंह
(प्रोफेसर)
पीएच.डी. (फूड टेक्नॉलॉजी), एम.एससी.
(फूड टेक्नॉलॉजी), जी.बी.पन्त विश्वविद्यालय

डॉ. परा ढोलकिया
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (एफ.टी.), एम.एससी. (फूड एंड न्यूट्रीशन),
एम.एस., बडौदा विश्वविद्यालय

इलैक्ट्रॉनिक्स विभाग

डॉ. दया भारद्वाज [#3]
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी., टी.ई.आर.आई. विश्वविद्यालय,
एम.एससी. (एम.आई.सी.ए.) जीवाजी विश्वविद्यालय

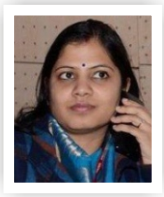

डॉ. स्नेहा कावरा
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (इलैक्ट्रॉनिक्स),
एम.एससी. (इलैक्ट्रॉनिक्स), डी.यू

मैथेमैटिक्स विभाग

डॉ. पुनीता सक्सेना[#]
(प्रोफेसर)
पी.एच.डी. (मैथेमैटिक्स), जामिया मिलिया इस्लामिया,
एम.फिल., एम.एससी. (मैथेमैटिक्स), दिल्ली विश्वविद्यालय

भौतिकी विज्ञान विभाग

डॉ. अलका वोहरा कुंअँर[#]
(प्रोफेसर)
पी.एच.डी. (भौतिकी), एम.एससी. (भौतिकी),
दिल्ली विश्वविद्यालय

प्रभारी प्राध्यापक, संबंधित विभाग / 1 समन्वयक, वित्तीय और प्रबंधन अध्ययन विभाग /
2 समन्वयक, माइक्रोबॉयोलॉजी विभाग / 3 समन्वयक, मनोविज्ञान विभाग / 4 समन्वयक, सांख्यिकी विभाग

बॉयोकैमिस्ट्री विभाग

'Innovation is our Tradition'

यह विभाग बी.एससी. (आनर्स) बॉयोकैमिस्ट्री को संचालित करता है । पाठ्यक्रम में जीवन के अणुओं, कोशिका जीव विज्ञान, प्रोटीन, एंजाइम, जीन संगठन, मानव शरीर विज्ञान, संक्रामक रोग, पादप जैव रसायन आनुवंशिकी, प्रतिरक्षा विज्ञान आदि का अध्ययन शामिल है। यह पाठ्यक्रम छात्र को विभिन्न विषयों में अपने मास्टर कार्यक्रमों और औद्योगिक नौकरियों को चुनने का अवसर देता है, जिससे उन्हें अन्य कार्यक्रमों पर बढ़त मिलती है। विभाग शैक्षणिक ब्लॉक में भूतल पर स्थित है ।

पूर्व में विश्वविद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया जा चुका है। हमारे कई छात्र दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय और जामिया मिलिया इस्लामिया जैसे कई अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहे हैं। अन्य छात्रों ने भी विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों / विश्वविद्यालयों जैसे एम्स, डीयूईटी, पीजीआईएमईआर, हैदराबाद विश्वविद्यालय और बीएचयू आदि की पीजी प्रवेश परीक्षाओं में अखिल भारतीय रैंक हासिल की है।

स्नातक पाठ्यक्रम के लिए आवश्यक सभी प्रकार के प्रयोग करने के लिए प्रयोगशालाएं पीएच मीटर से लेकर यूवी दृश्यमान स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, रेफ्रिजेरेटेड सेंट्रीफ्यूज, इलेक्ट्रोफोरेसिस इकाइयों, पीसीआर इत्यादि जैसे बुनियादी और उन्नत उपकरणों से सुसज्जित हैं।

विभाग छात्रों को छोटी शोध परियोजनाओं पर काम करने के लिए भी प्रोत्साहित करता है । कुछ छात्रों की अनुसंधान परियोजनाओं को स्वीकार किया गया और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत किया गया ।

छात्रों को ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (टीएचएसटीआई), डाबर रिसर्च फाउंडेशन और दिल्ली विश्वविद्यालय साउथ कैंपस जैसे अनुसंधान संस्थानों और उद्योगों के नियमित शैक्षिक दौरे के लिए भी ले जाया जाता है ।

पाठ्येतर गतिविधियां

विभाग की निर्वाचित छात्र सोसायटी ''विन्कुलम'', छात्रों को समग्र दृष्टिकोण विकसित करने और कक्षा शिक्षण से परे अनुसंधान हितों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए नियमित रूप से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठित हस्तियों के साथ सेमिनार, बौद्धिक वार्ता, प्रशिक्षण कार्यक्रम, पूर्व छात्र बैठकें और कार्यशालाएं आयोजित करती है।

- विभाग का एक अन्य मुख्य आकर्षण इसका वार्षिक टेक – फेस्ट श्एलिक्सिरश है जो विज्ञान के सार का जश्न मनाने के लिए हर साल आयोजित किया जाता है। विभाग अपनी वार्षिक पत्रिका ''अनलॉकिंग माइंड्स'' भी जारी करता है।
- विभाग छात्रों को ताजगी का एहसास दिलाने के लिए शैक्षिक और मनोरंजक दोनों तरह की यात्राएँ आयोजित करता है नैनीताल और मसूरी की पिछली यात्राओं को छात्रों ने बहुत पसंद किया है।
- विभाग नियमित रूप से मेंटर (संकाय) – मेंटी (छात्रा) बैठकें,पर्यावरण–मानसिक जागरूकता गतिविधियाँ भी आयोजित करता है और विभिन्न त्यौहार मनाता है। धीमी गति से सीखने वालों के लिए स्वैच्छिक छात्रा सलाहकार भी नियुक्त किए जाते हैं। ये सभी गतिविधियाँ मूल्य–आधारित शिक्षा के सार को बढ़ावा देती हैं।

बॉयोमेडिकल सांइस विभाग

बायोमेडिकल साइंस बी.एससी. (ऑनर्स) एन.ई.पी. योजना के तहत चार साल का स्नातक कार्यक्रम है। विभाग की स्थापना वर्ष 2005 में जैविक विज्ञान में कैरियर के लिए आवश्यक मजबूत ज्ञान आधार और कौशल सेट के लिए छात्रों को एक मजबूत मंच प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। पाठ्यक्रम में ह्यूमन फिजियोलॉजी, फार्माकोलॉजी,जेनेटिक्स, बायोकैमिस्ट्री, इम्यूनोलॉजी, पैथोलॉजी, बायोइनफॉरमैटिक्स, बायोफिजिक्स, टॉक्सिकोलॉजी, बायोसांख्यिकी, बायोटेक्नोलॉजी और मेडिसिनल केमिस्ट्री में क्रेडिट शामिल हैं। पाठ्यक्रम इसे वास्तव में अंतःविषय पाठ्यक्रम बनाता है जो छात्रों को जैविक विज्ञान के विभिन्न पहलुओं में कैरियर बनाने के लिए तैयार करता है। विभाग के पास थर्मो–साइक्लर, यूवी स्पेक्ट्रो–फोटोमीटर, जैल इलेक्ट्रोफोरेसिस इकाइयां, सेंट्रीफ्यूज, इनक्यूबेटर, शेकर्स, आटोक्लेव और रोटरी वैक्यूम, पशु कोशिका संवर्धन सुविधा सहित लैमिनर फ्लो सहित नवीनतम उपकरणों के साथ अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं हैं। विभाग की छात्रा सोसायटी, 'कीमरा', छात्रों को नवीनतम अनसुधांन और तकनीकी प्रगति से अवगत रखने के लिए प्रख्यात शिक्षाविदों और उद्यमियों के साथ सेमिनार और इटैक्टिव सत्र आयोजित करती है। विभागीय वैज्ञानिक उत्सव,'प्लेक्सस' विभाग की एक वार्षिक विशेषता है, जिसमें छात्रा अन्य बौद्धिक और वैज्ञानिक चर्चाओ का आयोजन करते हैं, भाग लेते हैं और उनमें शामिल होते है। विभाग नियमित रूप से सम्मेलनों और कार्यशालाओं का आयोजन करता है । विभाग में बहु–विषयक संकाय जीवित दुनिया के अंतर्निहित आणविक, सेलुलर और शारीरिक तंत्र का पता लगाता है। विभाग छात्र इंटर्नशिप, व्यावहारिक प्रशिक्षण और ग्रीष्मकालीन परियोजनाओं सहित अनुसंधान परियोजनाओं में सक्रिय रूप से शामिल है। आरसीबी, डाबर इंडिया लिमिटेड, एनबीआरसी, जेएनयू, एम्स और आईसीजीईबी जैसे विभिन्न प्रतिष्ठित अनुसंधान संस्थानों और उद्योगों का नियमित दौरा भी आयोजित किया जाता है। बायोमेडिकल साइंस पाठ्यक्रम छात्रों को बुनियादी और व्यावहारिक विज्ञान दोनों में अनुसंधान में कैरियर के लिए आवश्यक ज्ञान और हस्तांतरणीय कौशल से लैस करता है। इस पाठ्यक्रम से स्नातक करने वाले छात्र फार्मास्युटिकल कंपनियों में शामिल होते हैं और टीआईएफआर, आईआईएसईआर, भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), एनआईआई, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त करते हैं। यह पाठ्यक्रम स्व–रोजगार के लिए अवसर भी प्रदान करता है, जैसे डायग्नोस्टिक प्रयोगशाला की स्थापना, उद्योगों में प्रदूषण नियंत्रण के लिए फ्रीलांस लाइसेंस इंस्पेक्टर, व्यावसायिक रूप से उपलब्ध उत्पादों के उत्पादन के लिए जैव प्रौद्योगिकी इकाई की स्थापना और इसके अलावा अनुप्रयुक्त जीवविज्ञान के किसी भी क्षेत्रा में अनुसंधान में रुचि रखने वालों के लिए अंतहीन संभावनाएँ प्रदान करता है।

रसायन विज्ञान विभाग

रसायन विज्ञान विभाग बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन विज्ञान कार्यक्रम संचालित करता है। विभाग में चार भली–भांति सुसज्जित प्रयोगशालाएं हैं, जिनमें एक अनुसंधान प्रयोगशाला भी शामिल है। ये प्रयोगशालाएं रसायन विज्ञान की तीन मुख्य शाखाओं अर्थात् अकार्बनिक, कार्बनिक और भौतिक रसायन विज्ञान की आवश्यकताओं को पूरा करती हैं। अनुसंधान प्रयोगशाला में कई अनुसंधान परियोजनाएं और नवाचार परियोजनाएं की गई हैं। ये प्रयोगशालाएं, यूवी–विस स्पैक्ट्रोफोटोमीटर, इलैक्ट्रानिक बैलेंसिस, सेन्ट्रीफ्यूग – माईक्रोप्रोसेसर आधारित 16,000 आरपीएम के हॉट प्लेट युक्त मैगनेटिक स्टिररों, वोरटेक्स शेकरों, रोटरी वैक्यूम पम्पों, डिजिटल पीएच मीटरों, डिजिटल एवं इलैक्ट्रिकल मेलटिंग यन्त्रों, डिस्टिलेशन यूनिटों, फ्यूम हुड्स इत्यादि जैसे विभिन्न उपकरणों से सुसज्जित हैं।

विभाग के छात्र विभिन्न सह–पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं और कॉलेज की विभिन्न सोसाइटियों के सदस्य हैं। इसके अलावा, वे राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलनों और सेमिनारों में भी भाग लेते हैं ताकि रसायन विज्ञान और संबद्ध विषयों में हाल के नवाचारों और विकासों से अवगत रह सकें। विभाग द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप परियोजनाएं उनकी शोध क्षमताओं को बढ़ाने में सहायक होती हैं।

विभाग में एक जीवंत रासायनिक सोसाइटी ''एल्केमी'' है, जो छात्रों और शिक्षकों को कक्षा के बाहर परस्पर चर्चा करने का मंच प्रदान करती है। यह सोसाइटी नियमित रूप से प्रतिष्ठित विद्वानों और वैज्ञानिकों द्वारा लोकप्रिय व्याख्यान आयोजित करती है, ताकि अपने सदस्यों को रसायन विज्ञान से संबंधित क्षेत्रों में नवीनतम विकास से अवगत कराया जा सके। तकनीकी महोत्सव और कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं ताकि छात्रों को एक्सपोजर मिल सके। छात्रों को अंतर–विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं और गतिविधियों में भाग लेने के पर्याप्त अवसर मिलते हैं। शैक्षिक भ्रमण छात्रों को कक्षा से परे शिक्षा प्रदान करते हैं।

महाविद्यालय के छात्रों को विभिन्न प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और संस्थानों, जैसे दिल्ली विश्वविद्यालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (चेन्नई, धनबाद, गांधी नगर, गुवाहाटी, मुंबई, रूड़की), भारतीय विज्ञान शिक्षा संस्थान एंड रिसर्च (मोहाली, पुणे), टीईआरआई स्कूल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज (दिल्ली), जामिया हमदर्द (दिल्ली), भारतीय प्रबंधन संस्थान (रांची), बफेलो विश्वविद्यालय (न्यूयॉर्क, यू. एस. ए.), ग्लासगो विश्वविद्यालय (यू.के.), यूनिवर्सिटी कॉलेज (डबलिन, आयरलैंड), फ्री यूनिवर्सिटेट बर्लिन (जर्मनी) और कई अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में मास्टर और डॉक्टरेट कार्यक्रमों के लिए चुना गया हैं।

कम्प्यूटर सांइस विभाग

कंप्यूटर विज्ञान विभाग वर्ष 1998 में स्थापित किया गया था। विभाग बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान कार्यक्रम संचालित करता है। इस पाठ्यक्रम की पाठ्यक्रम रूपरेखा और संरचना राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 पर आधारित है। यह पाठ्यक्रम गणित आदि के साथ मुख्य कंप्यूटर विज्ञान विषयों सहित सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उम्मीदवारों के लिए आवश्यक जोर प्रदान करता है। पाठ्यक्रम व्यापक प्रयोगशाला सत्र प्रदान करता है जहां छात्र सिद्धांत में सीखी गई अवधारणाओं को लागू करते हैं। विभाग उभरते रुझानों और प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में विभिन्न कार्यशालाएं/तकनीकी वार्ता/सेमिनार भी आयोजित करता है जो छात्रों के तकनीकी ज्ञान के आधार को मजबूत करने में सहायता करता है। छात्रों को प्रदान की गई विविध विशेषज्ञता उन्हें आईटी और कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में रोजगार के विभिन्न अवसर सुरक्षित करने में सक्षम बनाती है। विभाग के छात्रों को विभिन्न आईटी उद्योगों जैसे विप्रो टेक्नोलॉजीज, टीसीएस, एक्सेंचर, एचसीएल, टेक महिंद्रा आदि में प्लेसमेंट मिला। छात्र एम.एससी., एम.सी.ए. जैसे विभिन्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी कर सकते हैं और रोजगार अपनाने के विकल्प के अलावा विभाग के पूर्व छात्र ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय, जेएनयू, आईआईटी, लैंबटन कॉलेज, कनाडा आदि जैसे विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। छात्रों के समग्र विकास के लिए, विभाग की छात्र परिषद् हर साल इंटर कॉलेज वार्षिक तकनीकी उत्सव 'टेक मेलांज' का आयोजन करती है।

विभाग नवीनतम सॉफ्टवेयर विकास उपकरणों और प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके तकनीकी कौशल प्रदान करने के लिए उत्कृष्ट बुनियादी ढांचा प्रदान करता है। विभाग के पास अच्छी तरह से सुसज्जित आईसीटी सक्षम प्रयोगशालाएं हैं:–

- नवीनतम कंप्यूटर कॉन्फिगरेशन के साथ 127 कंप्यूटर (इंटेल कोर प7, 20 जीबी रैम और 16 जीबी रैम के साथ 3.4 गीगाहर्ट्ज प्रोसेसर, 64–बिट विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम और क्विक हील सुरक्षा कवच)।
- 4 लेजर प्रिंटर, 1 मल्टी–फंक्शन प्रिंटर और 2 स्कैनर।
- छात्रों के व्यावहारिक अनुभव को समृद्ध करने के लिए लाइसेंस प्राप्त सॉफ्टवेयर और फ्री/ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर का अच्छा संयोजन।
- प्रत्येक प्रयोगशाला में माउंटेड प्रोजेक्टर और दो पोर्टेबल प्रोजेक्टर होते हैं, जिनका उपयोग सेमिनार और प्रस्तुतियों के लिए शिक्षण सहायता के रूप में किया जाता है।

इनमें माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस प्रोफेशनल 2021, टर्बो सी, क्विंसी, आईडीई पायथन, स्ट्रॉबेरी प्रोलॉग, मल्टीमीडिया टूल्स, रेड हैट लिनक्स, लेक्स और याक यूटिलिटीज, विजुअल स्टूडियो, नवीनतम जावा एसई डेवलपमेंट किट, सीपीयू सिम्युलेटर, वीका, ऑक्टेव, एंड्रॉइड स्टूडियो, एनाकोंडा नेविगेटर, MySQL, वी.एस. कोड, नोडज, XAMPP, MASM आदि शामिल हैं। छात्रों के बीच शोध कार्य की भावना को बढ़ाने के लिए प्रयोगशालाएं छात्रों को ई–जर्नल प्रदान करने के लिए इंटरनेट सुविधा से सुसज्जित हैं।

कंप्यूटर विज्ञान विभाग के पास एक विशेष CCNA (सिस्को प्रमाणित नेटवर्क एसोसिएट) लैब भी है, जहां छात्रों को CISCO राउटर, स्विच, ब्रिज आदि के बारे में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है। विभाग के पास सर्वर रूम, कार्यालय सह विभागीय पुस्तकालय, यूपीएस कक्ष और शिक्षण कक्ष जैसे विभिन्न उपयोगिता कक्ष भी हैं। प्रयोगशाला कार्य को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने के लिए विभाग के पास कुशल प्रयोगशाला कर्मचारी हैं, जिनमें तकनीकी सहायक, प्रयोगशाला सहायक और प्रयोगशाला परिचारक शामिल हैं।

इलैक्ट्रॉनिक्स विभाग

इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स, एक डिग्री कार्यक्रम आयोजित करता है। यह प्रोग्राम बुनियादी से लेकर उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स का गहन ज्ञान प्रदान करता है। इस कार्यक्रम को पूरा करने के बाद छात्रों के पास उच्च शिक्षा के लिए कई रास्ते हैं जैसे कि एम.एस.सी. (इलेक्ट्रॉनिक्स), एम. सी.ए., एम.बी.ए. आदि। इस कार्यक्रम के पूरा होने पर छात्रों के पास कैरियर के कई अवसर हो सकते हैं। विभाग के पास संचार इलेक्ट्रॉनिक्स, माइक्रोप्रोसेसर, ऑप्टो–इलेक्ट्रॉनिक्स, डिजिटल और एनालॉग इलेक्ट्रॉनिक्स आदि जैसी अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाएँ हैं। ये प्रयोगशालाएँ डिजिटल स्टोरेज ऑसिलोस्कोप, फंक्शन जनरेटर, बिजली आपूर्ति, मल्टी मीटर, व्यावहारिक ट्रेनर किट, परिष्कृत माइक्रोप्रोसेसर और माइक्रोकंट्रोलर ट्रेनर से सुसज्जित हैं। किट आदि के साथ–साथ उनके सॉफ्टवेयर जैसे मैटलैब, मल्टीसिम, एक्सिलिनक्स और एलटीस्पाइस भी शामिल हैं। दो इलेक्ट्रॉनिक्स सिमुलेशन प्रयोगशालाएं ऑनलाइन और ऑफलाइन सिमुलेशन के लिए 50 से अधिक नवीनतम कंप्यूटरों से सुसज्जित हैं। सिमुलेशन, प्रोजेक्ट, असाइनमेंट, वेबिनार और अनुसंधान के लिए नवीनतम

कंप्यूटरों में छात्रों और कर्मचारियों को वेब तक पहुंचने के लिए इंटरनेट सुविधाएं भी प्रदान की जाती हैं। विभाग के पास संकाय और छात्रों के लिए एक बुक बैंक भी है। इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग में नए विकास और हालिया रुझानों को कारगर बनाने के लिए छात्रों के लिए सक्रिय रूप से सेमिनार, वेबिनार, कार्यशालाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। विभाग सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में सामुदायिक सेवाओं में शामिल होने के लिए छात्रों का समर्थन करके मूल्य–आधारित शिक्षा को भी बढ़ावा देता है। विभाग की अपनी छात्र सोसायटी है जिसका नाम "विद्युत'' है। यह सोसायटी संकायों के साथ मिलकर प्रतिवर्ष तकनीकी उत्सव 'इलेक्ट्रोमेनिया' के साथ–साथ विभिन्न तकनीकी और गैर–तकनीकी गतिविधियों का आयोजन करती है। छात्र परिषद् छात्रों को इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में नवीनतम प्रौद्योगिकियों, अनुसंधान और विकास की जानकारी देने के लिए एक द्विवार्षिक पत्रिका ''इलेक्ट्रोवेडा" प्रकाशित करती है। विभाग इलेक्ट्रॉनिक्स में अनुसंधान के प्रति प्रेरित छात्रों के लिए संस्थान इंटर्नशिप के अवसर भी प्रदान करता है।

खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग

यह विभाग खाद्य प्रौद्योगिकी में बी.एससी. (आनर्स) प्रदान करता है। मुख्य विभाग भूतल पर स्थित है तथा पायलट संयंत्र बेसमेंट क्षेत्र में स्थित है विभाग में 6 पूर्णकालिक शिक्षण कर्मचारी और 3 अर्ध शिक्षण कर्मचारी हैं। विभाग में 5 प्रयोगशालाएँ हैं– विश्लेषणात्मक प्रयोगशाला 1 और 2, खाद्य सूक्ष्म जीव विज्ञान प्रयोगशाला, खाद्य और पोषण प्रयोगशाला, और विश्लेषणात्मक इंस्ट्रुमेंटेशन प्रयोगशाला। कल्चर इनोक्यूलेशन, सैंपल वजन और सैंपल पाचन के लिए अतिरिक्त कमरे हैं, जो क्रमशः लैमिनर फ्लो चैंबर, इलेक्ट्रॉनिक बैलेंस और पाचन सुविधाओं से सुसज्जित हैं। पायलट प्लांट में कैनिंग यूनिट, डिहाइड्रेशन यूनिट, फ्लूइडाइज्ड बेड फ्रीजर, डीप फ्रीजर, बेकरी और आइसक्रीम यूनिट हैं। विभागीय पुस्तकालय में छात्रों और शिक्षकों के लिए कंप्यूटर और इंटरनेट सुविधाओं के साथ संदर्भ पुस्तकें, परियोजना रिपोर्ट और उत्पाद विकास साहित्य हैं।

विश्लेषणात्मक प्रयोगशालाओं में नमी मीटर, फटने की शक्ति परीक्षक, वैक्यूम ओवन, ब्रूकफील्ड विस्कोमीटर (डिजिटल और एनालॉग), एब्स रेफ्रेक्टोमीटर, पेनेट्रोमीटर, हाइड्रोमीटर, सॉक्सलेट यूनिट, यूवी दृश्यमान स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, डिहाइड्रेटर, मफल फर्नेस, पोलारिमीटर, लोविबॉन्ड टिंटोमीटर, केजेल्डहल यूनिट, वैक्यूम हैं। बाष्पीकरणकर्ता, कॉब परीक्षक, वैक्यूम पैकेजिंग मशीन, किण्वक, और आरएम–पीवी अनुमान असेंबली। बेकरी इकाई में प्लैनेटरी मिक्सर, बेकिंग ओवन, आटा गूंधने की मशीन, ब्रेड स्लाइसर, आटा शीटर, बन कटर, चीनी पीसने की मिल, रसोई सहायता मिक्सर आदि हैं। माइक्रोबायोलॉजी लैब में आटोक्लेव, इनक्यूबेटर, डिजिटल माइक्रोस्कोप, दूरबीन माइक्रोस्कोप, बीओडी इनक्यूबेटर, एयर सैंपलर, मिलिपोर हैं। निस्पंदन असेंबली, लैमिनर वायु प्रवाह कक्ष, इलेक्ट्रॉनिक कॉलोनी काउंटर आदि। उन्नत सुविधाओं में एचपीएलसी प्रणाली, बनावट विश्लेषक, परमाणु अवशोषण स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, रैनसीमैट, वसा विश्लेषक, प्रोटीन विश्लेषक, रिवर्स ऑस्मोसिस प्लांट और एसओ 2 अनुमान असेंबली शामिल हैं। विभाग को पूर्व में विभिन्न अत्याधुनिक उपकरणों की खरीद के लिए खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय से पचास लाख का अनुदान प्राप्त हुआ है।

विभाग अन्य विभागों या विभिन्न संगठनों के साथ मिलकर नियमित रूप से कार्यशालाओं, प्रशिक्षण सत्रों, आमंत्रित व्याख्यानों, संगोष्ठियों और वेबिनार का आयोजन करता है ताकि छात्रों को क्षेत्र में हाल के विकास के बारे में अपडेट और सूचित रखा जा सके। वर्तमान सत्र में, विभाग ने 'अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष', कृषि प्रसंस्करण में जल संसाधन प्रबंधन पर ऑनलाइन वार्ताओं का आयोजन किया, और 'बाजरे का महत्व' पर रेसिपी निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया। अक्टूबर में 'विश्व खाद्य दिवस' मनाया गया। छात्रों ने विभिन्न अंतर–कॉलेज प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों के साथ विभागीय तकनीकी उत्सव, फूड फेलिसिटी मनाया।

विभाग द्वारा छात्रों के लिए विभिन्न उद्योगों और अनुसंधान संस्थानों जैसे एनडीआरआई–करनाल, प्राचीन गोल्डन मिलेट्स, मदर डेयरी–दिल्ली, गोगिया फ्लेवर इंडस्ट्री, अमूल डेयरी प्लांट, सफल–दिल्ली और याकुल्ट–सोनीपत की शैक्षिक यात्राओं का भी आयोजन किया जाता है। छात्र देश और विदेश के विभिन्न प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में उच्च शिक्षा कार्यक्रमों को आगे बढ़ाते हैं जैसे कि सीएफटीआरआई – मैसूर, भारतीय पैकेजिंग संस्थान, एनडीआरआई–करनाल, एनआईएफटीईएम सोनीपत, बीएचयू, पीएयू, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, कॉर्नेल विश्वविद्यालय, नीदरलैंड विश्वविद्यालय आदि। विभाग के पूर्व छात्र विभिन्न खाद्य उद्योगों और संगठनों जैसे जीएसके, मदर डेयरी, नेस्ले इंडिया, पेप्सी–को, याकुल्ट, एफएसएसएआई, बीआईएस आदि में अच्छी जगह पर हैं। विभाग नए उत्पाद विकास में छात्रों को प्रशिक्षित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है और कौशल संवर्धन के लिए एक उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ है।

इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग

इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग बी. एससी (ऑनर्स) इंस्ट्रूमेंटेशन कार्यक्रम आयोजित करता है। विभाग ने शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों का समर्थन करने के लिए एक आधुनिक अनुसंधान सुविधा और बुनियादी ढांचा विकसित किया है। विभाग में पाठ्यक्रम के आधार पर पीसीबी निर्माण प्रयोगशाला द्वारा समर्थित पांच प्रमुख प्रयोगशालाएँ हैं वैट प्रयोगशाला द्वारा समर्थित विश्लेषणात्मक इंस्ट्रूमेंटेशन प्रयोगशाला, बायोमेडिकल इंस्ट्रूमेंटेशन प्रयोगशाला, इलेक्ट्रॉनिक्स इंस्ट्रूमेंटेशन और इलेक्ट्रिकल मशीन प्रयोगशाला, माइक्रोप्रोसेसर प्रयोगशाला और औद्योगिक इंस्ट्रूमेंटेशन प्रयोगशाला ।

विश्लेषणात्मक प्रयोगशाला एचपीएलसी, जीएलसी, पीएच मीटर, यूवी–विज स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, फोटोमीटर, फ्लेम फोटोमीटर, एफटीआईआर स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, रेफ्रिजरेटेड सेंट्रीफ्यूज, मैग्नेटिक स्टिरर और रोटरी वैक्यूम इवेपोरेटर से सुसज्जित है। बायोमेडिकल प्रयोगशाला में बायोमेडिकल किट हैं जिनका उपयोग ईईजी, ईसीजी, ईएमजी, नाड़ी दर, श्वसन दर आदि को मापने के लिए किया जाता है। प्रयोगशाला में एलिसा रीडर, बायोकैमिस्ट्री विश्लेषक, पीसीआर मशीन, रक्त कोशिका काउंटर और अल्ट्रासाउंड मशीन भी है। इलेक्ट्रॉनिक्स इंस्ट्रूमेंटेशन और इलेक्ट्रिकल मशीन प्रयोगशाला में श्रृंखला और शंट डीसी मोटर्स, इंडक्शन मोटर्स आदि जैसे विभिन्न उपकरण हैं। माइक्रोप्रोसेसर लैब छात्रों को प्रोग्रामिंग और नई परियोजनाओं को डिजाइन करने, मैट्रिक्स हेरफेर के लिए MATLAB प्रोग्रामिंग, कार्यों और डेटा की प्लॉटिंग, कार्यान्वयन के लिए प्रशिक्षित करने के लिए 8085 किट से सुसज्जित है। प्रयोगशाला KiCAD सॉफ़्टवेयर से भी सुसज्जित है जिसका उपयोग पीसीबी डिजाइनिंग और प्रोटोटाइप के साथ–साथ सर्किट सिमुलेशन और त्रुटि जांच के लिए किया जाता है। औद्योगिक इंस्ट्रूमेंटेशन प्रयोगशाला में ओरिफिस मीटर, DC कैलिब्रेशन मीटर, लेवल ट्रांसमीटर, अल्ट्रासोनिक फ्लो मीटर, रेशियो कंट्रोलर, प्रेशर गेज कैलिब्रेटर, मैग्नेटिक फ्लो मीटर, सर्कुलर चार्ट रिकॉर्डर आदि जैसे उपकरण हैं। प्रयोगशाला में ड्रिलिंग मशीनें और सोल्डरिंग स्टेशन भी हैं जो छात्रों को पीसीबी निर्माण का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करते हैं। विभाग की सभी प्रयोगशालाएं कंप्यूटर सिस्टम्स से सुसज्जित हैं जो सिमुलेशन आधारित प्रैक्टिकल के लिए उपयोग की जाती हैं।

विभाग छात्रों को क्षेत्र में नवीनतम विकास के बारे में अपडेट करने के लिए नियमित आधार पर कार्यशालाएं, प्रशिक्षण, आमंत्रित व्याख्यान और सेमिनार आयोजित करता है। इस वर्ष (2023–2024) विभाग ने विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की हैं:–

(1) कॉलेज के प्रवृध्दि इको क्लब के सहयोग से 2023 क्षेत्र–10 ईए परियोजना के तहत 'स्नातक छात्रों द्वारा फ्लैश मॉब के माध्यम से समुदाय को जलवायु लचीलेपन के प्रति संवेदनशील बनाना' विषय पर विभिन्न गतिविधियाँ की गईं।

(2) सिंकग्रिड प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से 'पीसीबी डिजाइनिंग और निर्माण' पर कार्यशाला।

(3) व्याख्यान – 'इंस्ट्रूमेंटेशन और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में भविष्य की संभावनाएं और कैरियर मार्गदर्शन' पर एक पूर्व छात्र बातचीत श्रृंखला।

(4) 'डाबर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड', साहिबाबाद, उत्तर प्रदेश का औद्योगिक दौरा।

(5) टेक्नेक्सस 23, एक वार्षिक तकनीकी उत्सव।

(6) 'क्वांटमएटीके वर्चुअल नैनोलैब सॉफ्टवेयर का परिचय (सिनॉप्सिसो – क्वांटमवाइजो इंक)' पर आमंत्रित टॉक (ऑनलाइन मोड) ।

प्रबंधन अध्ययन विभाग

शहीद राजगुरु कॉलेज में प्रबंधन अध्ययन विभाग (डीएमएस) प्रबंधन अध्ययन में स्नातक (बीएमएस) कार्यक्रम प्रदान करता है, जो छात्रों को विभिन्न उद्योगों में प्रबंधन पदों के लिए आवश्यक कौशल सिखाता है। इस कोर्स में मार्केटिंग, फाइनेंस, मानव संसाधन प्रबंधन, वैश्विक व्यापार, डिजिटल मार्केटिंग जैसे कई विषय शामिल हैं।

विभाग नियमित रूप से रजत अरोड़ा (शिक्षक, उद्यमी, यूट्यूबर), डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन (भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार), श्री कार्तिकेय चोपड़ा (Google द्वारा शीर्ष विपणनकर्ता के रूप में सम्मानित), प्रो. जे. सलदान्हा (आईबीएस, गुड़गांव में 12 वर्षों से अधिक के शिक्षण अनुभव के साथ प्रसिद्ध संकाय), और हमारे छात्रों को प्रबंधन के क्षेत्र में नवीनतम रुझानों और विकास पर अद्यतन रखने के लिए ऐसे प्रसिद्ध उद्योग विशेषज्ञों और पेशेवरों द्वारा सेमिनार, कार्यशालाएं, वेबिनार और सत्र आयोजित करता है।

इसके अलावा, छात्रों को व्यावहारिकता सीखने के अवसर प्रदान करने और उनके प्रबंधकीय और विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करने में मदद करने के लिए शैक्षिक क्षेत्र के दौरे, भ्रमण और सामाजिक आउटरीच कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। विभाग एक वार्षिक तकनीकी उत्सव 'आई०आई०डी०ए०आई०आर०ए० भी आयोजित करता है, जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताएं और कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। डीएमएस छात्रों को एक समग्र शिक्षण अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है जहाँ व्यावहारिक कौशल और आलोचनात्मक सोच पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

हमारे पूर्व छात्रों ने INSEAD, IIMS जैसे वैश्विक स्तर पर बहुत प्रतिष्ठित उच्च शिक्षा संस्थानों, एफएमएस और भी बहुत कुछ में प्रवेश सुरक्षित किया है। छात्रों ने अर्न्स्ट और यंग, बजाज कैपिटल, शेयरखान, नीति आयोग, दिल्ली विश्वविद्यालय (वीसी इंटर्नशिप) और कई अन्य प्रमुख संगठनों में इंटर्नशिप की है। प्लेसमेंट के दौरान, छात्रों को प्रेफर्ड स्क्वायर, एबुलिएंट सिक्योरिटीज, गिस्ट, एचसीएल टेक, डेल्टाएक्स, डिट्टो इंश्योरेंस, प्लैनेट स्पार्क, टीसीएस में स्थान मिला है। लगभग 5.3 एलपीए के औसत पैकेज और 8.5 एलपीए के उच्चतम पैकेज के साथ, विभाग ने अपने पांचवें स्नातक बैच के लिए काफी अच्छा प्रदर्शन किया है।

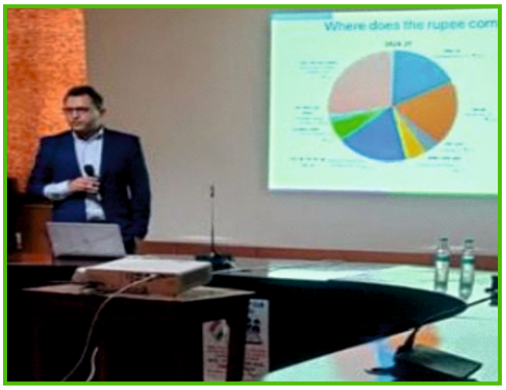

वित्तीय अध्ययन विभाग

बी.बी.ए (B.B.A.) का नया पाठ्यक्रम (एफ.आई.ए.) नीतिगत हस्तक्षेप, वैश्विक एकीकरण और तकनीकी व्यवधान के माध्यम से नवीनतम विकास पर ध्यान देने के साथ वित्त के बहुत गतिशील क्षेत्र का गहन ज्ञान प्रदान करता है। इस पाठ्यक्रम को करने के बाद छात्र बैंकिंग और वित्तीय, निवेश और निधि प्रबंधन, कॉर्पोरेट वित्तीय प्रबंधन और वित्तीय जोखिम प्रबंधन, अंतर्राष्ट्रीय वित्त क्षेत्रों में विशेषज्ञता के साथ सामान्य कॉर्पोरेट वित्त के क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल करेंगे।

विभाग नियमित तौर पर सेमिनार, वेबिनार, कैरियर परामर्श सत्र आयोजित करता है, जिसमें सुश्री दक्षा जॉर्जिया (बीआईएपी में वित्तीय साक्षरता और निवेशक शिक्षा के लिए प्रशिक्षक), प्रोफेसर जे. सलदान्हा (आईबीएस, गुड़गांव में संकाय), श्री हविश माधवपति (40 अंडर 40 एनालिटिक्स के संस्थापक), श्री सिद्धार्थ सिंघल (मुख्य शिक्षक, आईएमएस) और कई अन्य प्रतिष्ठित वक्ता शामिल होते हैं जिन्होंने विभाग के छात्रों को अपनी बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान की है।

निवेशक जागरूकता, वित्तीय मॉडलिंग, पावर बीआई, केंद्रीय बजट आदि विषयों पर ढेर सारी कार्यशालाएँ आयोजित की गई हैं। सहायता के लिए कई शैक्षिक क्षेत्र दौरे और भ्रमण भी आयोजित किए जाते हैं, जिससे छात्र अपने प्रबंधकीय और विश्लेषणात्मक कौशल को निखारते हैं। डीएफएस अपने वार्षिक तकनीकी उत्सव शलिडायराश का आयोजन करता है, जिसमें छात्रों के लिए विविध प्रतियोगिताओं का भी आयोजन होता है।

हमारे पूर्व छात्रों ने आईआईएमएस, एचईसी (मॉन्ट्रियल, कनाडा), डीटीयू जैसे प्रतिष्ठित उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रवेश सुरक्षित किया है और कई छात्रों ने प्रतिष्ठित कंपनियों में इंटर्नशिप हासिल की है। उन्हें प्रेफर्ड स्क्वायर, एबुलिएंट सिक्योरिटीज, गिस्ट, एचसीएल टेक, डेल्टाएक्स, डिट्टो इंश्योरेंस, प्लैनेट स्पार्क, टीसीएस जैसी प्रसिद्ध कंपनियों में 6.5 एलपीए पर उच्चतम सीटीसी और 5 एलपीए पर औसत सीटीसी के साथ नियुक्त किया गया है।

गणित विभाग

गणित विभाग की स्थापना वर्ष 1989 में हुई थी और यह अपनी स्थापना के बाद से ही कॉलेज के कामकाज में सहायक रहा है। विभाग बीएससी (ऑनर्स) गणित, एक स्नातक कार्यक्रम जो गणित में प्रमुख डिग्री प्रदान करता है, ऑफर करता है। यह गणित में चार साल का पाठ्यक्रम है जिसमें एक, दो या तीन साल पूरा करने के बाद पाठ्यक्रम छोड़ने की सुविधा भी है। तदनुसार, एक छात्र को क्रमशः अनुसंधान डिग्री के साथ प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, सम्मान या सम्मान दिया जाएगा। छात्र कॉलेज के अन्य विभागों से कोई छोटा कोर्स भी चुन सकता है। विभाग मेहनती और समर्पित छात्रों के साथ मिलकर काम करने वाले अनुसंधान–उन्मुख शिक्षकों का एक संपन्न समुदाय है। हम गणितीय सिद्धांतों की गहरी समझ को बढ़ावा देने के लिए समर्पित हैं, विभिन्न क्षेत्रों में उनके व्यावहारिक अनुप्रयोग को बढ़ावा देते हुए। विभाग का लक्ष्य विश्लेषणात्मक सोच, समस्या–समाधान कौशल और गणित की सुंदरता के प्रति गहन सराहना विकसित करना है।

विभागीय सोसायटी ''रामनार्य'' नियमित रूप से सेमिनार, कार्यशालाएं और अन्य गतिविधियां आयोजित करती है जो विचारों के आदान–प्रदान और गणितीय ज्ञान की उन्नति के लिए मंच प्रदान करती हैं। इसकी व्याख्यान श्रृंखला 'अभिज्ञान' के बैनर तले प्रख्यात गणितज्ञों और विद्वानों के व्याख्यान आयोजित किए जाते हैं। विभाग के पूर्व छात्रों के साथ बातचीत 'संवादः पूर्व छात्र बातचीत' श्रृंखला के तहत आयोजित की जाती है। विभाग इन सेमिनारों, कार्यशालाओं और इंटरैक्शन का आयोजन करके छात्रों को अनुसंधान रुचि का पता लगाने और आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने का निरंतर प्रयास करता है। छात्रों को इंटर्नशिप और आउटरीच गतिविधियों के माध्यम से व्यापक गणितीय समुदाय के साथ जुड़ने के लिए प्रेरित किया जाता है। छात्रों को अनुसंधान परियोजनाओं और इंटर्नशिप के लिए अन्य विभागों के साथ सहयोग करने के लिए भी प्रेरित किया जाता है। ये अवसर छात्रों को नेतृत्व कौशल विकसित करने और पेशेवर नेटवर्क बनाने में मदद करते हैं जो उनके भविष्य के करियर के लिए आवश्यक हैं।

कार्यक्रम का पाठ्यक्रम इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि छात्रों को गणित के सिद्धांत और व्यावहारिक घटक में प्रशिक्षित होने का अवसर मिलता है। प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम को कोर पेपर्स, जेनेरिक ऐच्छिक, कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम, मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम और क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम में विभाजित किया गया है। अपने अध्ययन के पाठ्यक्रम में छात्रों को गणित के मुख्य वैचारिक पेपर जैसे कैलकुलस, रियल एंड कॉम्प्लेक्स एनालिसिस, लीनियर और एब्सट्रैक्ट अलजेब्रा के साथ–साथ लीनियर प्रोग्रामिंग, ग्राफ थ्योरी और गणितीय पायथन जैसे एप्लाइड पेपर का अध्ययन करने का अवसर मिलता है। विभाग के पास शिक्षण और अनुसंधान दोनों का समर्थन करने के लिए हाई–स्पीड ब्रॉडबैंड इंटरनेट सुविधा से सुसज्जित प्रयोगशालाएँ हैं। सिस्टम गणितीय और सांख्यिकीय सॉफ़्टवेयर जैसे मैथमेटिका, आर, लाटेक्स और HTML के साथ स्थापित किए गए हैं। इस कोर्स के पूरा होने के बाद, छात्र बैंकों, कॉरपोरेट्स, शिक्षण, सिविल और अन्य प्रशासनिक सेवाओं में नौकरी कर सकते हैं या वे प्रतिष्ठित संस्थानों में शामिल होकर गणित में एम.एससी के बाद पीएच.डी. प्राप्त कर सकते हैं। छात्र एमसीए या एमबीए भी कर सकते हैं।

छात्रों के समग्र विकास के लिए, विभाग छात्रों को महाविद्यालय के सांस्कृतिक एवं खेल आयोजनों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। विभाग 'ज्ञानवर्धक दिमाग' की दृष्टि के साथ 'सीखने के परिवार' के आदर्श वाक्य में विश्वास करता है।

सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग

माइक्रोबायोलॉजी विभाग वर्तमान में बी.एससी. (ऑनर्स) माइक्रोबायोलॉजी कार्यक्रम की पेशकश कर रहा है। सूक्ष्मजीवों का हमारे दैनिक जीवन पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है, चाहे वह पर्यावरण का रखरखाव हो, महत्वपूर्ण औद्योगिक उपकरण के रूप में कार्य करना हो, या कई मानव, पशु और पौधों की बीमारियों के साथ–साथ भोजन को खराब करने के कारक के रूप में कार्य करना हो। विभाग का लक्ष्य सूक्ष्मजीव विज्ञान के अनुशासन में छात्रों को शिक्षित और प्रशिक्षित करना और सक्रिय अनुसंधान के माध्यम से इस वैज्ञानिक क्षेत्र के ज्ञान का विस्तार करना है। माइक्रोबायोलॉजी का अध्ययन करने के कई कारणों में से एक चिकित्सा विज्ञान, कृषि, पर्यावरण विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी में करियर बनाने के लिए आवश्यक क्षेत्र का बुनियादी ज्ञान प्राप्त करना है।

विभाग में अलग मीडिया तैयारी कक्ष, जैव–इंस्ट्रूमेंटेशन कक्ष, टीकाकरण कक्ष के साथ विशाल प्रयोगशालाएं हैं और एक संस्कृति कक्ष है। इसमें डिजिटल पीएच मीटर, इलेक्ट्रॉनिक वजन संतुलन, यौगिक माइक्रोस्कोप, जैव सुरक्षा कैबिनेट, रेफ्रिजरेटेड सेंट्रीफ्यूज, बीओडी इनक्यूबेटर, यूवी–विज़िबल स्पेक्ट्रोफोटोमीटर और पीसीआर मशीन से लेकर बुनियादी और उन्नत उपकरणों से सुसज्जित अच्छी तरह से बनाए रखे गए उपकरण सुविधा है। हमारे पास अत्यधिक योग्य, जानकार, कुशल संकाय और प्रयोगशाला कर्मचारी हैं। हमारे छात्र प्रतिष्ठित भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में उच्च अध्ययन कर रहे हैं। हम अपने छात्रों को शोध परियोजनाओं पर काम करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और शोध लेख प्रकाशित करने के लिए उनका मार्गदर्शन करते हैं। विभाग प्रतिष्ठित अनुसंधान प्रयोगशालाओं और उद्योगों के लिए क्षेत्रीय यात्राएं आयोजित करता है।

विभाग में एक विधिवत निर्वाचित छात्र परिषद 'ईथरियल' है जो प्रख्यात वैज्ञानिकों और उद्यमियों के साथ राष्ट्रीय सम्मेलन और इंटरैक्टिव सत्र आयोजित करती है। विभागीय तकनीकी उत्सव 'माइक्रोब्लेज' हर साल आयोजित किया जाता है और विभाग की पत्रिका 'इवेनेसेंट' भी प्रतिवर्ष जारी की जाती है। विभाग मशरूम की खेती पर कौशल विकास प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम और संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित करता है। इसके लिए इसमें एक अच्छी तरह से सुसज्जित लॉट आधारित मशरूम खेती की सुविधा है।

हमारे विभाग को शैक्षणिक वर्ष 2023–24 के लिए माइक्रोबायोलॉजिस्ट सोसाइटी इंडिया द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर 'सर्वश्रेष्ठ विभाग पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है।

भौतिकी विभाग

भौतिकी विभाग बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी कार्यक्रम में अध्ययन प्रदान करता है। । सूचना और संचार प्रौद्योगिकी की वर्तमान दुनिया में, जो छोटी और स्मार्ट होती जा रही है, भौतिकी, सबसे छोटी इकाई (क्वार्क, बोसॉन, क्वांटम कंप्यूटिंग, नैनोटेक्नोलॉजी आदि) से लेकर सबसे बड़ी इकाई (ब्रह्मांड) तक का विज्ञान, अनिवार्य रूप से अधिक प्रासंगिक और महत्वपूर्ण हो गया है। विभाग का लक्ष्य महिलाओं को ज्ञान और कौशल प्रदान करना है जो उन्हें वैज्ञानिक अध्ययन के क्षेत्रा में सशक्त बनाएगा और उन्हें चरित्रवान और जिम्मेदार नागरिक के रूप में उभरने में भी सक्षम बनाएगा। विभाग में तीन सुसज्जित और विशाल प्रयोगशालाएँ और पूरी तरह से वातानुकूलित कम्प्यूटेशनल भौतिकी प्रयोगशाला हैं। बुनियादी से उन्नत/अनुसंधान स्तर तक सभी आवश्यक भौतिकी व्यावहारिक को पूरा करने के लिए लैब्स हैं जो हे–ने लेजर, पोलारिमीटर, स्पेक्ट्रोमीटर, इलेक्ट्रिकल ब्रिज, ऑसिलोस्कोप (सीआरओ और डीएसओ), हॉल इफेक्ट, रेजिस्टेंस मीटर, फंक्शन जेनरेटर, आरएफ ऑसिलेटर, मल्टी–आउटपुट पावर सप्लाई, ऑप्टिकल बेंच आदि जैसे अत्याधुनिक वैज्ञानिक उपकरणों से सुसज्जित हैं। कम्प्यूटेशनल लैब में लेटेक्स, साइलैब, फोरट्रान, सी+, टीना जैसे कम्प्यूटेशनल सॉफ्टवेयर के साथ सिस्टम स्थापित हैं।, पाइथन जीएनयू पलॉट, मल्टीसिम आदि जो छात्रों को आवश्यक कम्प्यूटेशनल कौशल से लैस और प्रशिक्षित करते हैं ताकि वे भौतिकी और अन्य समस्याओं को कम्प्यूटेशनल रूप से हल करने में सक्षम हो सकें। विभाग के पास विविध अनुसंधान विशेषज्ञता वाले अत्यधिक जीवंत और प्रतिबद्ध संकाय सदस्यों के साथ–साथ छात्रों की शैक्षणिक शिक्षा, करियर, परामर्श आदि के संदर्भ में उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए अत्यधिक अनुभवी और अच्छी तरह से प्रशिक्षित पैरा–शिक्षण कर्मचारी हैं। विभाग के पास विभागीय छात्रा परिषद के नेतृत्व में एक गतिशील सोसायटी, 'टेकीयॉन्स' है, जो विभिन्न विभागीय गतिविधियों – शैक्षणिक के साथ–साथ पाठ्येतर गतिविधियों का भी आयोजन करता है। सीखने की प्रक्रिया को बढ़ाने और छात्रों को बेहतर अनुभव प्रदान करने के लिए, विभाग विभिन्न वार्ता/व्याख्यान, विभिन्न अनुसंधान प्रयोगशालाओं/संस्थानों का दौरा और शैक्षिक यात्रा आयोजित करता है। विभाग में एक ई–कचरा सोसायटी है, जो कॉलेज के अंदर और बाहर ई–कचरा संग्रह अभियान आयोजित करके सामाजिक पहल करती है। ई–कचरा सोसायटी एकत्र किए गए ई–कचरे के पुनर्चक्रण और उचित निपटान के लिए एक गैर सरकारी संगठन, हिंदुस्तान ई–कचरा प्रबंधन लिमिटेड के साथ सहयोग करती है। बीएससी विभाग द्वारा प्रस्तावित (ऑनर्स) भौतिकी कार्यक्रम ने छात्रों को शुद्ध और व्यावहारिक विज्ञान में अनुसंधान में करियर के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से सुसज्जित किया है। इसने स्नातक छात्रों को प्रतिष्ठित संस्थानों में अपनी उच्च शिक्षा प्राप्त करने में सक्षम बनाया। बीएससी से स्नातक करने के बाद, हमारे छात्रों को विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों और विश्वविद्यालयों जैसे मैक्स प्लैंक यूनिवर्सिटी बॉन (जर्मनी), प्रूड्यू यूनिवर्सिटी (यूएसए), जेएनसीएएसआर, आईआईटी, जेएनयू डीटीयू, एनआईटी, दिल्ली विश्वविद्यालय आदि में मास्टर और इंटीग्रेटेड पीएचडी कार्यक्रमों में चुना गया है।

मनोविज्ञान विभाग

मनोविज्ञान विभाग वर्ष 2017 में स्थापित किया गया था और बी.ए. ऑनर्स) मनोविज्ञान में अध्ययन प्रदान करता है। प्रस्तावित पाठ्यक्रम में मनोविज्ञान के विभिन्न उप–क्षेत्र शामिल हैं जैसे मनोविज्ञान की नींव, सामाजिक और सांस्कृतिक मनोविज्ञान, नैदानिक मनोविज्ञान, जीवन काल विकास, संगठनात्मक व्यवहार, सांख्यिकी और अनुसंधान पद्धति और जैव–मनोविज्ञान। हम अपने छात्रों के बीच एक मजबूत सैद्धांतिक आधार के साथ–साथ उनके सामाजिक–सांस्कृतिक संदर्भ के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ावा देना चाहते हैं। यह अनुसंधान उन्मुख और समस्या–समाधान कौशल विकसित करने के लिए किया जाता है। शिक्षण–सीखने की प्रक्रिया में छात्रों के बीच सीखने की प्रक्रिया को समृद्ध करने के लिए इंटरैक्शन–आधारित व्याख्यान, ई–लर्निंग संसाधनों का उपयोग, ऑडियो–विजुअल एड्स, मूवी स्क्रीनिंग और शोध लेख शामिल हैं। विभाग के पास पुस्तकों, मनोवैज्ञानिक परीक्षणों और सूची, और परीक्षण उपकरणों की एक आंतरिक पुस्तकालय है; इन सभी का उपयोग डिजाइन किए गए प्रैक्टिकम में किया जाता है। कई शिक्षण शिक्षाशास्त्र और मल्टीमॉडल दृष्टिकोण के माध्यम से, हम छात्रों को कक्षा शिक्षण के भीतर और बाहर अनुसंधान रुचियों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। विभाग में 'साइमेंशिया' नाम से एक अकादमिक सोसायटी है – जो मानस और विवेक के लिए एक खिड़की है। 2017 से, सोसायटी ने मनोविज्ञान के विभिन्न उप–क्षेत्रों के प्रख्यात वक्ताओं द्वारा कार्यशालाओं, सेमिनारों और इंटरैक्टिव सत्रों जैसी छात्रा केंद्रित गतिविधियों का आयोजन किया है। ऐसे सत्र व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करते हैं और छात्रों के बीच समुदाय की भावना पैदा करते हैं। सोसायटी का मुख्य आकर्षण इसका वार्षिक विभागीय महोत्सव – 'ट्रेजॉयर' है, जिसके दौरान पैनल चर्चा, सेमिनार, कार्यशाला और अंतर कॉलेज प्रतियोगिताओं जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। विभाग अपनी वार्षिक पत्रिका ''सोफ्रोसिन'' भी जारी करता है जो इसकी गतिविधियों के विवरण पर प्रकाश डालती है। इस प्रकार विभाग अपने छात्रों के लिए शैक्षणिक और अंतःविषय गतिविधियों में संलग्न होने के लिए एक प्रेरक वातावरण बनाता है।

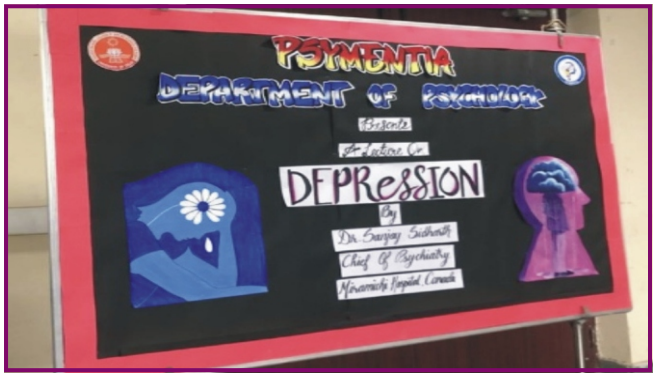

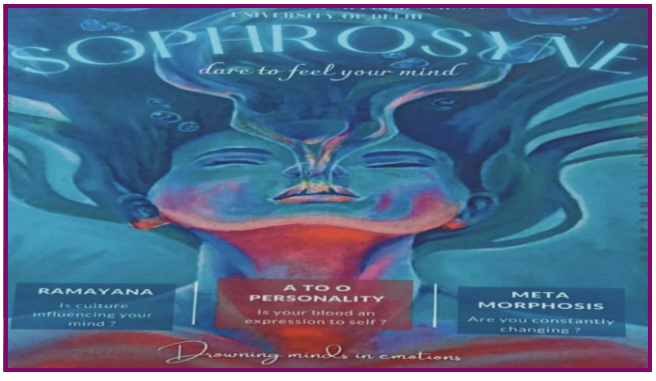

सांख्यिकी विभाग

यह सर्वविदित है कि, मोटे तौर पर सांख्यिकी, अनिश्चितता का अध्ययन है: इसे कैसे मापें (संभावना सिद्धांत में विचारों और विधियों का उपयोग करके), इसके बारे में क्या करें (सांख्यिकीय अनुमान और निर्णय सिद्धांत से अवधारणाओं का उपयोग करके) और यह भी सीखें: डेटा के साथ कैसे खेलें: सांख्यिकी डेटा विज्ञान के लिए एक प्रमुख मूलभूत अनुशासन है और हाल के युग में इसका विभिन्न क्षेत्रों में अनुप्रयोग हो रहा है। सांख्यिकी विभाग की स्थापना वर्ष 2017 में छात्रों के लिए सांख्यिकी में स्नातक डिग्री कार्यक्रम बी.एससी. शुरू करने के उद्देश्य से की गई थी। इस सांख्यिकीय कार्यक्रम के माध्यम से, छात्र सांख्यिकीय उपकरणों का बुनियादी ज्ञान सीखते हैं और वास्तविक जीवन स्थितियों में इसके अनुप्रयोगों को लागू करते हैं। विभाग का मूल दर्शन शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से अपने छात्रों के बीच न केवल बुद्धि और रचनात्मकता को विकसित करना है, बल्कि उन्हें उनके अतिरिक्त–शैक्षणिक और पाठ्येतर स्वभाव का भी एहसास कराना है, जो समाज का उत्पादक सदस्य बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में क्षेत्र के सभी संबंधित प्रमुख विषयों जैसे नमूनाकरण, मॉडलिंग, निर्णय लेना, पूर्वानुमान और बहुत कुछ शामिल है। अध्ययन कार्यक्रम के दौरान, छात्रों को उनके सर्वांगीण विकास में पूर्ण अनुभव और सहायता दी जाती है। इसके अलावा, विभाग के पास ''परस्तिका'' नाम से एक सोसायटी है जो सोसायटी के बैनर तले प्रतिष्ठित प्रोफेसरों द्वारा दिए गए अधिक अद्यतन सूचनात्मक सांख्यिकीय अध्ययनों के आधार पर विभिन्न व्याख्यान श्रृंखला, सेमिनार, वेबिनार और प्रशिक्षण आयोजित करती है। विभाग के पास एक सुसज्जित प्रयोगशाला है जिसके कंप्यूटर सिस्टम पर विभिन्न प्रकार के सॉफ्टवेयर उपलब्ध हैं। छात्रों को आर–सॉफ्टवेयर भाषा, एसपीएसएस, टीओआरए, मैथमेटिका और एक्सेल जैसे सॉफ्टवेयर कौशल सीखने से विशेषज्ञता मिलती है और स्नातक स्तर की सरकारी और निजी क्षेत्र की नौकरियों के लिए प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ते हैं। इस कार्यक्रम के पूरा होने के बाद, छात्र सर्वेक्षण अन्वेषक, सांख्यिकीविद्, डेटा विश्लेषक, डेटा वैज्ञानिक आदि के लिए आवेदन कर सकते है।

सहायक विभाग – अंग्रेजी विभाग

दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वुमेन में अंग्रेजी विभाग, संस्थान के सभी शैक्षणिक विभागों के लिए एक सहायक स्तंभ के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। 2015 में च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) पाठ्यक्रम की शुरुआत के अनुरूप स्थापित, विभाग तब से विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि के छात्रों को विविध प्रकार के पाठ्यक्रमों की पेशकश कर रहा है। इसकी पेशकशों के एक अनिवार्य हिस्से में कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी) और मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम (वीएसी) शामिल हैं, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत स्नातक पाठ्यक्रम ढांचे (यूजीसीएफ) के अनुपालन में डिजाइन किए गए हैं। एसईसी छात्रों के रोजगार के अवसरों को बढ़ाने और उन्हें प्रासंगिक, बाजार–उन्मुख कौशल से लैस करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। बी.ए.सी. छात्रों के बौद्धिक, रचनात्मक और नैतिक विकास को बढ़ावा देकर उनके समग्र विकास में योगदान देता है। इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से, विभाग न केवल अकादमिक ज्ञान प्रदान करता है, बल्कि छात्रों को अपने क्षितिज को व्यापक बनाने, रुचि के नए क्षेत्रों में जाने और कौशल को बढ़ावा देने के लिए भी प्रोत्साहित करता है जो उनके भविष्य के प्रयासों में फायदेमंद होगा। इनके अलावा, विभाग प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों को जेनेरिक इलेक्टिव (जीई) पाठ्यक्रम प्रदान करता है। ये पाठ्यक्रम व्यापक शैक्षणिक परिप्रेक्ष्य को बढ़ावा देते हुए छात्रों को उनके मूल पाठ्यक्रम के बाहर विभिन्न विषयों से परिचित कराने का प्रयास करते हैं। इन जीई पाठ्यक्रमों के माध्यम से विभाग की आकांक्षा साहित्य की गहन अंर्तदृष्टि का लाभ उठाकर छात्रों के बीच महत्वपूर्ण सोच कौशल विकसित करना है। इसका अंतिम उद्देश्य छात्रों को समसामयिक सामाजिक मुद्दों के बारे में स्वतंत्रा और निष्पक्ष राय बनाने के लिए सशक्त बनाना है। इसके अलावा, अंग्रेजी विभाग शिक्षाविदों से परे अपना समर्थन बढ़ाता है, कॉलेज की सांस्कृतिक और सह–पाठयक्रम गतिविधियों में सक्रिय रूप से योगदान देता है। इन क्षेत्रों में इसकी भागीदारी सर्वांगीण छात्रों को विकसित करने के प्रति इसके समर्पण को रेखांकित करती है जो आत्मविश्वास और तीक्ष्णता के साथ दुनिया का भ्रमण कर सकते हैं। कॉलेज में अंग्रेजी विभाग एक सहायक विभाग के रूप में एक अद्वितीय स्थान रखता है, जो महत्वपूर्ण सोच और अंतःविषय सीखने की संस्कृति को बढ़ावा देते हुए छात्रों की शैक्षणिक और पाठ्येतर यात्रा को समृद्ध करता है।

सहायक विभाग – पर्यावरण अध्ययन विभाग

स्नातक अध्ययन के लिए पर्यावरण शिक्षा एनईपी के तहत पहले और दूसरे वर्ष में योग्यता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम (एईसीसी), पर्यावरण अध्ययन (ईवीएस) के रूप में प्रदान की जाती है। पेपर में सिद्धांत और व्यावहारिक घटक हैं। ईवीएस विभाग पर्यावरण संबंधी मुद्दों को समझने के लिए ऐसी रणनीतियाँ बनाने में शामिल है जो सरल, नवीन, प्राकृतिक, मर्मज्ञ, भरोसेमंद, अंतर–अनुशासनात्मक और अंतर–सांस्कृतिक हों। पर्यावरण पर जानकारी विभिन्न आयामों को कवर करती है जिसमें पारिस्थितिकी तंत्र, प्राकृतिक संसाधन, सतत विकास, पर्यावरण नीति, प्रदूषण और अपशिष्ट प्रबंधन, प्रभाव मूल्यांकन, जैव विविधता, पर्यावरणीय नैतिकता और पारंपरिक प्रथाएं जैसे विषय शामिल हैं। इसके अलावा, यह कार्बन फुटप्रिंट, पर्यावरण ऑडिट, ऊर्जा दक्षता और ऊर्जा प्रबंधन, परिपत्र अर्थव्यवस्था, जीवन–चक्र मूल्यांकन (किसी उत्पाद का) और सांख्यिकीय विश्लेषण (डेटा का) जैसे वर्तमान विषयों के माध्यम से छात्रों के ज्ञान को नवीनीकृत करता है जो पाठ्यक्रम–आधारित विषयों से परे है। यह सीख छात्रों में सोच को बढ़ावा देती है और उन्हें स्थायी पर्यावरण की दिशा में कार्रवाई की बढ़ती इच्छा के साथ एकजुट करती है। इसके अलावा, ईवीएस का लक्ष्य परियोजनाओं, सर्वेक्षणों और फील्डवर्क के माध्यम से एक छात्रा की जानकारी को कक्षा में सीखने से परे अभ्यास में लाना है। छात्रों द्वारा विभिन्न परियोजनाएं और सर्वेक्षण किए गए हैं, उदाहरण के लिए, उनके घरों की कार्बन पदचिह्न गणना, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर जागरूकता, अभ्यास और परिवार के दृष्टिकोण का आकलन करने पर सर्वेक्षण, पर्यावरण पर जागरूकता, घर पर उनके कंपोस्टिंग सिस्टम का निर्माण आदि। इस प्रकार, ईवीएस विभाग महत्वपूर्ण जांच के माध्यम से अपने छात्रों में जिम्मेदारी और देखभाल नैतिकता की अवधारणा को अधिक व्यक्तिगत से सामाजिक मूल्यों और आगे पर्यावरणीय मूल्यों तक ले जाता है।

सहायक विभाग–शारीरिक शिक्षा एवं खेल–कूद विभाग

विद्यार्थियों को देश का भविष्य माना जाता है। उनके स्वास्थ्य को पोषण देना होगा ताकि वे देश की प्रगति के लिए आवश्यक पावर हाउस बन सकें। इस दर्शन को ध्यान में रखते हुए कॉलेज शिक्षाविदों के साथ–साथ खेल गतिविधियों पर काफी ध्यान केंद्रित करता है और छात्रों को विभिन्न प्रकार के खेलों और खेलों में भाग लेने और उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करता है जो हमारे कॉलेज और बाहर नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं। कॉलेज निम्नलिखित तरीकों से शारीरिक शिक्षा और खेल प्रदान करता है:–

1. **खेल सुविधाएं:** कॉलेज एथलेटिक्स, एरोबिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, क्रॉस कंट्री, जिमनास्टिक, हैंडबॉल, खो–खो, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस और योग के लिए सुविधाएं प्रदान करता है। इसके परिसर में एक सुसज्जित जिम है। ये सुविधाएं कर्मचारियों और छात्रों के लिए खुली हैं। विभाग समय–समय पर विभिन्न फिटनेस कार्यक्रम और शिविर भी आयोजित करता है।
2. **टूर्नामेंट में भागीदारी:** हमारे छात्र नियमित रूप से डीयू इंटर कॉलेज टूर्नामेंट के साथ–साथ जिला स्तर, राज्य स्तर, राष्ट्रीय स्तर और इंटर यूनिवर्सिटी स्तर पर टूर्नामेंट में भाग लेते हैं और अपनी खेल उपलब्धियों के माध्यम से कॉलेज को गौरवान्वित करते हैं। कॉलेज सभी आवश्यक बैक–अप सहायता प्रदान करता है।
3. **स्पर्धा:** कॉलेज अपना खेल उत्सव स्पर्धा आयोजित करता है जहां विभिन्न कॉलेजों/संस्थानों की टीमों को भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है। 'स्पर्धा' जो स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का प्रतीक है, प्रतिभागियों के लिए अपनी खेल प्रतिभा, नेतृत्व और काम रेडरी प्रदर्शित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। पहले उत्सव, यानी प्रतिस्पर्धा–2017 में, दिल्ली विश्वविद्यालय के 40 विभिन्न कॉलेजों के एथलीटों ने भाग लिया और आठ खेल स्पर्धाओं में स्वस्थ प्रतियोगिताओं के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। यह उत्सव तब से हर साल आयोजित किया जा रहा है और छात्र इसका बेसब्री से इंतजार करते हैं और उत्साह से भाग लेते हैं।
4. **इंट्रा–म्यूरल्स:** कॉलेज इंट्रा–म्यूरल्स का आयोजन करता है, जहां कॉलेज के छात्र, शिक्षण और गैर–शिक्षण कर्मचारी विभिन्न खेल आयोजनों में भाग लेते हैं।
5. **शिक्षण के विषय के रूप में शारीरिक शिक्षा:** शारीरिक शिक्षा और खेल विभाग बीएससी (ऑनर्स) प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए शारीरिक शिक्षा और बी .ए.सी. (मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम) में सामान्य वैकल्पिक पेपर प्रदान करता है।

सुविधाएं@एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्ल्यू॰

कॉलेज में लगभग 600 लोगों की बैठने की क्षमता वाला एक हाई–टेक ऑडिटोरियम, एक सौंदर्यपूर्ण रूप से डिजाइन किया गया एम्फीथिएटर, कई सेमिनार हॉल, कक्षाएं, अच्छी तरह से सुसज्जित जिम, सुंदर उद्यान और अच्छी तरह से बनाए रखा लॉन हैं । इसमें एक ऑन–कैंपस छात्रावास भी है जिसमें लगभग 120 छात्र रहते हैं। कॉलेज छात्रावास, छात्रों को रहने के लिए एक साफ, स्वच्छ और आरामदायक जगह देता है ।

पुस्तकालय

कॉलेज पुस्तकालय में लगभग 22500 किताबें, 20 मुद्रित पत्रिकाएँ और हैं; और मौलिक विज्ञान के सभी पहलुओं को कवर करने वाले कई वैज्ञानिक विश्वकोश और पत्रिकाएँ । पुस्तकालय यूजीसी–इन्फोनेट, डुलिस इलेक्ट्रॉनिक जर्नल और इनफ्लिबनेट के एनएलआईएसटी के माध्यम से बड़ी संख्या में ई–संसाधनों की सदस्यता लेता है । इसमें संदर्भ और उद्धरण स्रोतों पर 11 ऑनलाइन डेटाबेस, ग्रंथ सूची स्रोतों पर 7 ऑनलाइन डेटाबेस, उद्धरण विश्लेषण संसाधनों पर 2 ऑनलाइन डेटाबेस, वित्तीय और सांख्यिकीय स्रोतों पर 5 ऑनलाइन डेटाबेस, डॉक्टरेट थीसिस पर एकल डेटाबेस और पूर्ण पाठ स्रोतों पर 77 ऑनलाइन डेटाबेस शामिल हैं। 80 कंप्यूटरों वाली तीन वाई–फाई कंप्यूटर प्रयोगशालाओं वाली लाइब्रेरी में लगभग 49270 ई–जर्नल और 97000 ई–पुस्तकें उपलब्ध हैं

पुस्तकालय के संस्थागत भंडारों में खाद्य प्रौद्योगिकी के तीसरे वर्ष के छात्रों द्वारा किए गए नए उत्पाद विकास जैसी डिजिटल सामग्री है। अन्य महत्वपूर्ण परियोजना रिपोर्ट, प्रश्न पत्र, पाठ्यक्रम को भी पुस्तकालय द्वारा डिजिटलीकृत किया जाता है।

कॉलेज की लाइब्रेरी आरएफआईडी (रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन सिस्टम) सक्षम है, जिसका उपयोग हाउसकीपिंग संचालन के लिए किया जा रहा है । यह प्रणाली सुरक्षा से आगे बढ़कर एक ट्रैकिंग प्रणाली बन गई है जो संपूर्ण पुस्तकालय में सामग्रियों की अधिक कुशल ट्रैकिंग के साथ सुरक्षा को जोड़ती है, जिसमें आसान और तेज चार्ज और डिस्चार्ज, इन्वेंट्री, सामग्री प्रबंधन और पुस्तकों की आसान वापसी के लिए स्वचालित बुक ड्रॉप कियोस्क का उपयोग किया जाता है ।

इस प्रणाली में सेल्फ–सर्कुलेशन डेस्क, स्टाफ वर्क स्टेशन, सुरक्षा द्वार, बुक ड्रॉप बॉक्स, आरएफआईडी रीडर, पुस्तक के लिए आरएफआईडी स्टिकर, प्रत्येक पुस्तक लेनदेन के लिए एसएमएसई–मेल सेवाएं शामिल है

सुविधाएं@एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्ल्यू॰

अन्य बुनियादी सुविधाएं

उपरोक्त के अलावा, कॉलेज में एक एम्फीथिएटर, व्याख्यान थिएटर, सम्मेलन कक्ष, संकाय के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित स्टाफ–रूम, कैफेटेरिया, छात्रावास और एक हरा–भरा खेल का मैदान भी है। स्टाफ–रूम में कैफे कॉफी डे द्वारा चाय/कॉफी वितरण मशीनें स्थापित की गई हैं।

छात्रावास

सम्मेलन कक्ष

एम्फीथिएटर

खेल का मैदान

ई–पुस्तकालय

कैफेटेरिया

उपलब्धियाँ@एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्ल्यू॰

टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर (टीबीआई)

कॉलेज को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) – डीआई, नई दिल्ली (फरवरी, 2018) द्वारा समर्थित टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर (टीबीआई) की मंजूरी मिल गई है। इनक्यूबेटर का मिशन प्रौद्योगिकी–आधारित स्टार्ट–अप की स्थापना और विकास को प्रोत्साहित करना है। प्रस्तावित टीबीआई में स्थान, प्रयोगशाला उपकरणों का साझा उपयोग, प्रत्यक्ष व्यापार सहायता, सलाह, पूंजी और अन्य तकनीकी संसाधनों के लिए नेटवर्किंग शामिल होगी। इस मिशन को पूरा करके, टीबीआई रोजगार सृजन में योगदान देगा और बिना किसी समर्थन के इनक्यूबेटर चलाने के लिए राजस्व उत्पन्न करेगा।

वर्ष 2023–24 की गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं:

- एमएसएमई आइडिया हैकथॉन 3.0 (महिला) के तहत प्राप्त विचारों की शॉर्टलिस्टिंग के लिए 29 अगस्त 2023 को एसआरसीएएसडब्ल्यू में स्क्रीनिंग और मूल्यांकन किया गया।
- इपोस्टस (बेकरी और फल उत्पाद विकास) की शुरुआत के लिए ड्रे इनक्यूबेशन
- मशरूम की खेती के लिए पूर्व ऊष्मायन।

स्पिक मैके

SPIC MACAY
SocietyforthePromotionofIndian ClassicalMusicandCulture amongstYouth

स्पिक मैके सोसायटी एक 45 साल पुराना, गैर–लाभकारी, गैर–राजनीतिक, राष्ट्रव्यापी स्वैच्छिक युवा आंदोलन है जो भारत के युवाओं को देश की समृद्ध, विविध और अमूर्त विरासत और इसकी कई सांस्कृतिक परंपराओं के करीब लाने का प्रयास करता है। प्रोफेसर किरण सेठ ने 1977 में स्पिक मैके की स्थापना की ।

कॉलेज में स्पिक मैके ने सत्र 2023–24 के लिए टी. रेड्डी लक्ष्मी द्वारा कुचिपुड़ी व्याख्यान प्रदर्शन, पं. भुवनेश कोमकली द्वारा हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन जैसे विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित कीं और हिस्टोरियन डॉ. आराधना सिन्हा के नेतृत्व में हौज खास किले तक हेरिटेज वॉक किया।

एन.आई.आर.एफ

एन.आई.आर.एफ., राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क ने भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों की भारत रैंकिंग का लगातार आठवां संस्करण 'भारत रैंकिंग 2023' 5 जून 2023 को जारी किया । शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वुमेन ने 60.01 के स्कोर के साथ 2,746 भाग लेने वाले कॉलेजों के बीच इंडिया रैंकिंग 2023 कॉलेज श्रेणी में 32वां स्थान हासिल किया। कॉलेज ने पिछले छह वर्षों से लगातार शीर्ष 100 में अपनी स्थिति बनाए रखी है। कॉलेज 2021 में नैक द्वारा मान्यता प्राप्त ग्रेड 'ए+' संस्थान भी है।

राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एन.आई.आर.एफ) को एम. एच. आर. डी. से मंजूरी दे दी गई थी और 29 सितंबर 2015 को माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री द्वारा लॉन्च किया गया था । यह ढांचा देश भर के संस्थानों को रैंक करने के लिए एक पद्धति की रूपरेखा तैयार करता है। यह कार्यप्रणाली विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों की रैंकिंग के लिए व्यापक मापदंडों की पहचान करने के लिए एम. एच.आर.डी. द्वारा गठित एक कोर समिति द्वारा की गई समग्र सिफारिशों की व्यापक समझ पर आधारित है। पैरामीटर मोटे तौर पर 'शिक्षण, सीखना और संसाधन,' ''अनुसंधान और व्यावसायिक अभ्यास'', ''स्नातक परिणाम,'' ''आउटरीच और समावेशिता,'' और ''धारणा'' को कवर करते हैं ।

उपलब्धियाँ@एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्ल्यू॰

अनुसंधान गतिविधियाँ

अनुसंधान महाविद्यालय की गतिविधियों का एक अभिन्न अंग है। कॉलेज पर्याप्त और नवीनतम बुनियादी ढांचे से सुसज्जित है और बहु–विषयक अनुसंधान, प्री–इन्क्यूबेशन और उद्यमिता कार्यक्रमों के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करता है। अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए, कॉलेज ने अपने जर्नल – इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेशन एंड मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च (IJAMR) का प्रकाशन शुरू किया है।

2023–24 के लिए शोध डेटा: शोध पत्र (49); सम्मेलन की कार्यवाही में पुस्तकें/अध्याय और प्रकाशन (21); चल रही अनुसंधान परियोजनाएं (1); सम्मेलन में प्रस्तुत किए गए पेपर्स (9); और छात्रों की इन–हाउस इंटर्नशिप (5)।

इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल–एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू. (आईआईसी)

उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईएलएस) के बीच नवाचार और स्टार्ट–अप की संस्कृति को व्यवस्थित रूप से बढ़ावा देने के लिए शिक्षा मंत्रालय (एमओई) के इनोवेशन सेल (एमआईसी) द्वारा इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) की स्थापना की गई थी। आईआईसी ने ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड, उड़ान और इंटर्नशिप मेले में सक्रिय रूप से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करके परिसर में एक उल्लेखनीय नाम स्थापित किया है।

गतिविधियाँ:

- कैरियर अवसर के रूप में 'उद्यमिता और नवाचार' पर कार्यशाला
- मेरी कहानी – सफल नवप्रवर्तकों द्वारा प्रेरक सत्र
- डिज़ाइन थिंकिंग, क्रिटिकल थिंकिंग और इनोवेशन डिज़ाइन पर कार्यशाला
- स्कूलों/समुदाय में नवाचार एवं उद्यमिता आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन
- उद्यमिता कौशल, दृष्टिकोण और व्यवहार विकास पर कार्यशाला
- समस्या–समाधान फिट और उत्पाद–बाज़ार फिट हासिल करने पर एक सत्र
- बिजनेस मॉडल कैनवास (बीएमसी) पर सत्र/कार्यशाला

कंप्यूटर साक्षरता कार्यक्रम (सीएलपी)

कंप्यूटर साक्षरता कार्यक्रम (सीएलपी) कंप्यूटर विज्ञान विभाग के सहयोग से हमारी सम्मानित प्रिंसिपल प्रोफेसर पायल मागो द्वारा शुरू की गई एक नेक पहल है। अक्टूबर 2015 में इसकी शुरुआत से, यह कार्यक्रम वंचित हाई स्कूल की लड़कियों को आवश्यक कंप्यूटर ज्ञान प्रदान करने और उनके दैनिक जीवन में प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के लिए सशक्त बनाने के लिए समर्पित है।

इस कार्यक्रम के माध्यम से, प्रतिभागी आधुनिक तकनीकों का उपयोग करने में आत्मनिर्भर और आश्वस्त हो जाते हैं, जिससे वे नौकरी के अवसरों के लिए उपयुक्त हो जाते हैं जहाँ बुनियादी कंप्यूटर साक्षरता एक शर्त है।

सीएलपी एक व्यापक 12–सप्ताह का कार्यक्रम है जिसमें कंप्यूटर विज्ञान, हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, एमएस ऑफिस एप्लिकेशन (माइक्रोसॉफ्ट वर्ड, माइक्रोसॉफ्ट पावरपॉइंट और माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल) की मूल बातें और वित्तीय एवं अन्य ऑनलाइन कार्यों के लिए इंटरनेट के उपयोग को कवर करने वाले पांच मॉड्यूल शामिल हैं।

हमने इस कार्यक्रम के सात बैच सफलतापूर्वक पूरे किए हैं, जिससे लगभग 400 छात्र लाभान्वित हुए हैं। हमारी पहल ने एक महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है, जिससे इन युवा महिलाओं को आज की डिजिटल दुनिया में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक कौशल और आत्मविश्वास प्रदान किया गया है।

उपलब्धियाँ@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

बहुविषयक अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता केंद्र (सी.एम.आर.आई.ई.)

छात्रों के बीच अनुसंधान मानसिकता, नवाचार और उद्यमिता को विकसित करने और क्रियान्वित करने के लिए कॉलेज में बहुविषयक अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता केंद्र सफलतापूर्वक चलाया जा रहा है। केंद्र का लक्ष्य कॉलेज में और उसके आसपास नवोन्मेषी अनुसंधान, उद्यमशीलता वातावरण और स्टार्ट–अप संस्कृति को विकसित करना, समृद्ध करना और पोषित करना है। यह युवा उद्यमियों (छात्रों), संकाय, पूर्व छात्रों और आकाओं के लिए संसाधनों का एक आसानी से सुलभ और विस्तृत सेट प्रदान करने का प्रयास करता है। मिशन का उद्देश्य प्री–इन्क्यूबेशन सेटअप प्रदान करके और उसे एक सफल उद्यम में परिवर्तित करके उद्यमशीलता प्रयासों को प्रोत्साहित करना है। केंद्र का लक्ष्य महिलाओं की समग्र वृद्धि और विकास करना और उन्हें अपना स्वयं का अनुसंधान या व्यावसायिक उद्यम शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

केंद्र विशेष रूप से सामाजिक उद्यमिता को बढ़ावा देता है। कॉलेज ने आईसीएसएसआर द्वारा वर्ष 2023–24 के लिए सीएमआरआईई को दी गई 3.60 लाख रुपये की फंडिंग को स्वीकार कर लिया है। इसका उपयोग केंद्र के बुनियादी ढांचे के निर्माण और गतिविधियों के कामकाज में किया गया है। CMRIE की वेबसाइट 10 अक्टूबर, 2022 को लॉन्च की गई थी।

प्लेसमेंट सेल

कॉलेज का प्लेसमेंट सेल अच्छी तरह से स्थापित है और मुख्य रूप से कॉलेज के 14 विभागों के लिए कैंपस प्लेसमेंट के प्रबंधन में लगा हुआ है। यह सभी सूचीबद्ध कंपनियों को व्यापक सहायता प्रदान करता है और यह सुनिश्चित करता है कि छात्रों को विभिन्न प्रकार की इंटर्नशिप, परियोजनाओं और प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से एक समृद्ध कॉर्पोरेट अनुभव प्राप्त हो। प्लेसमेंट सीज़न को दो चरणों में विभाजित किया गया है – चरण 1: अगस्त से दिसंबर और चरण 2 : जनवरी से अप्रैल।

उपलब्धियाँ:

शैक्षणिक सत्र 2023–24 के लिए, पिछले वर्ष की तुलना में 79% कंपनियों को नव परिवर्तित के रूप में वर्गीकृत किया गया था। इस वर्ष प्लेसमेंट परिणामों में उल्लेखनीय सुधार देखा गया। औसत वेतन पैकेज में प्रभावशाली 9.7% की वृद्धि हुई, और उच्चतम वेतन पैकेज में पिछले वर्ष की तुलना में 28.4% की असाधारण वृद्धि देखी गई। इसके अतिरिक्त, छात्रों को दिए गए प्लेसमेंट प्रस्तावों की संख्या में 11% की वृद्धि हुई।

अर्न्स्ट एंड यंग, डी.ई. शॉ, एक्सेंचर, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, विलिस टावर्स वॉटसन, पैसा बाजार, बजाज कैपिटल, एबुलिएंट सिक्योरिटीज, एमिकस, बायजू, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, डेल्टाएक्स, केन रिसर्च और जेएलएल जैसे महत्वपूर्ण ब्रांडों के साथ गठजोड़ की शुरुआत की गई।

पेश की गई प्रोफाइल के संदर्भ में, सेल ने इंजीनियरिंग से लेकर डेटा एनालिटिक्स, मेडिकल, फाइनेंस, मार्केटिंग, एचआर और रिसर्च के अलावा अन्य अवसर प्रदान किए थे। प्रस्तावित अधिकतम सीटीसी 23 एलपीए थी। औसत और मध्यम आंकड़े क्रमशः INR 6.42 LPA और INR 6.42 LPA के आसपास थे। मार्च 2024 तक, 57 छात्रों को विविध नौकरी की पेशकश की गई थी।

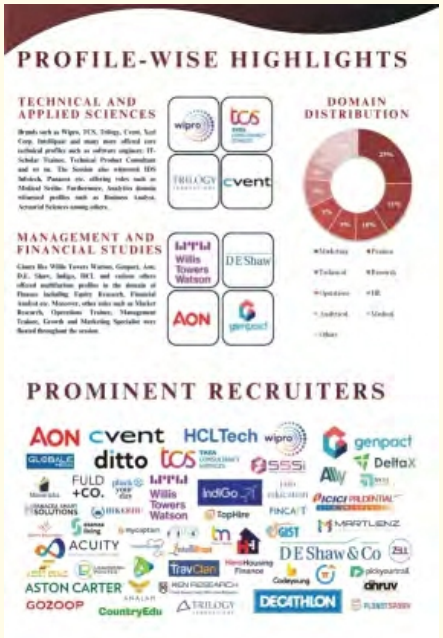

अवसर@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

उद्यमिता विकास सेल (ईडी सेल)

उद्यमिता विकास सेल की स्थापना छात्रों के बीच उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देने, उन्हें नेतृत्व और नेटवर्किंग जैसे अमूल्य जीवन कौशल से लैस करने के प्राथमिक उद्देश्य के साथ की गई थी। चर्चाओं और प्रतियोगिताओं सहित विविध पहलों के माध्यम से, हम छात्रों को सक्रिय रूप से मार्गदर्शन और सलाह देते हैं, साथ ही उद्यमशीलता के अवसरों के बारे में जागरूकता भी बढ़ाते हैं। हमारा व्यापक उद्देश्य उद्यमिता की जीवंतता को बढ़ावा देना है। संसाधनों, एक्सपोज़र और चल रही मेंटरशिप तक पहुँच प्रदान करके छात्र समुदाय के भीतर स्टार्टअप इकोसिस्टम को विकसित करना।

गतिविधियाँ:

- **ओरिएंटेशन:** ई–सेल के लिए ओरिएंटेशन सत्र जानकारीपूर्ण और आकर्षक साबित हुआ। प्रतिभागियों ने संगठन के मिशन, आगामी कार्यक्रमों और उद्यमशीलता पहलों में शामिल होने के अवसरों के बारे में सीखा।
- **हसल हंट:** यह एक मनोरंजक खजाने की खोज प्रतियोगिता थी, जिसने अपने जादुई दायरे को उजागर किया क्योंकि प्रतिभागियों ने रहस्य और उत्साह से भरी यात्रा शुरू की।
- **पैक–ए–पिच:** एक रोमांचक पैकेजिंग डिज़ाइन प्रतियोगिता में अपनी रचनात्मकता को उजागर करने का मौका मिला। चयनित प्रतिभागियों को अपने डिज़ाइन को प्रेजेंटेशन के रूप में पेश करने के लिए राउंड 2 में आगे बढ़ाया गया।

सिस्को नेटवर्किंग अकादमी

सिस्को सिस्टम के सहयोग से महिलाओं के लिए शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज 2002 से सिस्को नेटवर्किंग अकादमी (सी. एन. ए.) चलाती है। अकादमी सी. सी. एन. एस (सिस्को सर्टिफाइड नेटवर्क एसोसिएट) प्रमाणन के लिए प्रशिक्षण प्रदान करती है । सिस्को नेटवर्किंग अकादमी पूरी तरह कार्यात्मक कंप्यूटर प्रयोगशाला और इंटरनेट कनेक्शन के साथ–साथ सिस्को राउटर और स्विच से सुसज्जित है । इस पाठ्यक्रम में प्रशिक्षक के नेतृत्व वाला वातावरण शामिल है, जहां छात्र अपनी गति से सीखते हैं ।

कोर्स करने के बाद, छात्र सरल लैन बनाने, राउटर और स्विच के लिए बुनियादी कॉन्फिगरेशन करने, आई.पी.वी.–4 और आई.पी.वी.–6 एड्रेसिंग योजनाओं को लागू करने, स्थानीय और दूरस्थ नेटवर्क संसाधनों तक पहुंच प्रदान करने और दूरस्थ उपकरणों के बीच एंड–टू–एंड कनेक्टिविटी को सक्षम करने के लिए राउटर, स्विच और अंतिम डिवाइस को कॉन्फिगर करने के लिए कोर कौशल हासिल करते हैं।

सी.सी.एन.ए. के अलावा, हमारी अकादमी विभिन्न मुफ्त ऑनलाइन खोजपूर्ण पाठ्यक्रम भी प्रदान करती है:–

1) साइबर सुरक्षा का परिचयय 2) IoT का परिचयय 3) साइबर सुरक्षा अनिवार्यताएं य 4) एनडीजी लिनक्स अनहैच्डय 5) गतिशीलता के बुनियादी सिद्धांत और उद्यमिताय 6) नेटवर्क सुरक्षा अनिवार्यताएं और लिनक्स ।

हमारी अकादमी ने IoT पाठ्यक्रम के संचालन में उत्कृष्टता के लिए ''सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अकादमी खोजपूर्ण पाठ्यक्रम –2017 ''पुरस्कार भी जीता है।

रोबोटिक्स क्लब

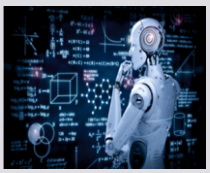

रोबोटिक्स क्लब, अभिमन्यु बॉट, एमएचआरडी द्वारा प्रायोजित एक परियोजना, ई–यंत्र, और आईआईटी बॉम्बे की पहल के तहत स्थापित किया गया था। कॉलेज की स्टूडेंट सोसाइटी रोबोटिक्स क्लब का उद्देश्य छात्रों को रोबोट टेक्नोलॉजी के प्रति जागरूक करना है। छात्र अपने प्रोग्रामिंग कौशल का उपयोग नए रोबोटों को प्रोग्राम करने और बनाने के लिए करते हैं जो विभिन्न घरेलू, वाणिज्यिक और सैन्य उद्देश्यों को पूरा कर सकते हैं।

वर्ष 2023–24 में आयोजित गतिविधियाँ:

- रोब जांच – प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता
- रोबो फ़्यूज़न – प्रोजेक्ट शोकेस प्रतियोगिता
- भूलभुलैया मास्टर – लाइन फॉलोअर प्रतियोगिता
- 'अरुडिनो यूनो की मूल बातें' पर एकाधिक सत्र

परियोजना 'लाइन फॉलोअर रोबो' 3 क्लब सदस्यों द्वारा बनाई गई थी।

अवसर@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू

विदेशी भाषा पाठ्यक्रम

दिल्ली विश्वविद्यालय के जर्मन और रोमांस अध्ययन विभाग के सहयोग से कॉलेज जर्मन भाषा में प्रमाणन और डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान कर रहा है। नियमित शैक्षणिक योग्यता के साथ–साथ एक विदेशी भाषा का ज्ञान कैरियर की संभावनाओं में महत्वपूर्ण मूल्य जोड़ता है।

दायरा, अवधि और शुल्क संरचना – एक कैरियर के रूप में विदेशी भाषाओं का दायरा शानदार है और इसे तलाशने के इच्छुक उम्मीदवारों के पास विभिन्न बहुराष्ट्रीय कंपनियों और बहुपक्षीय संगठनों में नौकरी के ढेर सारे अवसर हैं। इसके अलावा, अधिकांश व्यवसायों में भाषा कौशल एक आवश्यक गुण है और करियर की उन्नति में मदद करता है। इसे ध्यान में रखते हुए, कॉलेज जर्मन भाषा में प्रमाणन और डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। भाषा पाठ्यक्रम के कई स्तर हैं और प्रत्येक स्तर के लिए न्यूनतम 25 छात्रों का एक बैच लिया जाएगा। भाषा पाठ्यक्रम में प्रवेश 'पहले आओ पहले पाओ' के आधार पर किया जाता है। प्रमाणन पाठ्यक्रम के लिए शुल्क संरचना रु.10500 प्रति छात्रा और डिप्लोमा कोर्स के लिए रु.16000/, परीक्षा शुल्क को छोड़कर, प्रति छात्रा है।

प्रत्येक भाषा पाठ्यक्रम को अलग–अलग मॉड्यूल में विभाजित किया गया है। प्रत्येक मॉड्यूल को 80–150 घंटे के शिक्षण और सीखने की आवश्यकता होती है। प्रत्येक मॉड्यूल को पूरा करने के लिए नियमित कक्षाओं के साथ–साथ हर सप्ताह 2–3 कक्षाएं निर्धारित की जाती हैं। भाषा की गहराई से समझ के लिए पाठ्यक्रम के दौरान सुनना, बोलना और लिखना सहित सभी पहलुओं को शामिल किया गया है।

यदि कोई छात्रा अपने पहले सेमेस्टर में भाषा पाठ्यक्रम में शामिल होती है तो वह मुख्य पाठ्यक्रम के साथ–साथ भाषा पाठ्यक्रम के सभी मॉड्यूल को कुशलतापूर्वक पूरा कर सकती है। प्रत्येक मॉड्यूल को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद, छात्रा को पूर्णता का प्रमाण पत्र प्राप्त होगा।

डेवलपर्स स्टूडेंट क्लब (डी.एस.सी.)

कंप्यूटर विज्ञान विभाग ने छात्र समुदाय को लाभ पहुँचाने के लिए हमारे परिसर में तकनीकी कौशल विकास पहल पर ध्यान केंद्रित करते हुए 2018 में डेवलपर स्टूडेंट क्लब (डीएससी) की स्थापना की। इस क्लब का लक्ष्य छात्रों को उद्योग के लिए तैयार पेशेवर बनने के लिए आवश्यक संसाधन, अवसर और अनुभव प्रदान करना है SRCASW में DSC चैप्टर का उद्देश्य विश्वविद्यालय के छात्रों के विश्व स्तरीय प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम के ज्ञान को व्यापक बनाना और उन्हें भविष्य की मांगों के लिए तैयार करना है।

2018 से 2020 तक, हमारे डेवलपर स्टूडेंट क्लब (DSC) ने Google डेवलपर स्टूडेंट क्लब (GDSC) के साथ सहयोग किया। 2020 में, क्लब ने माइक्रोसॉफ्ट के साथ साझेदारी की, जिसमें सुश्री आस्था पटनायक माइक्रोसॉफ्ट लर्न स्टूडेंट एंबेसडर बनीं और सुश्री वैष्णवी झा तकनीकी प्रमुख के रूप में काम किया।

2021 में, DSC ने माइक्रोसॉफ्ट लर्न स्टूडेंट एंबेसडर सुश्री आकांशा जैन के नेतृत्व में माइक्रोसॉफ्ट और Google दोनों के साथ सहयोग किया। 2022 में, क्लब ने ळववहसम के साथ साझेदारी की, जिसमें सुश्री अंजलि कुंडलिया ळववहसम डेवलपर स्टूडेंट क्लब लीड थीं। 2023 में, क्लब ने फिर से Google और Microsoft दोनों के साथ साझेदारी की, जिसका नेतृत्व Microsoft लर्न स्टूडेंट एंबेसडर और Google डेवलपर स्टूडेंट क्लब लीड सुश्री खुशी पंवार ने किया।

जीवन@एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्ल्यू॰

छात्रों की सांस्कृतिक समितियाँ

अहार्य, नृत्य सोसायटी, का अर्थ है श्अभिव्यक्त करने का एक तरीकाश । यह एस०आर०सी०ए०एस.डब्ल्यू. की आधिकारिक डांस सोसाइटी है और इसने कई अलग–अलग मंचों पर कॉलेज का प्रतिनिधित्व किया है । इस सोसायटी का उद्देश्य अलग–अलग क्षेत्र के लोगों को एक माध्यम यानी डांस के जरिए एकजुट करना है । यहां छात्र अपने कौशल को निखारने और अपनी अनूठी शैली के माध्यम से खुद को अभिव्यक्त करने के लिए हर दिन कड़ी मेहनत करते हैं । सोसायटी हर साल कॉलेज में कुछ बेहतरीन कार्यक्रम आयोजित करती है और विभिन्न कार्यक्रमों और अंतर–कॉलेज प्रतियोगिताओं में भाग लेती है । आहार्य मार्गदर्शन करता है कि यदि आप लड़खड़ाते हैं तो इसे नृत्य और अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लें ।

एल्विरा, ललित कला सोसायटी, का उद्देश्य उभरते और अनुभवी कलाकारों के लिए प्रेरणा, कामरेडशिप, अवसर और नए कला कौशल और कला रूपों को सीखने और खोजने के लिए एक मंच प्रदान करना है । इस समाज का संपूर्ण सार विविध प्रकार के रंगों के मनमोहक परिदृश्य में है, जो विशिष्ट होते हुए भी समान हैं, जो कला के प्रति अथक जुनून से प्रेरित हैं । एल्विरा मजबूत दृढ़ संकल्प के साथ हर साल नए अवसरों का लाभ उठाते हुए नए मील के पत्थर स्थापित कर रही है। टीम अंतर और अंतर – कॉलेज प्रतियोगिताओं में ऊर्जावान रूप से भाग लेती है, सत्र और कार्यशालाएं आयोजित करती है, लाइव प्रदर्शन करती है और अपने सौंदर्य कौशल का उपयोग करके कॉलेज के उत्सव मनाती है । वार्षिक आर्ट गैलरी विस्ता, उस भावना, समर्पण, विश्वास और उत्साह को दर्शाती है जो इस समाज को एक साथ बांधती है और इसे एक टीम बनाती है । एल्विरा न केवल अपने सदस्यों के कलात्मक कौशल को निखारने पर ध्यान केंद्रित करता है, बल्कि उनके जीवन के हर क्षेत्र में उनकी व्यक्तिगत वृद्धि सुनिश्चित करना चाहता है

ग्लैमफायर, शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वुमेन की फैशन सोसायटी विभिन्न क्षेत्रों के छात्रों को एक साथ लाती है जो फैशन में समान रुचि साझा करते हैं । फैशन सोसायटी में अत्यधिक प्रेरित छात्र होते हैं जो अक्सर मंच पर अपनी उपस्थिति को अपनी बात कहने देना पसंद करते हैं, और जब समाज के लिए लगन से काम करने की बात आती है तो सबसे गूढ़ रचनाकार भी पीछे नहीं हटते हैं । यह उनके लिए सिर्फ स्टेज पर प्रर्दशन से कहीं अधिक है ! वर्ष की शुरुआत से ही कठोर और नियमित अभ्यास सत्र आयोजित किए जाते हैं, जो उत्सव के सत्र तक चलते हैं

जीवन@एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्ल्यू॰

ग्लोबट्रॉटर्स, हमारे कॉलेज की एक यात्रा और पर्यटन सोसायटी है, जिसका उद्देश्य यात्रा और नए और छिपे हुए रोमांचों की खोज के विचार को प्रोत्साहित करना है । युवा और उत्साही यात्रियों के एक समूह के साथ, इसका उद्देश्य दुनिया और इसके लोगों को अलग तरह से देखकर साझा ज्ञान का एक मंच बनाना है।

इंकलिंग्स, साहित्यिक संस्था, 2013 से भाषा और साहित्य के प्रेमियों के कलात्मक पक्ष को प्रोत्साहित करने के लिए काम कर रही है । इसका उद्देश्य साहित्यिक उत्साही लोगों और राजगुरू परिवार के ऐसे अन्य प्रतिभाशाली व्यक्तियों को एक साथ लाना और उन्हें अपनेपन की भावना प्रदान करते हुए उनके कौशल को निखारना है। वक्ताओं और बहस करने वालों से लेकर लेखकों और कवियों, डिजाइनरों और रचनात्मक विचारकों, पाठकों और संपादकों तकय समाज सभी रचनात्मक चीजों और अभिव्यक्तियों का एक आदर्श मिश्रण है।

मासिक धर्म कैफे, महिला स्वास्थ्य सोसायटी, एक एनजीओ सच्ची सहेली के सहयोग से एक कैंपस एंबेसडर कार्यक्रम है । इसका उद्देश्य मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता, यौन और प्रजनन स्वास्थ्य अधिकार, मानसिक स्वास्थ्य आदि के बारे में कलंक को खत्म करना और जागरूकता पैदा करना है । वर्तमान संस्कृति में एक कैफे की अवधारणा को मासिक धर्म कैफे में दोहराया गया है जहां मासिक धर्म, लिंग, मानसिक स्वास्थ्य और अन्य विषयों पर मुक्त प्रवाह वाली प्रासंगिक बातचीत हो सकती है । लक्ष्य एक ऐसी दुनिया का निर्माण करना है जहां मासिक धर्म से कोई भी पीछे न हटे ।

मुखौटा, नाटक सोसायटी का लक्ष्य उन उपेक्षित समस्याओं पर प्रकाश डालना है जिनका सामना हमारा समाज कर रहा है। एक टीम के रूप में एक साथ काम करते हुए, सदस्य सामाजिक परिवर्तन करने के लिए अपनी राय और आवाज का उपयोग करते हैं। अपने समर्पण, प्रतिबद्धता और कड़ी मेहनत के लिए जानी जाने वाली सोसायटी को वर्षों से अपने काम के लिए व्यापक सराहना मिली है। अभिनय कौशल सिखाने से लेकर महत्वपूर्ण जीवन कौशल सिखाने तक, व्यक्ति को सब कुछ मिलता है। सामाजिक मुद्दों पर 'नुक्कड़ नाटक' इसकी यूएसपी हैं।

फिल्यारा, कॉलेज की संगीत सोसायटी, संगीत प्रेमियों का एक समूह है, जो संगीत के दो अलग–अलग क्षेत्रों, भारतीय शास्त्रीय और पश्चिमी, पर काम कर रहा है। यह सोसायटी कॉलेज में एक विशेष स्थान रखती है क्योंकि कोई भी सांस्कृतिक या तकनीकी कार्यक्रम देवी सरस्वती या भगवान गणेश की स्तुति के साथ शुरू होता है और Vamunotri जीवन/एस०आर०सी०ए. एस.डब्ल्यू. फिल्यारा के छात्र यह सुनिश्चित करते हैं कि यह परंपरा कभी न टूटे। यद्यपि दो वर्ग भारतीय (आरोहण) और पश्चिमी संगीत की दो अलग–अलग शैलियाँ हैं, समाज स्वयं एक बड़े परिवार की तरह है। इस वर्ष

जीवन@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

आरोहण को विभिन्न आयोजनों के दौरान कॉलेज में कई प्रदर्शनों और डीयू सर्किट में विभिन्न उत्सवों में प्रतिस्पर्धा करके और कई प्रशंसाएँ जीतकर अपने पंख फैलाने का अवसर मिला। आरोहण और वेस्टर्न म्यूजिक सोसाइटी दोनों ने वाइब' 23, स्वर ध्वनि, नवरात्रि श्रृंखला – देवी स्तुति, वार्षिक तकनीकी और सांस्कृतिक उत्सव जैसे कई इंट्रा और इंटर–कॉलेज कार्यक्रमों में भाग लिया। टीम वर्क और समन्वय की भावना के साथ सोसायटी ने खुद को फिर से कॉलेज की सबसे महत्वपूर्ण सोसायटी में से एक के रूप में स्थापित किया है ।

शफल शॉट्स, शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वुमेन का फोटोग्राफी क्लब कॉलेज की सबसे अधिक मांग वाली सोसायटी है, यह 2014 के आसपास अस्तित्व में आया। चाहे कोई भी आयोजन हो, हम सर्वव्यापी हैं। यह एक उभरती हुई सोसासटी है जिसके हाथों में कैमरे हैं और दिमाग में रचनात्मकता है। कौशल को बढ़ाने के लिए अधिक प्रदर्शन प्रदान करने के लिए वास्तव में अद्भुत सलाहकारों द्वारा व्यवस्थित तरीके से विभिन्न प्रतियोगिताओं, कार्यशालाओं और फोटोवॉक का आयोजन किया जाता है । हम प्रतिस्पर्धी भावना पैदा करने और उत्साह बनाए रखने के लिए कॉलेज के भीतर और बाहर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन करते हैं, हमें गर्व है कि हमारे शटरबग्स हमें अपनी अद्भुत प्रविष्टियों से कभी निराश नहीं करते हैं ।

एहसास, मानसिक स्वास्थ्य सोसायटी, की स्थापना 2017 में कॉलेज की मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सोसायटी के रूप में की गई थी। मानसिक स्वास्थ्य भलाई के लिए आवश्यक है और स्वस्थ, संतुलित और उत्पादक जीवन प्राप्त करने के लिए मौलिक है । सोसायटी मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के बारे में जागरूकता फैलाने और इससे जुड़े कलंक और वर्जनाओं को दूर करने के उद्देश्य से छात्रों के मानसिक कल्याण को बढ़ावा देने का प्रयास करती है। इसके अलावा, यह छात्रों को अपने बारे में सकारात्मक महसूस करने और जीवन को अच्छी तरह से अनुभव करने के लिए प्रोत्साहित करता है। मानसिक स्वास्थ्य जानकारीपूर्ण परिसर के निर्माण के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सोसायटी पूरे वर्ष विभिन्न सत्र, कार्यशालाएं और इंटरैक्टिव कार्यक्रम आयोजित करती है।

जीवन@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

इनैक्टस, शहीद राजगुरु कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय कॉलेज में स्थित एक इनैक्टस – संबद्ध परियोजना है । उच्च गुणवत्ता वाली व्यावहारिक शिक्षा के माध्यम से, हमारा लक्ष्य भविष्य के उद्यमियों का पोषण करके और अपनी परियोजनाओं के माध्यम से एक बेहतर और अधिक टिकाऊ दुनिया का निर्माण करके समुदाय का उत्थान करना है । हमारी चल रही परियोजनाओं में प्रोजेक्ट पहचान, प्रोजेक्ट ग्रीन हेवन और प्रोजेक्ट सुगव्य शामिल हैं । हमारा लक्ष्य इन परियोजनाओं के माध्यम से तीन अलग–अलग हाशिए पर रहने वाले समुदायों का उत्थान करना है ।

प्रोजेक्ट पहचान – इस पहल का उद्देश्य एलजीबीटीक्यूआई. समुदाय और वंचित व्यक्तियों को सिलाई, बेकिंग, डिज़ाइनिंग आदि जैसे क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रशिक्षण सत्र प्रदान करके सशक्त बनाना है। सोने पर सुहागा यह है कि ये कौशल विकास कार्यक्रम बिल्कुल मुफ्त हैं! यह परियोजना विभिन्न व्यक्तियों को मान्यता प्रदान करके और सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाकर सामाजिक–आर्थिक असमानताओं और कलंक को मिटाने का काम करती है, जिसके परिणामस्वरूप समाज में सकारात्मक बदलाव आता है।

प्रोजेक्ट ग्रीन हेवन – इसकी स्थापना महामारी के दौरान प्रवासी मजदूरों और सड़क विक्रेताओं को रोजगार देने के साथ–साथ शाकाहार और किसी के आहार में मशरूम के उपयोग को बढ़ावा देने के लक्ष्य के साथ की गई थी। ताजा मशरूम और मशरूम की खेती के पैकेज निर्वाह खेती के तरीकों के माध्यम से परिसर में उगाए जाते हैं । हमारे उत्पाद स्वच्छ और प्रामाणिक हैं, और वे प्राकृतिक और पर्यावरण के अनुकूल कृषि पद्धतियों के साथ–साथ अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देते हैं। किंग ऑयस्टर मशरूम, बटन मशरूम और काले, गुलाबी, पीले और नीले ऑयस्टर मशरूम ऐसे प्रकार के मशरूम हैं जिनका उत्पादन किया जाता है । इनके कई स्वास्थ्य लाभ हैं और इन्हें स्वच्छ प्रथाओं में उगाया जाता है । ये मशरूम, जो हमारे परिसर में स्थापित स्टालों और हमारी वेबसाइट के माध्यम से बेचे जाते हैं, छात्रों और शिक्षकों दोनों के बीच लोकप्रिय हैं

प्रोजेक्ट सुगव्य – 'सुगव्य' शब्द का अर्थ है 'गायों से प्राप्त तत्व'। इस दर्शन के आधार पर, हम गैर–स्तनपान कराने वाली गाय के गोबर का उपयोग विभिन्न प्रकार के रसायन – मुक्त उत्पादों का उत्पादन

जीवन@एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्ल्यू॰

करने के शुभ जीवन/एस०आर०सी०ए.एस.डब्ल्यू. लिए करते हैं और इस तरह उनका मूल्य बढ़ाते हैं। इस परियोजना के उत्पाद बायोडिग्रेडेबल और पर्यावरण – अनुकूल हैं, और वे पारिस्थितिकी तंत्र के दीर्घकालिक विकास में योगदान करते हैं । हमारे सबसे प्रसिद्ध उत्पाद हमारे गौमय दीये हैं, जो गाय के गोबर से बने पर्यावरण–अनुकूल दीये हैं जो 100 प्रतिशत बायोडिग्रेडेबल और रसायन–मुक्त हैं । वे अटूट हैं और उपयोग के बाद पौधों की खाद के रूप में उपयोग किए जा सकते हैं! गोमूत्र का उपयोग फिनाइल और ग्लास क्लीनर घोल बनाने में भी किया जाता है, जो विभिन्न प्रकार के दैनिक घरेलू कामों में उपयोगी हो सकता है। गाय के गोबर से बनी जैविक खाद, बढ़ते पौधों को अच्छे पोषक तत्व भी प्रदान करती है ।

सिग्मा पाई – सांख्यिकी सोसायटी

सिग्मा पाई, सांख्यिकी सोसायटी ने सत्र 2023–24 से आधिकारिक तौर पर काम करना शुरू कर दिया। इस समाज का उद्देश्य ''सिमुलेशन टू सिम्यूलेशन'' है – डेटा या सूचना एकत्र करने के चरण से एक सिम्युलेटेड मॉडल या प्रतिनिधित्व (सिमुलेशन) बनाने के चरण में संक्रमण और परिवर्तन। सांख्यिकी पर अपने प्राथमिक फोकस के साथ, सिग्मा पीआई एक बहु–विषयक वातावरण प्रदान करता है जो बौद्धिक उत्तेजना और विकास को प्रोत्साहित करता है। यह सोसायटी छात्रों, शिक्षाविदों और उत्साही लोगों के लिए एक साथ आने और वास्तविक दुनिया में सांख्यिकी की जटिलताओं का पता लगाने के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य करती है।

इस सोसायटी की प्रमुख उपलब्धियों में से एक व्याख्यान श्रृंखला @2047 के तहत पांच व्याख्यानों की एक श्रृंखला थी, जिसमें जी20 देशों की नीतियों और निर्णयों को समझने, विश्लेषण करने और आकार देने में सांख्यिकी की अभिन्न भूमिका की खोज की गई थी। आर्थिक नीतियों से लेकर सतत विकास लक्ष्यों तक, जलवायु परिवर्तन से लेकर सार्वजनिक स्वास्थ्य तक, इस व्याख्यान श्रृंखला का उद्देश्य यह पता लगाना है कि कैसे आँकड़े साक्ष्य–आधारित अंतर्दृष्टि के लिए आवश्यक आधार प्रदान करते हैं। समाज एक समावेशी समुदाय है जहां विविध दृष्टिकोण सीखने के अनुभव को समृद्ध करते हैं।

ह्यूमन कैफे, दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वुमेन की एक स्थापित सोसायटी है । इसे शुरुआत में वर्ष 2021 में एक पहल के रूप में शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य सभी को अपनी भावनाओं और संवेदनाओं को साझा करने के लिए एक गैर–निर्णयात्मक, पक्षपात – मुक्त और सुरक्षित स्थान प्रदान करना है । समाज से जुड़े पेशेवरों का एक बेहद प्रतिभाशाली और प्रशिक्षित समूह है जिसमें छात्र

जीवन@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

और शिक्षक दोनों शामिल हैं। इसने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया है जो आत्म– देखभाल, आत्म– नुकसान की रोकथाम, मनोदशा उत्थान, आत्मविश्वास बढ़ाने और वर्तमान के प्रति जागरूक होने पर केंद्रित हैं । सोसायटी जरूरतमंद लोगों की बात सुनने और मदद के लिए हाथ बढ़ाने में विश्वास रखती है ।

प्रवृधि महिलाओं के लिए शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज की पर्यावरण सोसायटी (इकोक्लब) 2005 में शिक्षकों और सक्रिय छात्रों के एक समूह द्वारा शुरू की गई थी। यह नेशनल ग्रीन कॉर्प्स का एक हिस्सा है, जो पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार, 2001 के तहत एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है। प्रवृधि का अर्थ है 'स्थायी पर्यावरण बनाने के लिए कार्यों को प्रोत्साहित करना और तेज करना'। प्रवृधि का मिशन कॉलेज में और उसके आसपास विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से पर्यावरण जागरूकता और सतत विकास की अवधारणाओं को बनाना और शामिल करना है। सोसायटी विभिन्न गतिविधियों, कार्यशालाओं और इंटरैक्टिव सत्रों का आयोजन करती है जो छात्रों को वैश्विक संदर्भ में स्थानीय मुद्दों को समझने में मदद करती है। सोसायटी का उद्देश्य कई पर्यावरणीय पहलुओं पर चर्चा के लिए एक मंच प्रदान करके भागीदारी बढ़ाना और छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों और पड़ोसियों में पर्यावरण के प्रति गहरी रुचि पैदा करना है। सोसायटी कॉलेज में हर्बल गार्डन का प्रबंधन करती है जिसमें विभिन्न औषधीय पौधे हैं। प्रवृधि, IQAC के तत्वावधान में हरित नीति को अपनाकर कॉलेज के बुनियादी ढांचे में विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से सतत विकास की अवधारणा को बढ़ावा देना सुनिश्चित करती है। 2023–24 शैक्षणिक वर्ष के दौरान, प्रवृधि ने परिसर को पर्यावरण जागरूकता के केंद्र में बदल दिया। इसने जलवायु लचीलेपन पर इंटरैक्टिव कार्यशालाओं का आयोजन किया, उदाहरण के लिए, ''आईईईई का संवेदनशील समुदाय जलवायु लचीलेपन के लिए'', प्लास्टिक रीसाइक्लिंग जैसे ''अपशिष्ट से मूल्य तक'', और खाद बनाना, व्यावहारिक सीखने को प्रोत्साहित करना। सेव मदर अर्थ मिशन, पेन कलेक्शन ड्राइव और आईपीसीए के रीसाइक्लिंग प्रयासों जैसी पहलों के माध्यम से, क्लब ने कुल 122 किलोग्राम कचरा एकत्र किया और प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वार्षिक इको–फेस्ट, वसुधा ने पोस्टर मेकिंग, शुभंकर डिजाइनिंग और प्रकृति पेंटिंग जैसी प्रतियोगिताओं के साथ रचनात्मकता का जश्न मनाया। प्रवृधि ने कैंपस से बाहर अपनी पहुंच बढ़ाई, टाइड टर्नर्स प्लास्टिक चौलेंज, ब्लू प्लैनेट फ़ेलोशिप और मिशन लाइफ स्कीम में भाग लिया, और स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए मान्यता प्राप्त की। हमारा इंस्टाग्राम प्लेटफ़ॉर्म पर्यावरण–अनुकूल सुझावों को साझा करने, पर्यावरण संबंधी चिंताओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने और व्यापक दर्शकों से जुड़ने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। क्लब अपनी हरित पत्रिका भी जारी करता है, सर्वेक्षण करता है और पर्यावरण पर परियोजनाएँ चलाता

National EduTrust of India

Registered under Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises, Government of India (UDYAM-CH-01-0030500)

Certificate of Achievement

We Certify that

Shaheed Rajguru College of Applied Sciences for Women, University of Delhi

has demonstrated outstanding commitment and dedication to environmental conservation and sustainability, thereby contributing significantly to the preservation of our planet.

In recognition of these efforts, College is hereby awarded the

District Environment Championship Award 2024-25 for East Delhi

Samarth Sharma
Chief Executive Officer

Certificate no: NEI/HEI/DECA/004
Dated:05.06.2024

जीवन@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

है। कॉलेज को प्रवृधि की ओर से पर्यावरणीय स्थिरता की दिशा में अपने काम के लिए मान्यता दी गई है, जिसमें एमजीएनसीआरई, शिक्षा मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त सामाजिक उद्यमिता, स्वच्छता और ग्रामीण सहभागिता सेल (एसईएस आरईसी) संस्थान का प्रमाण पत्र शामिल है; सबसे बड़ा वृक्षारोपण अभियान चलाने के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्रय एमजीएनसीआरई, शिक्षा मंत्रालय द्वारा ग्रीन चैंपियन पुरस्कारय और हाल ही में नेशनल एडुट्रस्ट द्वारा पूर्वी दिल्ली का जिला पर्यावरण चैंम्पियनशिप पुरस्कार, 2024–25 प्राप्त किया है।

प्रबंधन क्लब–हमारे कॉलेज में नव स्थापित प्रबंधन क्लब तीन छात्र समाजों की गतिशील ऊर्जा और समृद्ध इतिहास का विलय करता हैः रकम–वित्त और निवेश सोसायटीय मार्क हेवन–मार्केटिंग सोसायटीय और इक्विलिब्रियम–द इकोनॉमिक्स सोसायटी। यह समामेलन ढेर सारी विशेषज्ञता को एक साथ लाता है, जिससे प्रबंधन, वित्त, विपणन और अर्थशास्त्र में भावी नेताओं को तैयार करने के लिए समर्पित एक व्यापक मंच तैयार होता है।

प्रबंधन क्लब का लक्ष्य इन तीन समाजों की शक्तियों को एकीकृत करके समग्र शैक्षिक अनुभव प्रदान करना है। हमारा लक्ष्य एक जीवंत समुदाय बनाना है जहां छात्र विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करते हुए प्रबंधन सिद्धांतों की गहन समझ विकसित कर सकें। इनमें सेमिनार, कार्यशालाएं, उद्योग दौरे, लाइव प्रोजेक्ट, एमयूएन और उद्योग विशेषज्ञों के साथ इंटरैक्टिव सत्र शामिल हैं।

प्रबंधन क्लब छात्रों को व्यवसाय और प्रबंधन की प्रतिस्पर्धी दुनिया में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम सभी छात्रों को व्यावसायिक विकास और सफलता की दिशा में इस रोमांचक यात्रा में शामिल होने के लिए आमंत्रित करते हैं।

राजगुरुकुलम, शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वुमेन (एसआरसीएएसडब्ल्यू) के तत्वावधान में सेंटर फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च, इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप की अभिनव शैक्षिक अभ्यास पहल है। यह पहल स्नातक छात्रों को कैरियर के अवसरों के बारे में जानने और आगे की शिक्षा के लिए प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश प्राप्त करने में सहायता करती है। यह पाया गया है कि विभिन्न सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि के छात्रों को अपने संबंधित उच्च शिक्षा लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने और उन्हें पूरा करने के लिए विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है। एसआरसीएएसडब्ल्यू के संकाय सदस्यों ने इस प्रयास में उत्साहपूर्वक योगदान दिया है। यह पहल मुफ्त और इंटरैक्टिव है, जिसका उद्देश्य उन छात्रों की सहायता करना है जो कम आय वाले परिवारों से आते हैं और अन्य प्रकार की वित्तीय सहायता वहन नहीं कर सकते।

जीवन@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

यूथ पार्लियामेंट सोसाइटी ने जुलाई 2016 में कॉलेज के परिसर में अपनी पवित्र नींव रखी और तब से यह फल–फूल रही है। यह आम तौर पर पूरे शैक्षणिक वर्ष में विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन करता है, जिसमें बहस, चर्चा, नकली संसद सत्र और महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक मूल्य रखने वाले ऐतिहासिक स्थानों का दौरा शामिल है, जिससे छात्रों को लोकतंत्र के सार और संसद की कार्यप्रणाली को समझने में मदद मिलती है। इन यात्राओं में संसद, प्रधान मंत्री संग्रहालय और सरकार द्वारा आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन जैसे अन्य कार्यक्रम शामिल हैं, जहां छात्रों को लोकतांत्रिक और राजनीतिक संस्थानों के काम करने के तरीके के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी मिलती है। ये कार्यक्रम छात्रों को महत्वपूर्ण सोच कौशल विकसित करने, खुद को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने का तरीका सीखने और अपने साथियों के साथ सार्थक बातचीत में संलग्न होने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। सोसायटी एक मंच प्रदान करती है जहां छात्र अपनी राय रख सकते हैं, मुद्दों पर बहस कर सकते हैं और अपने समुदायों और समाज के सामने आने वाली समस्याओं के समाधान का प्रस्ताव दे सकते हैं। यह छात्रों को अपने नेतृत्व और सार्वजनिक बोलने के कौशल को विकसित करने, जटिल सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक मुद्दों के बारे में गंभीर रूप से सोचने और राजनीतिक प्रक्रिया को समझने के लिए चुनौती देने का अवसर प्रदान करता है। विविध दृष्टिकोणों और रचनात्मक बहसों के संपर्क के माध्यम से, छात्र सहानुभूति विकसित करते हैं और विभिन्न दृष्टिकोणों की सराहना करना सीखते हैं।

TEDXSRCASW :- TEDX कार्यक्रम एक स्थानीय सभा है जिसमें ज्म्क वार्ता की शैली में लाइव वार्ता और प्रदर्शन शामिल होते हैं। इन आयोजनों की योजना और आयोजन स्वतंत्र रूप से किया जाता है। महीनों के प्रयास के बाद SRCASW ने इच्छुक व्यक्तियों के स्थानीय समुदाय के साथ ''प्रसार योग्य विचारों'' को साझा करने के उद्देश्य से 2022 में अपनी TEDX यात्रा

जीवन@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

शुरू की। यह विचारोत्तेजक विचारों को साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करता है जो लोगों को उनकी तात्कालिक दुनिया से परे विषयों के बारे में जानने के लिए प्रेरित करता है। यह सोसायटी असाधारण वक्ताओं को दर्शकों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा करने के लिए प्रेरणा, प्रेरणा और एक मंच प्रदान करने के लिए समर्पित है। उद्घाटन TEDX कार्यक्रम 30 जनवरी, 2023 को ''द रोड नॉट स्टिल टेकनरू चॉइसिंग अनकन्वेंशनल करियर'' थीम के तहत आयोजित किया गया था। विविध पृष्ठभूमि के चार प्रमुख वक्ताओं ने अपने अपरंपरागत करियर पथ साझा किए। प्रत्येक वक्ता के पास साझा करने के लिए एक अनूठी यात्रा थी, और उपस्थित लोगों को बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्राप्त हुई। यह आयोजन ज़बरदस्त सफल रहा और इसे दर्शकों से प्रशंसा मिली।

वर्ष 2024 में TEDXSRCASW ने ज्ञानवर्धक भाषणों की एक श्रृंखला के साथ ''टेक लिबरेशनः द पैराडॉक्स'' विषय के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया। TEDXSRCASW का लक्ष्य अपनी विरासत को जारी रखना और हर साल ऐसे कई महत्वपूर्ण आयोजनों की मेजबानी करना है।

आहार सोसायटी की स्थापना जुलाई 2022 में की गई थी। इसका उद्देश्य छात्रों को भोजन के प्रति उनके साझा प्रेम के माध्यम से एकजुट करना, स्वस्थ खाने की आदतों को बढ़ावा देना और रचनात्मकता और नवीनता को बढ़ावा देना है। हम टीम वर्क के महत्व को पहचानते हैं और छात्रों और समाज के स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण के लिए सहयोग करने का प्रयास करते हैं।

हमारा मिशन उन छात्रों को एक साथ लाना है जो भोजन पसंद करते हैं, खाना पकाने का शौक रखते हैं और भोजन के बारे में अपने ज्ञान का विस्तार करना चाहते हैं। हम आज के तेजी से बदलते परिवेश में खाद्य सुरक्षा सहित भोजन के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में कॉलेज के छात्रों, स्टाफ सदस्यों और समाज के बीच जागरूकता बढ़ाना चाहते हैं।

जीवन@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

इस वर्ष, सोसायटी ने 'द फूड डोनेशन', एक रेसिपी प्रतियोगिता, 'सेफ फूड कैंपस', कैंटीन मेनू को अपग्रेड करना और स्वस्थ नाश्ता आइटम पेश करना, और सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में आउटरीच कार्यक्रम जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया।

सांस्कृतिक सचिव सुश्री सोनिया अहलावत और छात्र सलाहकार डॉ. मोनिका त्यागी के मार्गदर्शन में शैक्षणिक वर्ष 2023–24 के लिए विद्यार्थी परिषद द्वारा कई गतिविधियाँ आयोजित की गईं। गतिविधियाँ इस प्रकार हैं:

स्वतंत्रता दिवस समारोहः 15 अगस्त, 2023 को कॉलेज द्वारा 76वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम को प्रो. (डॉ.) पायल मागो की उपस्थिति से सम्मानित किया गया, जिनके प्रेरक शब्दों ने छात्रों को अखंड भारत और एकता को अपनी ताकत मानते हुए काम करने के लिए प्रेरित किया। शिक्षण और गैर–शिक्षण कर्मचारियों के साथ–साथ छात्रों ने पूरे दिल से उन महान क्रांतिकारियों के बलिदान को याद किया जिन्होंने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। यह कार्यक्रम भारत की आजादी के 76 साल पूरे होने के जश्न और श्रद्धा की भावना को दर्शाते हुए जोशीले नारों के साथ संपन्न हुआ।

राजगुरु दिवस और दीक्षांत समारोहः कॉलेज ने श्री हरि शिवराम राजगुरु की जयंती 24 अगस्त, 2023 को मनाई, जिसमें उनके बलिदानों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके अतिरिक्त, कॉलेज ने अपना वार्षिक दीक्षांत समारोह उसी तारीख को कॉलेज सभागार में आयोजित किया। इस कार्यक्रम में माननीय मुख्य अतिथि प्रोफेसर विजय कुमार चौधरी, एनएएसआई – वरिष्ठ वैज्ञानिक, सेंटर फॉर इनोवेशन इन इंफेक्शियस डिजीज रिसर्च, एजुकेशन एंड ट्रेनिंग (सीआईडीआरईटी), निदेशक (माननीय), दिल्ली स्कूल ऑफ स्किल एन्हांसमेंट की उपस्थिति रही। एवं उद्यमिता विकास (DSSEED)। कॉलेज को प्रोफेसर अमिता गुप्ता, जैव रसायन विभाग, साउथ कैंपस, दिल्ली विश्वविद्यालय, निदेशक, सेंटर फॉर इनोवेशन इन इंफेक्शियस डिजीज रिसर्च, शिक्षा और प्रशिक्षण अध्यक्ष, गवर्निंग बॉडी, शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वुमेन की मेजबानी करने का सौभाग्य मिला। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. (डॉ.) पायल मागो ने की। अतिथियों ने परिसर में शहीद शिवराम हरि राजगुरु की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

जीवन@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

ओरिएंटेशन दिवसः कॉलेज ने 5 सितंबर, 2023 को कॉलेज सभागार में अपने उत्साही नौसिखियों के लिए एक ओरिएंटेशन का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत सभागार में राष्ट्रगान की गूंज के साथ हुई। संस्था द्वारा प्रिय राजगुराइट्स का हार्दिक स्वागत किया गया, जिसके बाद फ़िलारा आरोहण द्वारा गाए गए ऋग्वेद के भजनों के साथ दीप प्रज्वलित किया गया। उद्घाटन भाषण सम्मानित प्रिंसिपल, प्रोफेसर (डॉ.) पायल मागो, प्रिंसिपल एसआरसीएएसडब्ल्यू द्वारा दिया गया था। उन्होंने सभी छात्रों को दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ने के अपने सपने को पूरा करने के लिए बधाई दी। उन्होंने यूजीसीएफ की संपूर्ण संरचना पर प्रकाश डाला। उन्होंने उल्लेख किया कि कैसे स्नातक की चार वर्षीय डिग्री ने छात्रों के लिए सीखने के क्षितिज और अवसरों का विस्तार किया है। उन्होंने आशंकित भीड़ को आश्वस्त किया कि नीति को लागू करते समय छात्रों के हितों को ध्यान में रखा गया है। उन्होंने बताया कि कैसे नई प्रणाली शिक्षा पाठ्यक्रम में बहु–विषयक शिक्षा को शामिल करती है और छात्रों को स्नातक स्तर पर अंतर्निहित अनुसंधान तत्व से परिचित कराती है। इस कार्यक्रम में छात्रों के संबंधित प्रश्नों का समाधान किया गया। प्रोफेसर पायल मागो ने धैर्यपूर्वक विद्यार्थियों के मन में उठ रहे संदेह को दूर करने का प्रयास किया।

शपथ समारोहः जैसे ही नवनिर्वाचित छात्र संगठन शपथ लेता है, राष्ट्रपति ईमानदारी से एकता, समर्पण और सेवा के सिद्धांतों को बनाए रखने की प्रतिज्ञा करते हैं। कॉलेज निर्वाचित छात्र परिषद का हार्दिक स्वागत करता है। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान, कॉलेज प्राचार्य परिषद और छात्रों को संबोधित करते हैं। इसके बाद, विद्यार्थी परिषद के सभी सदस्यों को बैज प्रदान किया जाता है, जिसके बाद शपथ पढ़ी जाती है।

दिवाली मेला (उज्ज्वल 23): दिवाली मेला सांस्कृतिक विविधता का एक जीवंत उत्सव था, जिसमें मंत्रमुग्ध कर देने वाली लोक नृत्य प्रतियोगिताएं और मनमोहक सामाजिक प्रदर्शन शामिल थे। यह एक खुशी का अवसर था जिसने पूरे कॉलेज समुदाय को एकजुटता और एकता की भावना का आनंद लेने के लिए एक साथ लाया। 9 नवंबर 2023 को, अंतरविभागीय समूह नृत्य प्रतियोगिताओं में विभागों द्वारा उत्कृष्ट लोक–नृत्य प्रदर्शन के साथ, छात्रों और कर्मचारियों दोनों ने दिवाली मेले का भरपूर आनंद लिया। अन्य प्रतियोगिताओं में दीया सजावट प्रतियोगिता और संकाय सदस्यों के लिए रंगोली बनाने की प्रतियोगिता शामिल थी।

चुनाव जागरूकता अभियानः इस कार्यक्रम में जीवंत रंगोली और मेहंदी

जीवन@एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्ल्यू॰

प्रतियोगिताएं, मनमोहक नुक्कड़ नाटक प्रदर्शन और एक जीवंत पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। इसमें सांस्कृतिक उत्सव के साथ–साथ नागरिक सहभागिता को बढ़ावा देने वाले मतदाता पहचान–पत्र बूथ भी शामिल हैं।

रामोत्सवः हमने 19 जनवरी, 2024 को भक्ति और एकता के सामंजस्यपूर्ण प्रदर्शन के साथ, शुभ राम मंदिर के पूर्व–उद्घाटन समारोह रामोत्सव मनाया। उत्सव में पारंपरिक भंडारा दावतें, प्रोटोटाइप प्रदर्शन और ज्ञानवर्धक सांस्कृतिक गतिविधियाँ शामिल थीं।

गणतंत्र दिवस समारोहः ध्वजारोहण समारोह एक देशभक्तिपूर्ण कार्यक्रम था, जिसमें मनमोहक प्रदर्शन और मतदान के महत्व पर प्रकाश डालने वाला एक ज्ञानवर्धक भाषण शामिल था।

सरस्वती पूजाः 14 फरवरी, 2024 को बसंत पंचमी उत्सव, ज्ञान और बुद्धिमत्ता की देवी माँ सरस्वती को एक शांत श्रद्धांजलि थी, जो प्रसाद, सरस्वती आरती और प्रसाद बांटने से बढ़ी।

सांस्कृतिक उत्सव (कारवां 24): विद्यार्थी परिषद और सांस्कृतिक समिति ने 6 और 7 मार्च 2024 को वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव – कारवां का आयोजन किया। उत्सव का उद्घाटन प्रिंसिपल प्रोफेसर (डॉ.) पायल मागो ने कॉलेज सभागार में प्रकाश व्यवस्था के साथ किया। गणेश वन्दना के साथ दीप प्रज्ज्वलित किया गया। उद्घाटन समारोह के दौरान कॉलेज की विभिन्न सांस्कृतिक समितियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आहार्या, डांस सोसाइटी ने पश्चिमी शैली का नृत्य प्रस्तुत किया, जबकि ग्लैमफायर ने महिलाओं के खिलाफ विभिन्न अत्याचारों पर प्रकाश डालते हुए एक विशेष प्रदर्शन किया। एल्विरा ने अपने कलात्मक कौशल का लाइव प्रदर्शन किया और फिलायरा, द म्यूजिक सोसाइटी ने भारतीय और पश्चिमी गायन संगीत दोनों में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित की। वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव, कारवां 24, असंख्य प्रतियोगिताओं, आकर्षक भोजन और गैर–खाद्य स्टालों और जीवंत ढोल नाइट में थिरकती धुनों से जगमगा उठा। उत्साह को बढ़ाते हुए, एक बहाना पार्टी ने अतिथि कलाकारों के शानदार प्रदर्शन और एक रोमांचक डीजे सेट के साथ उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिससे यह एक यादगार उत्सव बन गया।

रंगोत्सव' 24: 20 मार्च 2024 को, वार्षिक होली उत्सव में दीप प्रज्ज्वलन, सांस्कृतिक प्रदर्शन, संगीत कुर्सियाँ और जीवंत डीजे संगीत शामिल था, जो एकता और रंग का एक जीवंत उत्सव बनाता है।

सामाजिक पहल@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

राष्ट्रीय सेवा योजना – एन. एस. एस. अपने आदर्श वाक्य – 'मैं नहीं बल्कि आप' के तहत अपने स्वयं सेवकों की निस्वार्थ सेवा के साथ पूरे वर्ष गतिविधियों का संचालन करती है। आस–पास की झुग्गी बस्तियों में वंचितों को दान से लेकर खाद बनाना, कॉलेज परिसर के आसपास सफाई करना, वृद्धाश्रमों और अनाथालयों का दौरा करना, स्कूल स्तर पर छात्रों को सलाह देना, मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता गतिविधियाँ, महिला स्वास्थ्य और सशक्तिकरण संबंधी गतिविधियाँ आदि कुछ प्राथमिक एन. एस. एस. की पहलें हैं। पिछले सत्र में, इकाई ने एक दिवसीय कोविड– 19 बूस्टर खुराक शिविर, थैलेसीमिया स्क्रीनिंग शिविर, साहसिक शिविर, स्वास्थ्य जांच संबंधी शिविर और महिलाओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर जैसे विभिन्न शिविरों का भी आयोजन किया। एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू. के एन. एस. एस. स्वयंसेवकों द्वारा प्रतिष्ठित सरकारी निकायों और अन्य समाजों के सहयोग से कई कार्यशालाएं भी आयोजित की गई हैं जिनमें तंबाकू के हानिकारक प्रभावों, पूर्वी जिले में महिला अधिकार और सतर्कता जागरूकता पर कार्यशालाएं शामिल हैं। इनके अलावा बाल विवाह मुक्त भारत, राष्ट्रीय मतदाता दिवस और एकता से संबंधित शपथ समारोह भी किये गये । इंटरैक्टिव तरीके से जागरूकता फैलाने के लिए समाज सेवा और कल्याण से संबंधित विषयों पर एन. एस. एस. के तत्वावधान में निबंध लेखन, लेख – लेखन, पोस्टर मेकिंग और मोनोलॉग जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

ई. बी. एस. बी. क्लब –जनवरी 2020 में स्थापित, एस. आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू. का ई. बी. एस. बी. क्लब एम. एच. आर.डी., भारत सरकार की श्एक भारत श्रेष्ठ भारतश पहल के तहत बनाया गया था, जहां दिल्ली राज्य को सिक्किम राज्य के साथ जोड़ा गया है । ई. बी. एस. बी. क्लब सिक्किम की संस्कृति, परंपराओं, भाषा, लोक नृत्य, लोक संगीत और व्यंजनों को बढ़ावा देने वाली विभिन्न आकर्षक गतिविधियों का संचालन करने का प्रयास करता है । क्लब का उद्देश्य श्हमारे देश की विविधता में एकता का जश्न मनानाश है और युवाओं को समानता के लिए एक ताकत बनने और अपनी रोजमर्रा की बातचीत में सांस्कृतिक रूप से अधिक समावेशी बनने के लिए प्रेरित करना है । सत्र 2022–23 के लिए ई. बी. एस. बी. के तहत आयोजित विभिन्न गतिविधियां इस सामाजिक पहलें/एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू. संकाय एवं

सामाजिक पहल@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

छात्रों द्वारा ग्राम का सर्वेक्षण प्रकार हैं टीम ई.बी. एस. बी. द्वारा विभिन्न राज्यों और वहां के लोगों पर प्रकाश डालते हुए हर घर तिरंगा अभियान पर बनाई गई डॉक्यूमेंट्री, जिसे स्वतंत्रता दिवस पर दिखाया गया थाय राजगुरु जी के जीवन पर प्रश्नोत्तरी एवं ओपन माइक प्रतियोगिताय राष्ट्रीय एकता दिवस पर श्अनेकता में एकताश विषय के तहत नारा लेखन प्रतियोगिताय असमिया और सिक्किमी सीखने के लिए भाषा सत्रय जापान में श्री मुकेश के साथ टॉक शो, जिसमें एक साधारण सिक्किमी लड़के की जापान में सफलता की कहानी पर प्रकाश डाला गयाय 15 फरवरी को प्रसिद्ध सामाजिक उद्यमी और श्द ग्रीन मैन ऑफ सिक्किमश श्री ओमी गुरुंग द्वारा सेमिनार, स्मिता राय, उद्यमी, नामची सिक्किम और हिमाद्रि डेका, सहायक शिक्षक, असम के साथ महिला दिवस विशेष इंस्टाग्राम लाइव श्रृंखलाय वार्षिक उत्सव संगम' 23 के तहत पोशक – ए – भारत जहां विभिन्न कॉलेजों के छात्रों ने पोशाक, विभिन्न नृत्य रूपों और अन्य तरीकों से अपने राज्य का प्रतिनिधित्व कियाय और सिक्किम और दिल्ली के लोगों और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सिक्किम छात्र संघ, दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ सहयोग ।

गर्ल अप नायाब संयुक्त राष्ट्र फाउंडेशन की एक पहल, गर्ल अप सशक्त युवा महिला नेताओं का एक वैश्विक आंदोलन है जो लैंगिक समानता की रक्षा करती है। शहीद राजगुरु कॉलेज चौप्टर, गर्ल अप नायाब का मानना है कि सशक्त महिलाएं अत्यधिक शक्तिशाली और कीमती हैं। क्लब ने कई मुद्दों पर काम किया है जैसे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य, कार्यस्थल पर लैंगिक असमानता, महिलाओं के लिए संवैधानिक अधिकार, LGBTQI। समुदाय का हाशिए पर होना, घरेलू दुर्व्यवहार, युवाओं में यौन शिक्षा की कमी और कई अन्य। एक गो टू डॉक्यूमेंट बनाया गया और प्रसारित किया गया, जिसमें महिलाओं के अधिकारों, मोबाइल एप्लिकेशन, डिवाइस ६ उपकरण, विशेष सुरक्षा उत्पाद जो आत्मरक्षा में मदद करते हैं और नई दिल्ली में लोगों को तत्काल मदद के लिए कॉल / टेक्स्ट करने के लिए आपातकालीन संपर्क शामिल हैं । क्लब नियमित रूप से गर्ल अप पोर्टल के साथ–साथ अपने स्वयं के सामाजिक पहलें / एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू. वर्डप्रेस खाते पर राय अपलोड करता है । गर्ल अप नायाब ने 18,000 रुपये का फंड जुटाया है जो लिंग आधारित हिंसा से बचे लोगों के लिए सहायता प्रदान करने के लिए मुहैया कराया जाता है । क्लब को अंतरराष्ट्रीय दिवस, 2021 में करुणा एनजीओ द्वारा दिल्ली पुलिस के सहयोग से अपने अथक प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया।

उन्नत भारत अभियान (यूबीए) – यह भारत सरकार के शिक्षा मंत्रलय का एक प्रमुख कार्यक्रम है। कार्यक्रम की शुरुआत आईआईटी दिल्ली के समर्पित

सामाजिक पहल@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

संकाय सदस्यों के एक समूह द्वारा की गई थी जो ग्रामीण विकास के साथ–साथ प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में लगातार काम कर रहे हैं और आधिकारिक तौर पर 2014 में एमएचआरडी (अब एमओई) द्वारा लॉन्च किया गया था। यूबीए का उद्देश्य ग्रामीण समुदायों के सामाजिक और आर्थिक कल्याण में सुधार के साथ–साथ ग्रामीण भारत में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लक्ष्य में उच्च शैक्षणिक संस्थानों (एचईआई) के संकाय सदस्यों और छात्र को शामिल करना है। ग्रामीण विकास प्रक्रिया में परिवर्तनकारी परिवर्तन लाने के लिए देश के प्रमुख संस्थानों के ज्ञान आधार और संसाधनों का लाभ उठाया जाना चाहिए द्य इसका उद्देश्य समाज और उच्च शैक्षणिक संस्थानों के बीच एक जीवंत संबंध बनाना है, जिसमें ग्रामीण लोगों के जीवन को बेहतर बनाने और समाज में सार्वजनिक और निजी दोनों संगठनों की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए आवश्यक ज्ञान और तकनीकी सहायता प्रदान करना शामिल है।

शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वुमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय को एक चुनौती मोड एप्लिकेशन माध्यम से उन्नत भारत अभियान (यूबीए) के तहत एक भागीदार संस्थान के रूप में चुना गया था । तब से, छात्रों ने अपनाए गए ग्रामीण समुदायों में सकारात्मक परिवर्तनकारी परिवर्तन लाने के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए संकाय के साथ मिलकर काम किया है। यूबीए, एस. आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू. ने हमारे कॉलेज परिसर के पास 5 गांवों को गोद लिया है। विभिन्न परियोजनाएँ शुरू की गईं जिनमें शामिल हैं:– भूख के खिलाफ लड़ाई, प्लास्टिक के एकल उपयोग को ना कहना, आवश्यक वस्तुओं का वितरण, एलजीबीटीक्यूआई समुदाय को उनकी क्षमता और मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करके उनका उत्थान करना। हमारा लक्ष्य स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में सुधार करना है, मुख्य रूप से शहरी गांवों में कैंसर पर ध्यान केंद्रित करना है जिसे हमने इस सत्र में अन्य मूल्यवान पहलों के साथ अपनाया है । उन्नत भारत अभियान का मिशन भाग लेने वाले उच्च शिक्षण संस्थानों को विकास चुनौतियों की पहचान करने और सतत विकास में तेजी लाने के लिए उचित समाधान विकसित करने में ग्रामीण भारत के लोगों के साथ काम करने में सक्षम बनाना है ।

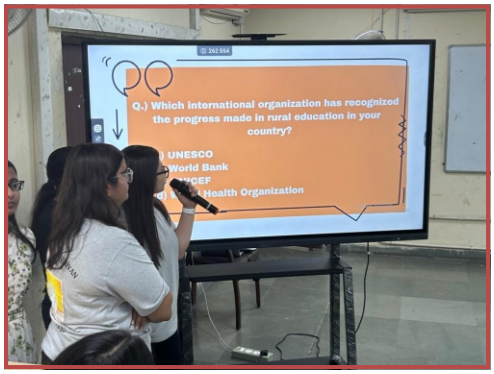

महिला विकास सेल – अनुभूति, कॉलेज का महिला विकास सेल अपनी विभिन्न कार्यशालाओं, सेमिनारों और गतिविधियों के माध्यम से महिलाओं के मुद्दों, उनके अधिकारों और महिलाओं को सशक्त बनाने के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए समर्पित है। इसमें मुद्दों के व्यापक क्षेत्र शामिल हैं – सामान्य और महिला – विशिष्ट दोनों। इसका उद्देश्य महिला कल्याण कानूनों के बारे में मार्गदर्शन करना, आर्थिक, सामाजिक और लैंगिक समानता के महत्व पर जोर देना, स्वास्थ्य और स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालना और समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए बहु–विषयक दृष्टिकोण विकसित करना है।

सामाजिक पहल@एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू.

समान अवसर सेल – यह सरकार का एक समावेशी समाज का दृष्टिकोण है, जिसमें उत्पादक, सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जीने के लिए विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) के विकास और वृद्धि के लिए समान अवसर और पहुंच प्रदान की जाती है । विकलांग व्यक्ति अधिनियम, 2016 स्पष्ट रूप से निर्मित वातावरण में गैर–भेदभाव का प्रावधान करता है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण विभाग द्वारा विकलांग व्यक्तियों के लिए सार्वभौमिक पहुंच प्राप्त करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम के रूप में 3 दिसंबर 2015 को विकलांग व्यक्तियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर श्सुगम्य भारत अभियानश शुरू किया गया था। विकलांग छात्रों को सशक्त बनाने और उन्हें उच्च शिक्षा में समान अवसर देने के उद्देश्य से कॉलेज के समान अवसर सेल (ईओसी) की स्थापना की गई है। सेल ऐसे छात्रों से संबंधित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्रसारित करता है और परामर्श और उपचारात्मक कक्षाओं के माध्यम से सुविधाएं और सहायता भी प्रदान करता है। परिसर को विकलांगों के अनुकूल बनाने के लिए सभी प्रयास किए गए हैं। कॉलेज में रैंप, लिफ्ट, व्हील चेयर, विकलांगों के लिए अनुकूल शौचालय और दिव्यांगों के लिए आरक्षित पार्किंग है । इसके अलावा, कॉलेज पुस्तकालय में दृष्टिबाधित छात्रों के लिए सहायक सॉफ्टवेयर वाले कंप्यूटर हैं ।

नार्थ ईस्ट सेल – इसकी स्थापना कॉलेज में पढ़ने वाले उत्तर–पूर्वी राज्यों के छात्रों के मुद्दों और चिंताओं को करने के उद्देश्य से की गई थी। छात्रों की भलाई को ध्यान में रखा गया और सेल का लक्ष्य उन्हें अपने मूल स्थानों से दूर एक घरेलू वातावरण सुनिश्चित करना है। यह एक सांसकृतिक समाज है जो कॉलेज से जुड़े दुनिया भर के छात्रों को उत्तर–पूर्वी राज्यों की विविध और शानदार, फिर भी कम ज्ञात, संस्कृतियों और परंपराओं और अज्ञात संस्कृतियों के बारे में जागरूकता फैलाने और प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है । सेल का उद्देश्य उत्तर–पूर्व राज्यों की कम ज्ञात संस्कृतियों और परंपराओं को मुख्यधारा में शामिल करके राष्ट्रीय एकता की दिशा में एक कदम के रूप में भाईचारे और विविधता में एकता की भावना को बढ़ावा देना है। महत्व – कॉलेज में ऐसी सोसायटी की उपस्थिति बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मतभेदों के बावजूद दुनिया भर के छात्रों को समान प्रतिनिधित्व और अवसर प्रदान करती है। अक्सर, यह देखा गया है कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों के छात्रों को भेदभाव और विषम परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, जिससे अक्सर छात्रों में अवसाद और अंतर्मुखी स्वभाव का विकास होता है। इसे रोकने की जरूरत है, कठिन परिस्थितियों को देखते हुए, नॉर्थ–ईस्ट सेल की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी और तब से यह सभी छात्रों को बेहतर कॉलेज जीवन प्रदान करके नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया है

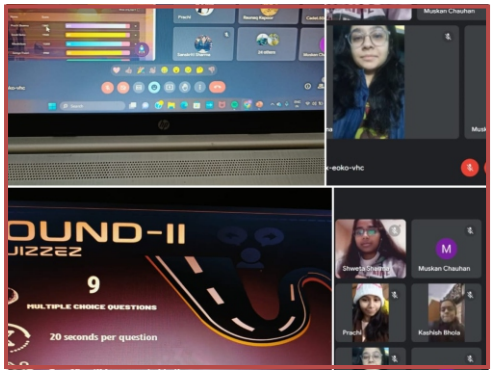

महाविद्यालय के नियम

लेक्चर्स, ट्यूटोरियल और प्रैक्टिकल

प्रत्येक छात्र को अध्ययन के लिए चुने गए प्रत्येक विषय के लेक्चर्स और ट्यूटोरियल/प्रैक्टिकल में उपस्थित होना अनिवार्य है। लेक्चर्स/प्रैक्टिकल के लिए छात्रों को खंडों अथवा समूहों में बांटा जाता है। छात्रों से यह आशा की जाती है कि वे अपने खंड/समूह/दिवस/अवधि का समय पर पता लगाएं ताकि कोई भी कक्षा छूट न सके। यदि कोई छात्र किसी लेक्चर अथवा प्रैक्टिकल कक्षा के लिए किसी खंड/समूह में अपना नाम/रोल नम्बर नहीं पाता है, तो उसे इस तथ्य को तुरंत संबंधित शिक्षक के संज्ञान में लाना चाहिए।

अनुशासन एवं उपस्थिति

कॉलेज के प्रत्येक छात्र को कॉलेज और विश्वविद्यालय के नियमों और विनियमों का पालन करना चाहिए। विश्वविद्यालय विनियमन के अनुसार, स्नातक पाठ्यक्रम के छात्र को प्रत्येक विषय के कुल लेक्चरों और ट्यूटोरियल्स/प्रैक्टिकलों में कम–से–कम 67 प्रतिशत उपस्थिति आवश्यक है। उपस्थिति में कमी वाले छात्रों को सैमेस्टर परीक्षाओं में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। छात्रों को कक्षाओं और प्रयोगशालाओं के भीतर और बाहर अनुशासन एवं शांति बनाए रखना आवश्यक । छात्रों को कक्षाओं और प्रयोगशालाओं में अपना मोबाईल फोन स्विच ऑफ रखना अपेक्षित है। प्रधानाचार्य की अनुमति के बिना कॉलेज परिसर के बाहर आयोजित किए गए किसी भी कार्यक्रम और/अथवा एकत्रीकरण के लिए कॉलेज उत्तरदायी नहीं होगा।

चिकित्सा छुट्टी

बीमारी के कारण अनुपस्थिति की छुट्टी के लिए सभी आवेदन के साथ किसी अधिकृत चिकित्सक अथवा अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाणपत्र संलग्न किया जाना चाहिए और इसे बीमारी के बाद छात्र के कॉलेज में उपस्थित होने की तारीख के एक सप्ताह के अवधि के भीतर प्रधानाचार्य के समक्ष प्रस्तुत किया जाना चाहिए। चिकित्सीय आधार पर उपस्थिति का लाभ देने के मामले में इस नियम का सख्ती से प्रवर्तन किया जाएगा।

पहचान–पत्र

सभी छात्रों को एडमिशन के तुरंत बाद आर.एफ. पहचान पत्र जारी किए जाते हैं। छात्रों के लिए यह अनिवार्य है कि प्रत्येक दिन कॉलेज में आते समय अपना पहचान–पत्र साथ लाएं और कॉलेज अधिकारियों द्वारा मांगे जाने पर इसका प्रदर्शन करना चाहिए। पहचान–पत्र खो जाने/खराब हो जाने के मामले में, जुर्माना और फीस का भुगतान करने के बाद कॉलेज कार्यालय से इसकी प्रतिलिपि प्राप्त की जा सकती है ।

पुस्तकालय

एक छात्र को प्रत्येक सप्ताह के लिए चार पुस्तकें और एक दिन के लिए एक टेक्स्ट बुक जारी की जा सकती है। यदि निर्धारित समय पर पुस्तक वापिस नहीं की जाती है तो पुस्तकालय नियमों के अनुसार जुर्माना जमा कराना होगा। पुस्तकालय की पत्रिकाएं केवल संदर्भ के लिए हैं। छात्र इनकी प्रतिलिपि भुगतान सुविधा के आधार पर प्राप्त कर सकते हैं। मुद्रित पुस्तकों के अतिरिक्त, छात्रों को 135000 ई–बुक और 5000 ई–पत्रिकाओं पर पहुंच बनाने के लिए एक लॉग–इन/पासवर्ड दिया जाएगा।

सूचना–पट

छात्रों को यह परामर्श दिया जाता है कि वे नियमित तौर पर सूचना–पट को पढ़े और समय–समय पर संगत आदेशों और निर्देशों का अनुपालन करें। छात्रों को यह भी सलाह दी जाती है कि वे स्वयं को सभी महत्वपूर्ण सूचनाओं से अवगत होने हेतु, समय–समय पर कॉलेज और विश्वविद्यालय की वेबसाईट का अवलोकन करें।

मेडल एवं पुरस्कार

प्रत्येक शैक्षणिक सत्र के अंत में, प्रत्येक पाठ्यक्रम में बेहतरीन शैक्षणिक निष्पादन के लिए मेडल से सम्मानित किया जाता है। शैक्षणिक पुरस्कारों के अतिरिक्त, कॉलेज में वर्षभर में आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के लिए भी मेडल और पुरस्कारों से सम्मानित किया जाता है ।

महाविद्यालय के नियम

सेमिनार, कार्यशालाएं और विभिन्न समारोह, वार्षिक तकनीकी उत्सव

कॉलेज विभिन्न उद्योगों / अनुसंधान संस्थानों के साथ प्रत्यक्ष चर्चा करने के क्रम में सेमिनार 2 / कार्यशालाओं का आयोजन करता है । प्रख्यात वक्ताओं को उनके संबंधित विशेषज्ञता प्राप्त क्षेत्र के संबंध में संभाषण प्रदान करने हेतु आमंत्रित किया जाता है। छात्रों के हित में, कॉलेज में समय–समय पर कुशल पेशेवरों द्वारा लेक्चरों का आयोजन भी किया जाता है । प्रत्येक छात्र के लिए इन सेमिनारों / कार्यशालाओं / लेक्चरों में उपस्थित होना अनिवार्य है, जिसमें विफल होने पर दोषी छात्रों के विरूद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

लॉकर्स

शैक्षणिक सत्र के आरम्भ में प्रत्येक छात्र को एक लॉकर उपलब्ध कराया जाता है। छात्रों को प्रयोगशालाओं, ऑडिटोरियम और पुस्तकालय के भीतर अपने बैग ले जाने की अनुमति नहीं दी जाती है और उन्हें अपने बैग और अन्य सामानों को लावारिस नहीं छोड़ना चाहिए। इसीलिए सुरक्षा की दृष्टि से, लॉकरों को लॉक करके रखा जाना चाहिए।

कॉलेज संपत्ति को नुकसान

छात्रों को कॉलेज संपत्ति की समुचित देखभाल करनी होगी और उन्हें कॉलेज सम्पत्ति, फर्नीचर, फिटिंग्स इत्यादि को विकृत अथवा कोई नुकसान अथवा छेड़छाड़ नहीं करनी चाहिए। कॉलेज संपत्ति को नुकसान पहुंचाने में शामिल पाए जाने वाले छात्रों के विरूद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

छात्रवृत्ति

सभी पात्र एस.सी. / एस.टी., ओ.बी.सी., दिव्यांग छात्र इत्यादि को प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष के लिए, नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर उद्घोषित होने पर, उनके छात्रवृत्ति फार्म ऑनलाइन प्रस्तुत करने चाहिए।

फीस छूट

कॉलेज जरूरतमंद, आर्थिक रूप से कमजोर और प्रबुद्ध छात्रों के लिए फीस में छूट की पेशकश करता है। इस सुविधा का लाभ उठाने के इच्छुक छात्र एडमिशन के पश्चात् निर्धारित प्रपत्र (कॉलेज की वेबसाइट पर उपलब्ध) में आवेदन कर सकते हैं।

उपरोक्त नियमों के उल्लंघन के मामले में छात्राओं के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। अनुशासनात्मक कार्रवाई में चेतावनी, जुर्माना और कॉलेज पुस्तकालय के उपयोग से निलंबन, कक्षा से निलंबन अथवा यहां तक कि कॉलेज से निष्कासन भी शामिल है।

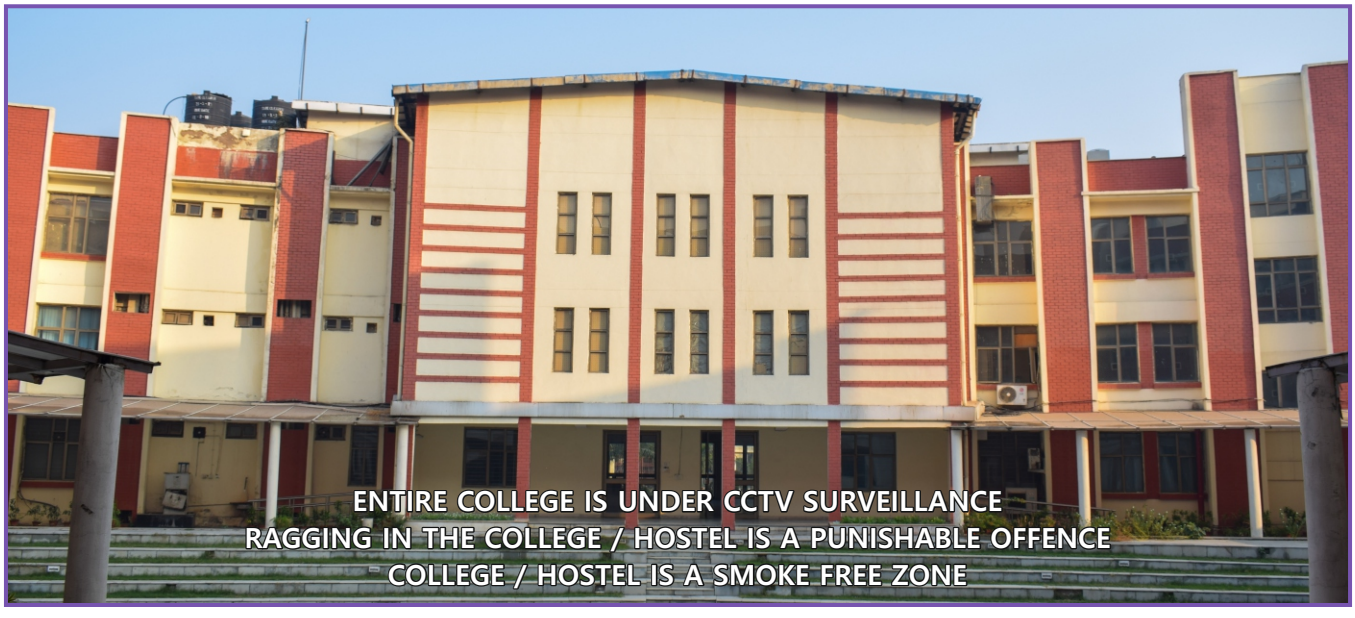

अध्यादेश

अध्यादेश XV – बी

विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच अनुशासन बनाए रखना

1. अनुशासन और अनुशासनात्मक कार्रवाई संबंधी सभी शक्तियां कुलपति के पास निहित है।
2. कुलपति सभी अथवा ऐसी शक्तियों, जिन्हें वे उचित समझें, को प्रॉक्टर और ऐसे अन्य व्यक्तियों, जिन्हें वे इस संबंध में निर्दिष्ट कर सकते हैं, को प्रत्यायोजित कर सकते हैं।
3. अध्यादेश के तहत अनुशासन के प्रवर्तन की शक्तियों की सार्वभौमता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, निम्नलिखित को अशिष्टतापूर्ण अनुशासनहीनता का कार्य माना जाएगा :
   - क. दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी संस्थानधविभाग के किसी शिक्षण एवं गैर–शिक्षण स्टॉफ के सदस्य और किसी छात्र के विरूद्ध शारीरिक मार–पीट करना अथवा शारीरिक बल प्रयोग करने की धमकी देना ।
   - ख. किसी हथियार को अपने पास रखना, उसका प्रयोग करना अथवा प्रयोग करने की धमकी देना।
   - ग. सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1976 के प्रावधानों का कोई उल्लंघन।
   - घ. अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों की प्रतिष्ठा, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन।
   - ङ. महिलाओं के प्रति मौखिक अथवा अन्यथा – अपमानजनक व्यवहार।
   - छ. संस्थानिक संपत्ति को जान–बूझकर क्षति पहुंचाना
   - च. किसी भी प्रकार की रिश्वत अथवा भ्रष्टाचार संबंधी कोई प्रयत्न करना।
   - ज. धार्मिक अथवा सांप्रदायिक आधार पर वैमनस्य अथवा असहिष्णुता का सृजन करना।
   - झ. विश्वविद्यालय प्रणाली के शैक्षणिक कार्यकरण की किसी पद्धति में बाधा उत्पन्न करना।
   - ञ. अध्यादेश XV–सी के अनुसार रैगिंग प्रतिबंधित है
4. अनुशासन बनाए रखने संबंधी अपनी शक्तियों की सार्वभौऊना पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना और अनुशासन बनाए रखने के हित में ऐसी कार्रवाई, जिसे वह उचित समझे, कुलपति, उपरोक्त उल्लिखित अपनी कयों का प्रयोग करते हुए किसी छात्र अथवा छात्रों को निम्नलिखित आदेश अथवा निर्देश दे सकते हैं :–.
   - क. निष्कासन करनाय अथवा
   - ख. किसी कथित अवधि के लिए निष्कासित करनाय अथवा
   - ग. विश्वविद्यालय के किसी कॉलेज, विभाग अथवा संस्थान में अध्ययन के लिए किसी कार्यक्रम अथवा कार्यक्रमों में एक कथित अवधि के लिए दाखिल न करनाय
   - घ .राशि का जुर्माना लगाना, जैसा कि निर्दिष्ट किया जाएय अथवा
   - ङ. विश्वविद्यालय अथवा कॉलेज अथवा विभागीय परीक्षा अथवा परीक्षाएं देने हेतु एक अथवा अधिक वर्ष की अवधि के लिए रोक लगानाय अथवा संबंधित छात्र अथवा छात्रों की परीक्षा अथवा परीक्षाओं, जिनमें वह अथवा वे शामिल हुए हैं, के परिणाम को रद्द करना।
5. संबंधित विभागों में संस्थान, हॉल और शिक्षण। वे अपने प्राधिकार को, अपने कॉलेज, संस्थान अथवा विभागों में ऐसे शिक्षकों, जिन्हें वे इस उद्देश्य के लिए उचित समझे, द्वारा प्रयोग सकते हैं अथवा उन्हें प्रत्यायोजित कर सकते हैं।
6. कुलपति और प्रॉक्टर, जैसा की ऊपर उल्लेख किया गया है, की शक्तियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, अनुशासन और उचित व्यवहार संबंधी व्यापक नियम तैयार किए जाएंगे। इन नियम की अनुपूर्ति, आवश्यकता पड़ने पर, इस विश्वविद्यालय के कॉलेजों के प्रधानाचार्यों, हॉल के अध्यक्षों, संकायों के अध्यक्षों और शिक्षण विभागों के अध्यक्षों द्वारा की जाएगी। प्रत्येक छात्र द्वारा इन नियमों की एक प्रति को प्राप्त किया जाना प्रत्याशित है। एडमिशन के समय, प्रत्येक छात्र द्वारा एक घोषणा पर हस्ताक्षर किया जाना आवश्यक है कि एडमिशन किए जाने पर, वह विश्वविद्यालय के कुलपति और विभिन्न प्राधिकारियों, जिन्हें अधिनियमों, कानूनों, अध्यादेशों और नियमों, जिन्हें विश्विविद्यालय द्वारा तैयार किया गया है, के तहत अनुशासन बनाए रखने की शक्तियां प्रदान की गई हैं, के अनुशासनात्मक क्षेत्राधिकार के अधीन स्वयं को शामिल किए जाने की सहमति देता/देती हैं।

19.2 अध्यादेश XV–सी

रैगिंग पर प्रतिबंध और दंड

1. दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के किसी भाग और कॉलेजधविभाग अथवा संस्थान के परिसर के साथ–साथ सार्वजनिक परिवहन के भीतर किसी भी प्रकार की रैगिंग सर्वथा निषिद्ध हैं।
2. रैगिंग का कोई व्यक्तिगत अथवा सामूहिक कार्य अथवा प्रयास अशिष्टतापूर्ण अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है तथा ऐसे मामलों को इस अध्यादेश के तहत निपटाया जाएगा।
3. इस अध्यादेश के प्रयोजनों के तहत रैगिंग का सामान्य अर्थ है – कोई कार्य, व्यवहार अथवा प्रयास जिसके तहत वरिष्ठ छात्रों की प्रभावशाली

शक्ति अथवा पद का प्रयोग नए नामांकित छात्रों अथवा उन छात्रों, जो किसी भी रूप में अन्य छात्रों द्वारा कनिष्ठ अथवा अवर माने जाते हों, को सहन करना पड़ता होय और जिसमें व्यक्तिगत अथवा सामूहिक रूप से निम्नलिखित कार्य अथवा प्रयास शामिल है

क. शारीरिक मार–पीट अथवा शारीरिक बल प्रयोग की धमकी देना ।

ख. छात्राओं की प्रतिष्ठा, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन करना ।

ग. अनुसूचित जाति और जनजाति से संबंद्ध छात्रों की प्रतिष्ठा, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन करना।

घ. उपहास अथवा अपमान करने के लिए किसी छात्र की कोई बात उजागर करना और उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाना।

ङ. मौखिक दुर्व्यवहार और मारपीट, अभद्र इशारे और अश्लील व्यवहार में शामिल होना।

4. कॉलेज के प्रधानाचार्य, विभाग अथवा संस्थान के अध्यक्ष, कॉलेज अथवा विश्वविद्यालय छात्रावास अथवा आवासीय हॉल के प्राधिकारी रैगिंग संबंधी कोई सूचना प्राप्त होने पर तत्काल कार्रवाई करेंगे।
5. उपरोक्त खंड (4) में कोई भी होने के बावजूद, प्रॉक्टर भी स्वतः संज्ञान लेकर रैगिंग की किसी भी घटना की जांच कर सकते हैं और कुलपति को, उन व्यक्तियों, जो रैंगिंग में शामिल हुए, तथा घटना की प्रकृति की रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।
6. प्रॉक्टर,, रैगिंग के दोषियों की पहचान तथा घटना की प्रकृति का विवरण देते हुए एक प्राथमिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत कर सकते हैं।
7. यदि कॉलेज के प्रधानाचार्य अथवा विभाग अथवा संस्थान के अध्यक्ष अथवा प्रॉक्टर इस बात से संतुष्ट हैं कि कुछेक कारणों, जिन्हें लिखित रूप से लेखबद्ध किया जाना चाहिए, से ऐसी जांच करना यथोचित रूप से व्यवहार्य नहीं है, तो वे तदनुसार कुलपति को परामर्श दे सकते हैं।
8. यदि कुलपति इस बात से संतुष्ट होंगे कि ऐसी जांच करना अनिवार्य नहीं है, तो उनका निर्णय अंतिम होगा।
9. खंड (5) अथवा (6) के तहत रिपोर्ट अथवा खंड (7) के तहत प्रासंगित प्राधिकारी की अवधारणा, जिसमें खंड 3 (क), (ख) और (घ) में निर्दिष्ट रैगिंग की घटना होने का उल्लेख किया गया हो, प्राप्त होने पर, कुलपति किसी छात्र अथवा छात्रों को विशिष्ट वर्षावधि के लिए निष्कासित करने का निर्देश अथवा आदेश दे सकते हैं।
10. रैगिंग के अन्य मामलो में कुलपति, छात्रा अथवा छात्राों को निष्कासित करने अथवा विश्वविद्यालय के किसी कॉलेज में अध्ययन के लिए किसी कार्यक्रम में एक कथित अवधि के लिए दाखिल न देने, एक अथवा अधिक वर्ष की अवधि के लिए विभागीय परीक्षा पर रोक अथवा संबंधित छात्रा अथवा छात्राों की परीक्षा अथवा परीक्षाओं, जिनमें वह अथवा वे शामिल हुए हैं, के परिणाम को रद्द करने का निदेश अथवा आदेश दे सकते हैं।
11. यदि दिल्ली विश्वविद्यालय से डिग्री अथवा डिप्लोमा प्राप्त करने वाला कोई छात्रा दोषी पाया जाता है, तो ऐसे मामले में; इस अध्यादेश के तहत सांविधि 15 के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई डिग्री अथवा डिप्लोमा के वापिसी के लिए समुचित कार्रवाई की जाएगी।
12. इस अध्यादेश के प्रयोजन के लिए, रैगिंग के किसी कार्य, व्यवहार अथवा उकसावे के माध्यम से रैगिंग के लिए प्रेरित करने के कार्य को भी रैगिंग माना जाएगा।
13. दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के अंतर्गत सभी संस्थान, इस अध्यादेश के तहत जारी किए गए निर्देशों/दिशानिर्देशों को पूरा करने और इस अध्यादेश के प्रभावी कार्यान्वयन को प्राप्त करने हेतु कुलपति को सहायता प्रदान करने के लिए बाध्य होंगे।

नोट : अध्यादेश XV–सी के अनुसरण में कुलपति का आदेश

इस अध्यादेश के तहत किसी प्राधिकरण द्वारा जब रैगिंग की कोई घटना(ओं) को कुलपति को सूचित की जाती है, तो रैगिंग में शामिल छात्राों को आदेश में निर्दिष्टानुसार एक विशिष्ट अवधि के लिए निष्कासित किया जाएगा। रैगिंग के मामले में रिपोर्ट में शामिल किए गए गैर–छात्रा व्यक्तियों पर भारत के आपराधिक कानून के तहत कार्रवाई की जाएगीय उन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी संस्थान में नामांकित होने के लिए पांच वर्ष की अवधि हेतु अपात्रा ठहराया जाएगा। उन छात्राों, जिनके विरूद्ध इस नोट के तहत आवश्यक कार्रवाई की गई है, को नैसर्गिक न्याय के नियमों के सख्त अनुसरण में, निर्णय–पश्चात् सुनवाई का अनुमति दी जाएगी।

19.3 अध्यादेश XV–डी

कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिबंध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 (विधि एवं न्याय मंत्रालय)

कार्यस्थल पर महिलाओं को यौन उत्पीड़न से संरक्षण प्रदान करने और उसकी रोकथाम करने तथा यौन उत्पीड़न और उनसे संबंधित एवं परिणामी मामलों संबंधी शिकायतों का समाधान करने के लिए एक अधिनियम है।

हालांकि भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 एवं 15 के तहत यौन उत्पीड़न, महिलाओं को समानता के मौलिक अधिकारों तथा संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन का अधिकार और सम्मान से जीने का अधिकार और कोई व्यवसाय करने अथवा किसी रोजगार, व्यापार अथवा व्यवसाय जिसमें यौन उत्पीड़न रहित सुरक्षित परिवेश का अधिकार शामिल हैं, में संलग्न होने के अधिकारों का उल्लंघन है।

और हालांकि महिलाओं के प्रति किसी भी प्रकार के भेदभाव को समाप्त करने संबंधी सभागम, जिसे 25 जून, 1993 द्वारा भारत सरकार द्वारा स्वीकृति दी गई, जैसे अंतर्राष्ट्रीय सभागम और इंस्ट्रूमेट्स द्वारा यौन उत्पीड़न से संरक्षण और सम्मान के साथ कार्य करने के अधिकार को वैश्विक रूप से मानवाधिकार की मान्यता प्रदान की गई है।

और हालांकि कार्यस्थल पर महिलाओं को यौन उत्पीड़न के विरूद्ध संरक्षण के लिए उक्त सभागम को प्रभावी बनाने के लिए प्रावधान किया जाना वांछनीय है। विवरण के लिए, कृपया वेबसाईट http//indiacode.nic.in/acts.in.pdf/142013.pdf का अवलोकन करें

समितियाँ

प्रवेश समिति

प्रो. जसजीत कौर (संयोजक)	8130959522
डॉ. दया भारद्वाज (संयोजक)	9811239028
डॉ. वर्षा मेहरा (विदेशी छात्र सलाहकार)	9971703464
डॉ. साधना जैन, टी.आई.सी., जैव रसायन विभाग	9810103664
डॉ. वर्षा मेहरा, टी.आई.सी., बायोमेडिकल साइंसेज विभाग	9971703464
प्रो. जसजीत कौर, टी.आई.सी., रसायन विज्ञान विभाग	8130959522
डॉ. दीपाली बजाज, टी.आई.सी., कंप्यूटर विज्ञान विभाग	9899291274
डॉ. दीपा जोशी, टी.आई.सी., खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग	9810950353
सुश्री वेनिका गुप्ता, टी.आई.सी., इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग	9953469945
डॉ. दया भारद्वाज, टी.आई.सी., यंत्रिकी विभाग	9811239028
प्रो. पुनिता सक्सेना, टी.आई.सी., गणित विभाग	9810221483
डॉ. रेखा मेहरोत्रा, टी.आई.सी., जीव–विज्ञान/सूक्ष्म जीव–विज्ञान विभाग	9811243283
प्रो. अलका वोहरा कुँअर, टी.आई.सी., भौतिकी विभाग	9717453770
डॉ. दया भारद्वाज, टी.आई.सी., मनोविज्ञान विभाग	9811239028
प्रो. पायल मागो / डॉ. दीपिका त्यागी, सांख्यिकी विभाग	9529794512
प्रो. पायल मागो / श्री सुभाष मंडा, वित्तीय अध्ययन विभाग	9873257221
प्रो. पायल मागो / डॉ. डिम्पी हांडा, प्रबंधन अध्ययन विभाग	9212111802

प्रवेश शिकायत समिति

डॉ. मोहम्मद साक़िब अंसारी (संयोजक)	9868877867
डॉ. श्रीश अग्निहोत्री (सह–संयोजक)	7503556041

खेल प्रवेश समिति

सुश्री वेनिका गुप्ता (संयोजक)	9953469945
डॉ. बिमला पवार (सह–संयोजक)	9810224259

ईसीए प्रवेश समिति

डॉ. पारा ढोलकिया	9811706879
डॉ. मनीषा खत्री	9810169181

विशेष श्रेणियों के प्रवेश सक्षम समिति

डॉ. मोहम्मद साक़िब अंसारी (संयोजक)	9868877867
डॉ. सुनील कुमार	9871986754

प्रॉक्टोरियल और एंटी–रैगिंग समिति

डॉ. हेमंत	9818715652
डॉ. सतीश कुमार	8006324065

आंतरिक शिकायत समिति

प्रो. रंजना सिंह (नोडल अधिकारी)	9818258145

फीस छूट समिति

सुश्री प्रीति सिंघल (संयोजक)	9868516331

पाठ्यक्रम–वार सीटों की संख्या

क्रमांक	कार्यक्रम का नाम	सामान्य	ओ.बी.सीकुल (एन.सी.एल.)	एस.सी.	एस.टी.	ई.डब्ल्यू.एस	कुल (सुपरन्यूमरी के अलावा)	पी.डब्ल्यू.डी	सी.डब्ल्यू. (आर्मी)	के.एम.	खेलकूद	ई.सी.ए	वार्ड कोटा (14 टी./14 पी.टी.)	विदेशी नागरिक	कुल सुपरन्यूमरी
1	बी.एस.सी.(आनर्स) बॉयोमेडिकल साइंस	16	11	6	3	4	40	2	2	2	2	1	2	4	15
2	बी.एस.सी.(आनर्स) बॉयोकैमिस्ट्री	16	11	6	3	4	40	2	2	2	1	1	2	4	14
3	बी.एस.सी.(आनर्स) कैमिस्ट्री	16	11	6	3	4	40	2	2	2	1	1	2	4	14
4	बी.एस.सी.(आनर्स) कम्प्यूटर साइंस	23	16	9	4	6	58	3	3	2	2	1	2	5	18
5	बी.एस.सी.(आनर्स) इलैक्ट्रॉनिक्स	16	11	6	3	4	40	2	2	2	1	1	2	4	14
6	बी.एस.सी.(आनर्स) खाद्य प्रौद्योगिकी	16	11	6	3	4	40	2	2	2	2	1	2	4	15
7	बी.एस.सी.(आनर्स) इंस्ट्रूमेंटेशन	16	11	6	3	4	40	2	2	2	0	1	2	4	13
8	बी.एस.सी.(आनर्स) गणित	23	16	9	4	6	58	3	3	2	2	1	2	5	18
9	बी.एस.सी.(आनर्स) माइक्रोबॉयोलोज	16	11	6	3	4	40	2	2	2	1	1	2	4	14
10	बी.एस.सी.(आनर्स) भौतिकी	23	16	9	4	6	58	3	3	2	1	1	2	5	17
11	बी.एस.सी.(आनर्स) सांख्यिकी	23	16	9	4	6	58	3	3	2	1	1	2	5	17
12	बी.बी.ए. (एफ.आई.ए.) (बैचुलर इन बिजनैस स्टडीज (फाईनैनशियल इन्वैस्टमेंट एनालिसिस)	23	16	9	4	6	58	3	3	2	1	1	2	5	17
13	बी.एम.एस .(बैचुलर इन मैनेजमेंट स्टडीज)	23	16	9	4	6	58	3	3	2	2	1	2	5	18
14	बी.ए.(आनर्स) मनोविज्ञान	23	16	9	4	6	58	3	3	2	2	2	2	5	19

शुल्क संरचना

शैक्षणिक वर्ष 2024–25 (प्रथम वर्ष) के लिए शुल्क संरचना
(दिल्ली विश्वविद्यालय के पत्र क्रमांक *Acad. I/UG &PG Fee/2024-25/228* दिनांक 21.06.24 के अनुसार)

(A)	Maintenance Account	Amount
1	ट्यूशन फीस	180
2	विश्वविद्यालय छात्रा कल्याण कोष**	250
3	कॉलेज छात्रा कल्याण कोष**	4500
4	विश्वविद्यालय विकास कोष*	1200
5	कॉलेज विकास कोष**	2000
6	विश्वविद्यालय सुविधाएं और सेवा शुल्क*	1250
7	कॉलेज सुविधाएं और सेवा शुल्क	15500
8	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग सहायता विश्वविद्यालय कोष*	200
	कुल	**25080**
	कंप्यूटर विज्ञान पाठ्यक्रम शुल्क अतिरिक्त	**15000**
	बायोमेडिकल साइंस कोर्स शुल्क अतिरिक्त	**10000**
	बी.बी.ए. (एफ.आई.ए.) कोर्स शुल्क अतिरिक्त	**11000**
	निम्नलिखित को छोड़कर सभी पाठ्यक्रमों के लिए कुल शुल्क::	**25080**
	बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस के लिए कुल शुल्क	**40080**
	बी.एससी. (ऑनर्स) बायोमेडिकल साइंस के लिए कुल शुल्क	**35080**
	बी.बी.ए. (एफ.आई.ए) के लिए कुल शुल्क	**36080**

* विश्वविद्यालय को देय।
** छात्रा समाज कल्याण कोष में देय।

कार्यक्रम एवं श्रेणीवार फीस 2024–25 सत्र

सं.	कार्यक्रम	सामान्य/ओ.बी.सी./ई.डब्लयू.एस./सी.डब्लयू./के.एम./खेलकूद/ई.सी.ए./वार्ड	एस.सी./एस.टी.	पी.डब्ल्यू.डी.	अनाथ नागरिक*
1	बॉयोकैमिस्ट्री	25080	24900	2900	2910
2	बॉयोमेडिकल साइंस	35080	34900	2900	2910
3	कैमिस्ट्री	25080	24900	2900	2910
4	कंप्यूटर साइंस	40080	39900	2900	2910
5	इलैक्ट्रॉनिक्स	25080	24900	2900	2910
6	खाद्य प्रौद्योगिकी	25080	24900	2900	2910
7	इंस्ट्रूमेंटेशन	25080	24900	2900	2910
8	गणित	25080	24900	2900	2910
9	माइक्रोबॉयोलोजी	25080	24900	2900	2910
10	भौतिकी	25080	24900	2900	2910
11	सांख्यिकी	25080	24900	2900	2910
12	बिजनैस प्रशासन (एफ.आई.ए.)	36080	35900	2900	2910
13	मैनेजमेंट स्टडीज (बी.एम.एस.)	25080	24900	2900	2910
14	मनोविज्ञान	25080	24900	2900	2910

फीस वापिसी नीति

फीस वापिसी और रिफंड नीति के विवरण के लिए
दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट :
www.admission.uod.ac.in

मार्गदर्शिका

शहीद राजगुरू कॉलेज ऑफ एप्लाईड सांईसेस फॉर वुमैन

वसुन्धरा एनक्लेव, दिल्ली–110096

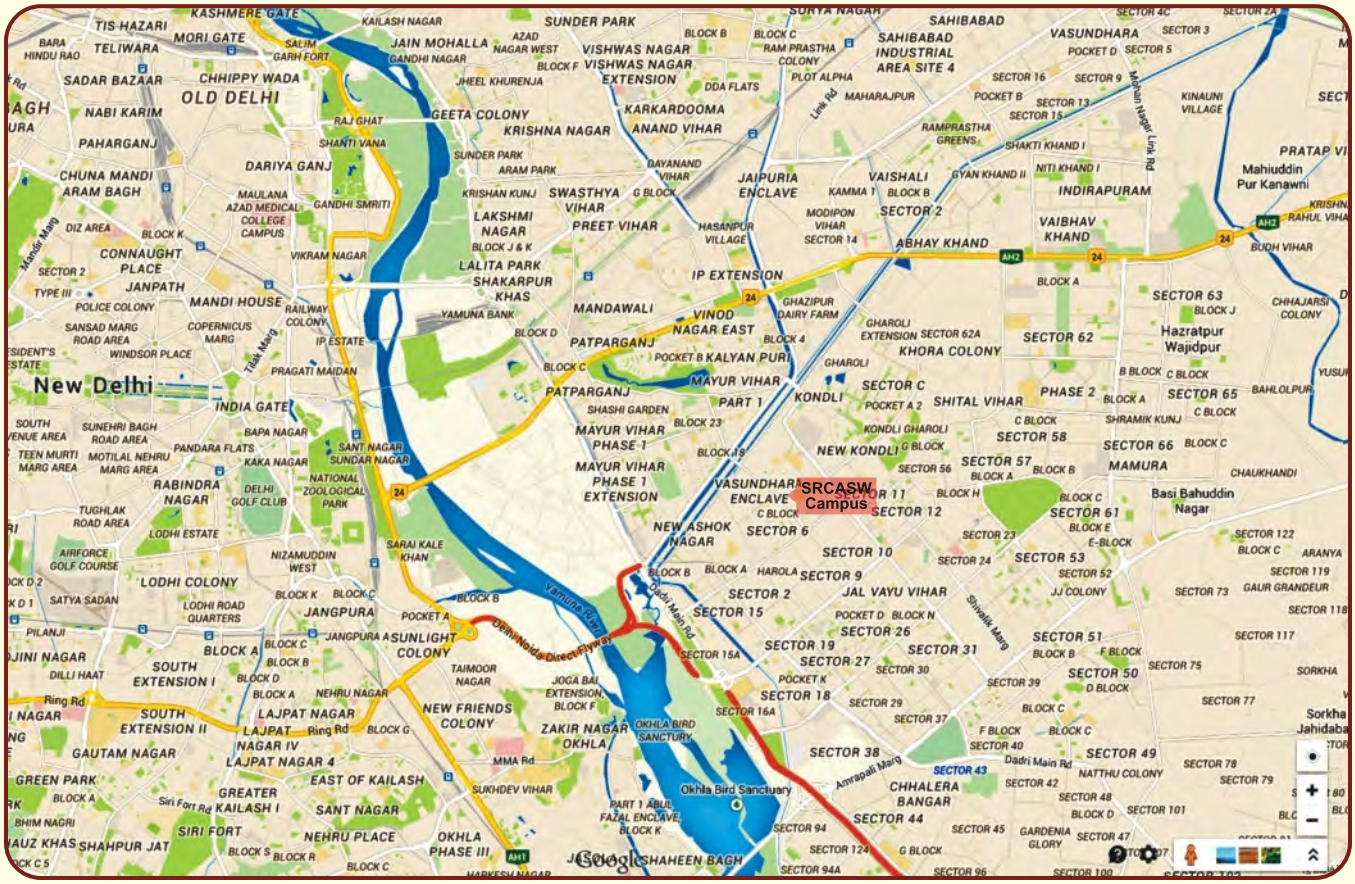

नजदीकी मेट्रो स्टेशन : सैक्टर 15, नौएडा, ऊ॰प्र॰ (2.5 कि॰मी॰)
न्यू अशोक नगर, दिल्ली (3.7 कि॰मी॰)
मयूर विहार एक्सटेंशन (4.5 कि॰मी॰)

अस्वीकरण:

किसी भी विसंगति की स्थिति में, अंग्रेजी प्रोस्पेक्टस 2024–25 की सामग्री को अंतिम माना जाएगा।

शहीद राजगुरू कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज़ फॉर वुमैन

(दिल्ली विश्वविद्यालय)

वसुंधरा एनक्लेव (चिल्ला स्पोर्ट्स कॉम्पलैक्स के पास), दिल्ली–110096

दूरभाष : 22623503, 22623505 • दूरभाष/फैक्स : 22623504

वेबसाइट : www.rajgurucollege.com